MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 01 सितंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-241

ओउम् शांति ओउम्

पुतिन से बोले मोदी- युद्ध समाधान नहीं

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से एक दिन पहले मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच यह बैठक आधे घंटे से अधिक समय तक चली। बैठक में भारत-रूस के द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार एवं आर्थिक सहयोग के साथ यूक्रेन युद्ध, क्षेत्रीय संपर्क और अन्य वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत के शांति और संवाद के रुख को दोहराया।

राष्ट्रपति पुतिन से बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मानवता की भलाई के लिए दुनिया को अंतहीन युद्ध से युद्ध के अंत की ओर बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि मानवता की भलाई के लिए हमें अंतहीन युद्ध के दौर से निकलकर युद्ध की समाप्ति की दिशा में आगे बढ़ना होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन मुद्दे पर भारत की स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि भारत इसके समाधान के लिए किए जा रहे सभी शांतिपूर्ण प्रयासों का समर्थन करता है और आगे भी करता रहेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी समस्याओं का समाधान शांतिपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए और मौजूदा परिस्थितियों में पूरी मानवता

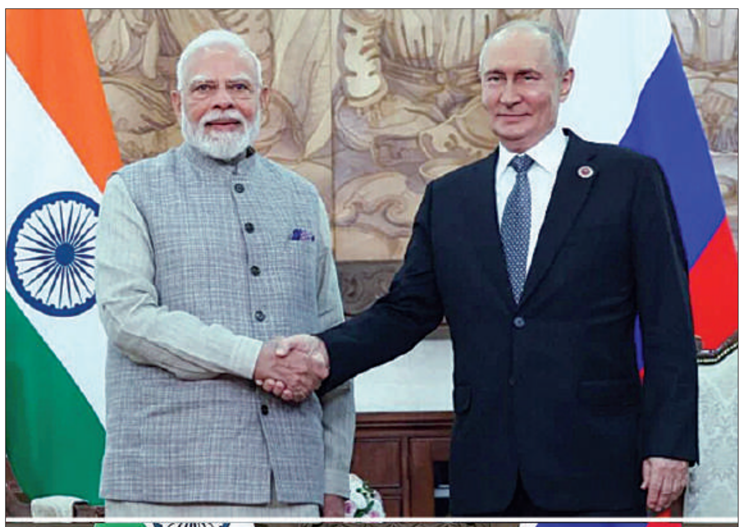

को इसकी आवश्यकता है।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बैठक के दौरान भारत और रूस के बीच मजबूत होते संबंधों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं और इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत ध्यान एवं रुचि की महत्वपूर्ण भूमिका है। पुतिन ने भारत-रूस व्यापार और आर्थिक सहयोग को लेकर भी सकारात्मक रुख व्यक्त किया।

उन्होंने बताया कि दोनों देशों के बीच व्यापारिक कारोबार में दो प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। पर्यटन के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच संपर्क बढ़ा है। पुतिन के मुताबिक, वर्ष 2025 में भारत और रूस के बीच पर्यटकों की आवाजाही में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

बैठक में राष्ट्रपति पुतिन की प्रस्तावित भारत यात्रा का भी उल्लेख हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सितंबर में नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पुतिन की भारत यात्रा से दोनों देशों के संबंधों को और मजबूती मिलेगी।

सूत्रों के मुताबिक, मोदी और पुतिन की बातचीत में वैकल्पिक आपूर्ति मार्ग, क्षेत्रीय संपर्क और बहुपक्षीय सहयोग जैसे मुद्दे भी एजेंडे में शामिल रहे। दोनों देश बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को आगे बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। मोदी-पुतिन की मुलाकात को मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में भारत और रूस की साझेदारी के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, बैठक से यह संदेश भी सामने आया कि प्रतिबंधों के बावजूद भारत ▶8पर

भारत ने हेग कोर्ट को दिखाई औकात

सिंधु पर ठेंगा!

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत ने सिंधु जल संधि पर हेग स्थित स्थायी मध्यस्थता न्यायालय के फैसले को दो टूक खारिज कर दिया है। भारत ने इस न्यायालय को ही गैर-कानूनी तरीके से गठित बताते हुए कहा कि इसके फैसले से भारत के संप्रभु कार्यों अथवा चल रही परियोजनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का भारत का फैसला लागू रहेगा। मंत्रालय ने मध्यस्थता कर रही संस्था के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि संधि अभी भी लागू है और भारत को जम्मू-कश्मीर में एक जलविद्युत परियोजना पर काम सीमित करना चाहिए।

विश्व बैंक की अगुवाई में हो रही इस सुनवाई को खारिज करते हुए भारत ने कहा कि तथाकथित मध्यस्थता न्यायालय के पास भारत के संप्रभु फैसलों पर निर्णय सुनाने का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है।विदेश मंत्रालय ने कहा, सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का भारत का फैसला लागू रहेगा।

हेग स्थित अदालत ने अपने फैसले में क्या कहा?

हेग स्थित स्थायी मध्यस्थता न्यायालय ने सोमवार को कहा कि भारत को पाकिस्तान के साथ पानी के बंटवारे से संबंधित उस संधि का पालन करना चाहिए, जिसे भारत ने दोनों देशों के बीच बढ़े तनाव के कारण स्थगित कर दिया था। अदालत ने साथ ही कहा कि भारत को कश्मीर क्षेत्र में निर्माणाधीन जलविद्युत संयंत्र पर काम भी सीमित करना चाहिए।

स्थायी मध्यस्थता न्यायालय ने कहा कि सिंधु जल संधि पूरी तरह लागू है, क्योंकि भारत के पास इस समझौते को खत्म करने अथवा स्थगित करने का कोई उचित कारण नहीं था।

अदालत ने कहा कि भारत को संधि के तहत अपनी जिम्मेदारियों का पालन करना चाहिए। इनमें पश्चिमी नदियों पर अपनी जलविद्युत परियोजनाओं के डिजाइन और संचालन से जुड़ी जिम्मेदारियां भी शामिल हैं। अदालत ने कहा कि विश्व बैंक की ओर से नियुक्त एक निष्पक्ष विशेषज्ञ जुलाई 2027 तक यह तय करेगा कि हिमालयी क्षेत्र में जलविद्युत संयंत्र का निर्माण संधि के अनुरूप है या नहीं।

पाकिस्तान की मांग को स्वीकार करते हुए अदालत ने कहा कि निष्पक्ष विशेषज्ञ के फैसले के 90 दिन बाद तक भारत को रातले जलविद्युत परियोजना में निर्धारित स्तर से ऊपर बांध की दीवार और बिजली जलग्रहण ढांचा बनाने की अनुमति नहीं होगी।

पाकिस्तान और अदालत को भारत का दो टूक जवाब

भारत ने इस अदालत को मानने से ही इनकार करते हुए कहा कि इसका गठन विश्व बैंक द्वारा सिंधु जल संधि की शर्तों का स्पष्ट उल्लंघन करते हुए किया गया था।सरकार ने कहा कि गैर-कानूनी तरीके से गठित तथाकथित मध्यस्थता न्यायालय ने सिंधु जल संधि के तहत अंतरिम उपायों और मौजूदा स्थिति से संबंधित एक फैसला जारी किया है।विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत इस तथाकथित फैसले को पूरी तरह खारिज करता है, ठीक उसी तरह जैसे उसने इस गैर-कानूनी ▶8पर

चलती स्लीपर बस में नाबालिग से गैंगरेप

एक और निर्भया!

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

दिल्ली में 16 वर्षीय छात्रा से चलती स्लीपर बस में सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना 4 अगस्त की बताई गई है, जिसकी जानकारी पुलिस ने 31 अगस्त को दी। पुलिस ने मामले में बस चालक कुलदीप और परिचालक संदीप को गिरफ्तार किया है। हालांकि, दोनों की गिरफ्तारी की तारीख की जानकारी सामने नहीं आई है।

पुलिस के मुताबिक, पीड़िता उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले की रहने वाली है और 11वीं कक्षा की छात्रा है। वह ग्रेटर नोएडा के परी चौक से बस में सवार हुई थी। आरोप है कि दोनों आरोपियों ने उसे कश्मीरी गेट के पास उतार दिया। इस दौरान बस करीब 47 किलोमीटर तक चली। बस की खिड़कियों पर पर्दे लगे हुए थे।

पुलिस के मुताबिक, छात्रा परिवार में हुए विवाद के बाद बिना बताए नोएडा में रहने वाले अपने रिश्तेदार के घर जाने के लिए बस से निकली थी। मैनपुरी से नोएडा की दूरी 300 किलोमीटर से अधिक है।

पुलिस के अनुसार, भारी बारिश और अंधेरा होने के कारण छात्रा गलती से ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर उतर गई। इसके बाद वह नोएडा जाने के लिए वाहन का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान वहां से एक खाली स्लीपर बस गुजरी। छात्रा ने बस को रुकने का इशारा किया।

आरोप है कि चालक और परिचालक ने छात्रा को बस में बैठा लिया और बताया कि बस नोएडा सेक्टर-63 जा रही है। पुलिस के मुताबिक, बस चलने के कुछ समय बाद परिचालक ने छात्रा के साथ अश्लील हरकत करने का प्रयास किया।

विरोध करने पर जान से मारने की धमकी

छात्रा ने पुलिस को दिए बयान में आरोप लगाया कि चालक और परिचालक ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। विरोध करने पर दोनों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। ▶8पर

मूसारामबाग पुल उद्घाटित

रेवंत ने केसीआर की अनुपस्थिति पर निशाना साधा

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मूसारामबाग-अंबरपेट पुल का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह पुल लंबे समय से चली आ रही ट्रैफिक जाम और क्षेत्र में गंभीर मौसमी बाढ़ की समस्याओं का समाधान करता है।

यह पुल पुराने शहर के लिए एक महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना का वादा है। यह संरचना मूसी नदी पर बनाई गई है, जिससे दशकों से चली आ रही गंभीर जलभराव, बाढ़ से होने वाली रुकावटों और अंबरपेट को शहर के प्रमुख गलियारों से जोड़ने वाले ट्रैफिक जाम का समाधान हो गया है। रिबन काटने के समारोह के तुरंत बाद अंबरपेट नगर निगम मैदान में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने जोर दिया कि जबकि पिछली सरकारों ने महत्वपूर्ण शहरी आधारभूत संरचना को उपेक्षित रहने दिया, उनकी सरकार ने लंबे समय से चली आ रही नागरिक समस्याओं को हल करने को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि बारिश की छोटी सी बौछार भी पुराने कॉजवे को डुबो देती थी, जिससे यात्री खतरे में पड़ जाते थे और महत्वपूर्ण मार्ग कट जाते थे। जबकि एक दशक तक सत्ता में रहने वालों ने अंबरपेट की पीड़ा को नजरअंदाज किया, हमारी सरकार ने नागरिकों को स्थायी राहत देने के लिए यह ऊंचा पुल पूरा किया।

राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान

कांग्रेस के नेतृत्व वाली प्रजा पालना सरकार के 1,000 दिन पूरे होने के अवसर पर उद्घाटन मंच का उपयोग करते हुए सीएम रेवंत रेड्डी ने बीआरएस अध्यक्ष और विपक्ष के नेता के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) पर कड़ा राजनीतिक हमला बोला।

मुख्यमंत्री ने केसीआर को सीधे चुनौती दी कि वे 7 सितंबर से शुरू होने वाले तेलंगाना विधानसभा सत्र में उपस्थित होकर बीआरएस के 10 साल के शासन और कांग्रेस सरकार के 1,000 दिनों के प्रदर्शन की तुलना पर खुली बहस करें। सीएम रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और जनता से आह्वान किया कि वे केसीआर के तुरंत इस्तीफे की मांग को लेकर छह दिन के राज्यव्यापी धरने आयोजित करें, क्योंकि वे अपने फार्महाउस में बंद रहकर सार्वजनिक कर्तव्यों को छोड़ चुके हैं। 6 सितंबर को इंदिरा पार्क में एक बड़ा प्रदर्शन निर्धारित है।

▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 23^0

बालियान हत्याकांड में दो शूटर मुठभेड़ में ढेर

लखनऊ, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के शामली में हरियाणवी गायक अंकित बालियान हत्याकांड में उत्तर प्रदेश पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। उत्तर प्रदेश विशेष कार्य बल और शामली पुलिस के संयुक्त अभियान में हत्याकांड में शामिल दो शूटरों को मुठभेड़ में मार गिराया गया। बदमाशों की पहचान होने के करीब 100 घंटे के भीतर पुलिस ने दोनों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया। कार्रवाई के दौरान दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। हत्याकांड में शामिल दो अन्य शूटरों और उनके मददगारों की तलाश जारी है।

उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने पूरे मामले में पुलिस की कार्रवाई और जांच से जुड़ी कई अहम जानकारियां साझा कीं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की अपराध और अपराधियों के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति के तहत पुलिस लगातार कड़ी कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि अंकित बालियान हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है और वारदात में शामिल दो शूटरों को मुठभेड़ में मार गिराया गया है।

पुलिस महानिदेशक के मुताबिक, 26 अगस्त की शाम अंकित बालियान की चार हथियारबंद बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस के 11 अधिकारियों की टीम गठित की गई थी, जिसमें चार अपर पुलिस अधीक्षक भी शामिल थे। पुलिस ने हत्याकांड की जांच के साथ आरोपियों की पहचान और उनकी गतिविधियों की जानकारी जुटाने का काम शुरू किया।

जांच में सामने आया कि अंकित बालियान की हत्या अचानक नहीं हुई थी। हत्या से पहले बदमाशों ने उसकी रेकी की थी। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि अंकित के जिम आने-जाने के समय तक की रेकी की गई थी। इसके बाद शूटरों ने वारदात को अंजाम दिया। ▶8पर

नेपाल सुरंग में तलाशी अभियान पूरा, कोई नहीं मिला

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

नेपाल की रसुवागढ़ी जलविद्युत परियोजना की सुरंग में चलाया जा रहा तलाशी अभियान पूरा कर लिया गया है। पिछले बुधवार सुबह भोटेकोशी नदी में आई अचानक बाढ़ के बाद सुरंग में लोगों के फंसे होने की आशंका जताई गई थी। नेपाली सेना के नेतृत्व में बचाव दल ने सुरंग के अंदर कई घंटे तक तलाशी अभियान चलाया, लेकिन किसी भी व्यक्ति का पता नहीं चला।

नेपाली सेना के मुताबिक, सुरंग की लंबाई करीब 250 मीटर है और बचाव दल इसमें करीब 225 मीटर तक अंदर पहुंचा। टीम ने सुरंग के भीतर ड्रोन भी भेजे और अलग-अलग हिस्सों की निगरानी की। तलाशी के दौरान न तो कोई जीवित व्यक्ति मिला और न ही किसी का शव बरामद हुआ।

सुरंग के अंदर लोगों की मौजूदगी के कोई संकेत नहीं मिलने के बाद नेपाली सेना ने तलाशी अभियान समाप्त कर दिया। इसके बाद बचाव दल

वापस रसुवा जिले के धुन्चे लौट गया। जलविद्युत कंपनी की ओर से इस परियोजना में कुल 93 लोगों के लापता होने की जानकारी दी गई थी। इसके बाद सुरंग सहित परियोजना के अलग-अलग हिस्सों में फंसे लोगों की तलाश के लिए बड़े स्तर पर बचाव अभियान चलाया जा रहा था। यह हादसा 26 अगस्त 2026 को उत्तरी नेपाल के रसुवा जिले और आसपास के इलाकों में आई भीषण अचानक बाढ़ के बाद हुआ। ▶8पर

डा. भागवत ने कनाडा में कहा-हिन्दू जागता है तो समझो दुनिया जागती है , भारत की मूल संस्कृति एकता और दुनिया की मदद करना

टोरंटो (कनाडा)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत ने कहा कि भारत की मूल संस्कृति दुनिया की मदद करने और उसकी एकता में निहित है। भारतीय परंपरा ने हमेशा विविधता को एकता के स्वाभाविक स्वरूप को देखा है। उन्होंने यह उद्गार यहां आयोजित हिंदू विश्व बंधु-दोस्ती में दुनिया को अपनाएं कार्यक्रम में व्यक्त किए। कैनेडियन हिंदूज फार आउटरीच, रिलेशंस एंड डायलाग के इस कार्यक्रम की शुरुआत सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ हुई।

उन्होंने अपने उद्बोधन में परोपकार की भारतीय परंपरा पर कहा, जब भी दुनिया में कहीं से भी भारत से मदद मांगी गई है, उसने कभी मना नहीं किया। यही नहीं भारत ने बिना मांगे भी मदद का हाथ बढ़ाया है। यही हमारी परंपरा है। यही भारत का डीएनए है। इसीलिए आपने यह कहावत सुनी होगी - अगर हिन्दू जागते हैं, तो दुनिया जागती है। उन्होंने अपने विचारों से यह भी स्पष्ट किया कैसे भारत की आध्यात्मिक विरासत मानवता और प्रकृति के बीच एकता को बढ़ावा देती है। डा. भागवत ने कहा, वे सजीव और निर्जीव दोनों को अपना मानते हैं। उन्हें विविधता में एकता देखने की सीख दी गई है। इसीलिए भारत में विविधता कभी भी एकता के लिए समस्या नहीं बनती। हमारी परंपरा हमें सिखाती है कि न केवल विविधता में एकता है, बल्कि विविधता खुद एकता का एक रूप है। उन्होंने ने वैश्विक समुदाय से वसुधैव कुटुंबकम की प्राचीन विचारधारा को अपनाने का आह्वान किया। संघ प्रमुख भागवत ने इस पर बल दिया कि असली ज्ञान बाहरी अंतरों से परे जाकर मानवता की छिपी हुई आध्यात्मिक एकता को पहचानने में है। जो लोग खुले विचारों वाले और चिंतक हैं, वे वसुधैव कुटुंबकम के विचार को अपनाते हैं। वह यह मानते हैं कि पूरी धरती एक परिवार है। उन्होंने कहा, हालांकि भौतिक दुनिया में लोग शरीर, आकार और रंग-रूप में अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन असल में हम सब एक हैं। इसलिए, दूसरों की सेवा करना हमारा कर्तव्य है। हमें यह ज्ञान मिला है। यह हमें हमेशा खुशी और संतुष्टि देता है। सरसंघचालक भागवत ने यह समझाया कि कैसे भारत अपने स्वभाव और चरित्र के कारण विश्वगुरु बना, न कि महाशक्ति। उन्होंने कहा, कोई भी उस समय भारत को महाशक्ति कह देता, लेकिन वह महाशक्ति नहीं था। उसने दुनिया की सेवा की। अपने चरित्र के कारण वह विश्वगुरु बना, महाशक्ति नहीं। इसलिए भारत के उदय का मतलब है ज्यादा एकजुट और अधिक मानवता।

न्यूज ब्रीफ

इस्तांबुल में स्ट्रेटेजिक पालिटिकल एंड डिफेंस कमेटी की पहली बैठक, डार और मुनीर पहुंचे तुर्की, तकनीक और सऊदी फंडिंग से रक्षा क्षमता बढ़ाने की कोशिश

अंकारा। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर मक्का जाइंट डिफेंस एग्रीमेंट के तहत गठित स्ट्रेटेजिक पालिटिकल एंड डिफेंस कमेटी की पहली बैठक में शामिल होने के लिए तुर्की पहुंच गए हैं। इस्तांबुल में होने वाली इस बैठक को तीनों देशों के बीच नए रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। बैठक के आधिकारिक एजेंडे का अभी खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन समझौते को लागू करने और इसके दायरे को आगे बढ़ाने पर चर्चा होने की संभावना है। पाकिस्तान, तुर्की और सऊदी अरब ने 7 अगस्त को मक्का में मज्दा पर हस्ताक्षर किए थे। समझौते के तहत किसी एक सदस्य देश पर होने वाले हमले को तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। समझौते में सैन्य सहयोग को मजबूत करने और साझा सुरक्षा हितों पर समन्वय बढ़ाने की बात कही गई है। इसके अलावा भविष्य में दूसरे देशों के संभावित जुड़ाव को लेकर भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा तेज है। तीनों देशों की अलग-अलग ताकत
मक्का समझौते को तीनों देशों की अलग-अलग क्षमताओं को एक साझा रणनीतिक ढांचे में लाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

पाकिस्तान कुछ आतंकवादी संगठनों के प्रति अपना सकता है नरम रुख, रिपोर्ट में दावा-अफगानिस्तान पर दबदबा बनाए रखना चाहता है पाक

काबुल। अफगानिस्तान में अपना पुराना असर कम होता देखकर पाकिस्तान अब एक बार फिर पुरानी रणनीति की तरफ बढ़ता नजर आ रहा है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तान कुछ आतंकवादी संगठनों के प्रति नरम रुख अपना सकता है। इससे वह अफगानिस्तान पर अपना दबदबा बनाए रख सके। एक रिपोर्ट में सबसे ज्यादा चर्चा इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रोविंस यानी आईएसकेपी को लेकर है। रिपोर्ट के मुताबिक दावा किया जा रहा है कि आईएसकेपी का नेटवर्क पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में अब भी एक्टिव है। कुछ लोगों को पाकिस्तानी सिक्योरिटी सिस्टम के भीतर मौजूद तत्वों की मदद से नेटवर्क चलाने का मौका मिल रहा है। तालिबान और पाकिस्तान के रिश्ते पिछले कुछ समय से लगातार खराब हुए हैं।

सऊदी अरब सरकार ने 14,434 को किया गिरफ्तार और 14,905 को देश से निकाला

रियाद। सऊदी सरकार ने अवैध रूप से रह रहे लोगों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाया है। सऊदी अरब ने 20 से 26 अगस्त के बीच देश के सभी इलाकों में चलाए गए जाइंट सिक्योरिटी कैंपेन में रेजिडेंसी, लेबर और बार्डर सिक्योरिटी नियमों का उल्लंघन करने वाले 14,434 लोगों को गिरफ्तार किया। वहीं 14,905 विदेशियों को देश से बाहर निकाला गया। सऊदी मीडिया के मुताबिक ये देशव्यापी कैंपेन संबंधित सिक्योरिटी अथारिटीज की ओर से सऊदी अरब के रेजिडेंसी, लेबर और बार्डर सिक्योरिटी कानूनों का उल्लंघन करने वाले लोगों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए चलाए गए। इसमें अलग-अलग मामलो में गिरफ्तारियां की गई हैं और देश निकाला गया। कुल 14,434 उल्लंघनकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। 6,976 ने रेजिडेंसी सिस्टम के नियमो का उल्लंघन करते पाए गए। 4,110 ने बार्डर सिक्योरिटी सिस्टम का उल्लंघन किया। वहीं 3,348 लोगों को लेबर नियमों के उल्लंघन में पकड़ा है। सऊदी अरब की सिक्योरिटी अथारिटीज ने 1,450 लोगों को बार्डर पर अवैध रूप से देश में घुसने की कोशिश करते हुए गिरफ्तार किया है। इनमें 41फीसदी यमनी और 58फीसदी इथियोपियाई नागरिक थे।

होर्मुज के लराक पर वाशिंगटन की बमबारी, ईरान का जार्डन में अमेरिकी ठिकाने पर हमला

अम्मान/तेहरान/वाशिंगटन

होर्मुज जलडमरूमध्य के दक्षिणी ईरान के लराक द्वीप पर बमबारी के जवाब में ईरान ने जार्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर हमला किया है। अमेरिका ने लगभग एक माह बाद ईरान के खिलाफ बड़ा हमला किया। इसके बाद ईरान की सेना ने जवाब दिया। हमले में राकेट, ड्रोन और मिसाइलों का प्रयोग किया। ताजा सैन्य टकराव से तेल कीमतों में उछाल आने की संभावना है। अल जजीरा और सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने रविवार को लराक द्वीप पर हमला किया। इसके जवाब में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने जार्डन में किंग हुसैन और अल-अजराक में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। आईआरजीसी ने हमले में मिसाइल और ड्रोन का इस्तेमाल किया। जुलाई के आखिर के बाद से दोनों पक्षों के बीच हिंसा में यह तेजी पहली बार आई है।

आईआरजीसी ने कहा कि इन हमलों ने तकनीकी और मरम्मत के बुनियादी ढांचे के साथ-साथ दुश्मन के लड़ाकू विमानों की तैनाती वाली जगहों को भी नष्ट कर दिया गया। आईआरजीसी की हमले की घोषणा के तुरंत बाद जार्डन ने आठ मिसाइलों को रोकने (इंटरसेप्ट करने) की सूचना दी। जार्डन की सेना ने एक बयान में कहा, एयर डिफेंस सिस्टम ने उन आठ मिसाइलों को रोका जो , सोमवार तड़के किंगडम के हवाई क्षेत्र में घुस गई थीं। इस दौरान किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि वाशिंगटन के हमलों ने लराक पर उन लान्चरों को निशाना बनाया जो होर्मुज जलडमरूमध्य की ओर बारूदी सुरंगों वाले क्षेत्र में राकेट दागने के लिए तैयार थे। ईरान की फार्स समाचार एजेंसी ने कहा कि अमेरिकी हमले में कई सैनिक मारे गए और घायल हुए। हाल के हफ्तों में वाशिंगटन होर्मुज पर नियंत्रण का दावा कर रहा है और कह रहा है कि तेहरान की नाकाबंदी के बावजूद अमेरिकी सैन्य सुरक्षा के तहत लाखों बैरल तेल इस जलमार्ग से गुजरा। ईरान का कहना है कि जलमार्ग बंद है।

ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकाम) ने पिछले हफ्ते जलमार्ग के इंटरनेशनल शिपिंग रूट से समुद्री बारूदी सुरंगों को हटाने का काम पूरा कर लिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कह चुके हैं कि अब अगर कोई जहाज या नाव नई बारूदी सुरंगें बिछाती है तो उसे तुरंत नष्ट कर दिया जाएगा। अमेरिकी अधिकारी ने कहा, अमेरिकी सेना इस इलाके पर बारीकी से नजर रख रही है और इस जरूरी जलमार्ग से व्यापार के निर्बाध प्रवाह की सुरक्षा के लिए तैयार है।

ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब ईरान और ओमान इस जलडमरूमध्य से समुद्री यातायात बहाल करने के लिए एक प्रस्तावित व्यवस्था पर बातचीत कर रहे हैं। कतर सहित क्षेत्रीय मध्यस्थों ने इन वार्ताओं का समर्थन किया है। ईरानी अधिकारियों ने बार-बार इस जलडमरूमध्य से नेविगेशन के भविष्य को वाशिंगटन के साथ व्यापक चर्चाओं और क्षेत्रीय सुरक्षा घटनाक्रमों से जोड़ा है।

रविवार का हमला 29 जुलाई के बाद ईरान पर पहला अमेरिकी हमला है।

इस बीच, रविवार को तेल की कीमतों में उछाल आया। यह उछाल इस खबर के बाद आया कि अमेरिका ने एक महीने से ज्यादा समय में ईरान पर अपना पहला हमला किया है। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 2.8 प्रतिशत बढ़कर 90.57 डालर प्रति बैरल हो गया, जबकि अमेरिकी क्रूड 2.7 फीसद बढ़कर 85.64 डालर प्रति बैरल हो गया।

अमेरिका में भी बाढ़ ने मचाई तबाही, 62 लोगों को बचाया 15 अभी भी लापता

वाशिंगटन

नेपाल के बाद अमेरिका में भी बाढ़ ने तबाही मचाई है। अमेरिका के मशहूर ग्रैंड कैन्यन नेशनल पार्क में अचानक आई बाढ़ से भारी नुकसान हुआ है। 29 अगस्त को आई बाढ़ ने ब्राइट एंजेल कैन्यन और फैंटम रैंच इलाके को बुरी तरह प्रभावित किया है। अमेरिकी नेशनल पार्क सर्विस के मुताबिक 15 लोगों के अभी भी लापता बताए जा रहा हैं।

तेज बारिश वाले तूफान की चेतावनी, लोगों को किया अलर्ट

इससे पहले शुरुआती रिपोर्टों में 20 से ज्यादा लोगों के लापता होने की बात कही गई थी। बाढ़ में एंजेल क्रीक पर बने कई फुटब्रिज बह गए। पानी अपने साथ बड़े पत्थर, लोहे के ढांचे को बहाकर कोलोराडो नदी तक ले गया। पार्क प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में राहत और खोज अभियान चला रहा है। नेशनल पार्क सर्विस के मुताबिक 30 अगस्त की सुबह तक फैंटम रैंच और निचले नार्थ कैबाब ट्रेल से 62 लोगों को बचाया गया। इन लोगों को हेलीकाप्टर और दूसरे बचाव साधनों की मदद से सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया। अभी तक किसी की मौत या घायल होने की सूचना नहीं है। पार्क प्रशासन अब उन लोगों की जानकारी जुटा रहा है जो बाढ़ के समय ब्राइट एंजेल क्रीक, ब्राइट एंजेल कैंपग्राउंड, नार्थ कैबाब ट्रेल और फैंटम रैंच के आसपास मौजूद थे। अमेरिकी मौसम विभाग के मुताबिक इस इलाके में करीब 30 मिनट में करीब एक इंच तक बारिश हुई। ग्रैंड कैन्यन का इलाका काफी ऊंचा-नीचा और चट्टानी है, इसलिए बारिश का पानी बहुत तेजी से नीचे की ओर बहा। मौसम विभाग के मुताबिक, बारिश का बड़ा हिस्सा तुरंत बह गया। ब्राइट एंजेल क्रीक नार्थ रिम से नीचे आकर कोलोराडो नदी तक पहुंचती है और इस दौरान करीब 6,000 फीट की ऊंचाई से नीचे गिरती है। इस वजह से अचानक आई बारिश कुछ ही समय में तेज बाढ़ में बदल गई। पार्क प्रशासन नुकसान का जायजा ले रहा है और रास्तों, पुलों, पानी की व्यवस्था और दूसरी सुविधाओं की जांच की जा रही है। बाढ़ के बाद फैंटम रैंच, ब्राइट एंजेल कैंपग्राउंड और नार्थ कैबाब ट्रेल को बंद कर दिया गया है। कोलोराडो नदी में भी फिलहाल नाव और राफ्टिंग की आवाजाही रोक दी गई है, क्योंकि नदी में मलबा और लोहे के ढांचे पहुंच गए हैं। नेशनल पार्क सर्विस ने चेतावनी दी है तेज बारिश और गरज-चमक वाले तूफान आ सकते हैं। इससे दोबारा अचानक बाढ़, मलबा बहने, पत्थर गिरने और रास्तों की स्थिति बिगड़ने का खतरा बना हुआ है। पार्क प्रशासन ने लोगों से प्रभावित इलाकों से दूर रहने और अधिकारियों की चेतावनी का पालन करने की अपील की है।

स्विटजरलैंड में एक रेलवे स्टेशन पर हुई गोलीबारी

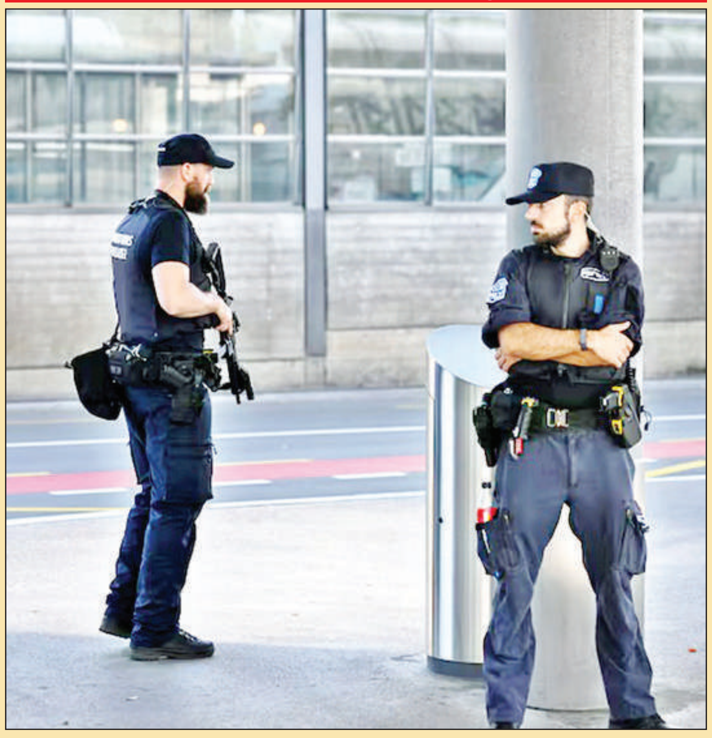

स्विटजरलैंड में एक रेलवे स्टेशन पर हुई गोलीबारी के बाद वहां तैनात सुरक्षाकर्मी।

हंगरी में नशे में धुत युवक ने परमाणु संयंत्र के पास उड़ाया विमान फाइटर जेट्स ने किया पीछा, सूरजमुखी के खेत में क्रैश

बुडापेस्ट। हंगरी में एक 24 वर्षीय युवक ने कथित तौर पर एक छोटा विमान चुराकर उसे देश के एकमात्र परमाणु बिजली संयंत्र के पास प्रतिबंधित क्षेत्र में उड़ा दिया। इसके बाद फाइटर जेट्स द्वारा पीछा किए जाने पर युवक ने सूरजमुखी के खेत में इमरजेंसी लैंडिंग की कोशिश की, जिसके दौरान विमान क्रैश हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, घटना के समय युवक नशे की हालत में था।

हंगरी के रक्षा मंत्री रोमुलुस रुजिन-जेंड़ी के अनुसार, सेसना 172 विमान को सैन्य रडार ने उस समय ट्रैक किया, जब वह दक्षिणी हंगरी स्थित पाक्स न्यूक्लियर पावर प्लांट के आसपास के नो-फ्लाई जोन में घुस गया।

आम नागरिक विमानों को इस प्लांट के करीब लगभग दो मील के दायरे में 20,000 फीट से कम ऊंचाई पर उड़ान भरने की अनुमति नहीं है। विमान के प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करते ही सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं।

सूचना मिलते ही सेना ने दो ग्रिपेन फाइटर जेट्स को तत्काल रवाना कर दिया। फाइटर जेट्स ने सेसना विमान का पता लगाकर पूरे क्षेत्र में निगरानी बनाए रखी, जबकि आपातकालीन टीमें संभावित दुर्घटनास्थल की ओर रवाना हो गईं।

कुछ ही मिनटों बाद विमान ने परमाणु प्लांट से करीब चार मील दूर सूरजमुखी के एक खेत में इमरजेंसी लैंडिंग की। हालांकि, लैंडिंग के दौरान विमान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और क्रैश हो गया। राहत की बात यह रही कि पायलट बिना किसी चोट के विमान से

बाहर निकलने में सफल रहा।

पुलिस के अनुसार, युवक घटनास्थल से भाग निकलने की कोशिश कर रहा था। पास की सड़क पर एक चालक ने उसे परेशान और असामान्य हालत में देखा। युवक ने कथित तौर पर चालक की कार पर कब्जा करने और उसे लेकर भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उसे वहीं रोक लिया।

अधिकारियों ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच में पता चला कि वह नशे की हालत में था। यह भी जांच की जा रही है कि उसने शराब के अलावा कोई अन्य नशीला पदार्थ तो नहीं लिया था।

पुलिस का मानना है कि युवक ने पास के कालोक्सा एयरपोर्ट से बिना अनुमति सेसना विमान उड़ा लिया था। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि उसने विमान क्यों चुराया और प्रतिबंधित परमाणु संयंत्र क्षेत्र की ओर उड़ान भरने के पीछे उसका क्या उद्देश्य था।

नेपाल के बाढ़ प्रभावित इलाकों के लिए अमेरिका ने अपडेट की ट्रैवल एडवाइजरी

काठमांडू

काठमांडू स्थित अमेरिकी दूतावास ने नेपाल यात्रा संबंधी अपनी ट्रैवल एडवाइजरी अपडेट करते हुए रसुवा जिले के रसुवागढ़ी-टिमुरे-स्याफ्रुबेंसी क्षेत्र और नेपाल-चीन सीमा नाका वाले इलाकों में किसी भी कारण से यात्रा नहीं करने की सलाह दी है।

अमेरिकी दूतावास के मुताबिक 26 अगस्त को आई भीषण बाढ़ के बाद इस क्षेत्र में सड़क, यातायात और संचार सेवाएं प्रभावित हैं। प्रभावित इलाकों में खोज एवं बचाव तथा पुनर्स्थापना का काम अभी जारी है, जिसके कारण जोखिम का स्तर काफी अधिक है। इसके साथ ही आगे भी बाढ़ और भूस्खलन की आशंका जताई गई है।

अमेरिका ने प्रभावित क्षेत्र को लेवल-4: यात्रा न करें श्रेणी में रखा है। इसमें भोटेकोशी, त्रिशूली और नारायणी नदी के आसपास के इलाके भी शामिल हैं। अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों को नदी किनारे, निचले इलाकों, क्षतिग्रस्त पुलों और अस्थिर पहाड़ी ढलानों से दूर रहने की सलाह दी है। साथ ही नेपाली अधिकारियों की ओर से जारी किसी भी बचाव आदेश या सुरक्षित स्थान पर जाने के निर्देश का पालन करने को कहा गया है।अमेरिकी नागरिकों को लापता लोगों की तलाश के लिए भी आपदा प्रभावित क्षेत्रों में खुद प्रवेश नहीं करने और किसी भी कारण से इन इलाकों की यात्रा नहीं करने की चेतावनी दी गई है।

पूरे नेपाल के लिए लेवल-2 एडवाइजरी

अमेरिकी दूतावास ने पूरे नेपाल को लेवल-2: अधिक सावधानी बरतें श्रेणी

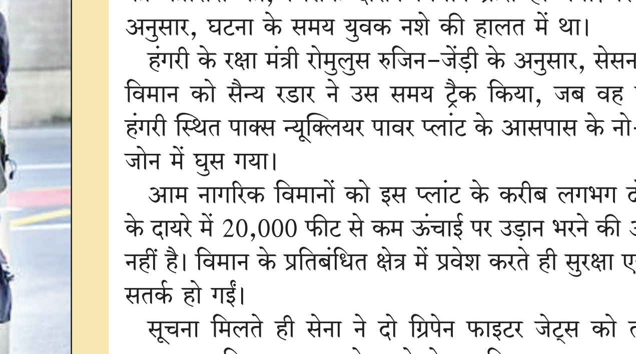

में रखा है। इसका प्रमुख कारण नागरिक अशांति बताया गया है।अमेरिकी आकलन के अनुसार सितंबर, 2025 में शुरू हुए देशव्यापी प्रदर्शन फिलहाल रुक गए हैं और वर्तमान सुरक्षा स्थिति स्थिर है। हालांकि, शहरों में प्रदर्शन और स्थानीय स्तर पर अशांति दोबारा होने की संभावना जताई गई है। अमेरिका ने चेतावनी दी है कि प्रदर्शन बहुत कम समय के नोटिस पर शुरू होकर कुछ परिस्थितियों में हिंसक भी हो सकते हैं। इसलिए, अमेरिकी नागरिकों को बड़ी भीड़ और प्रदर्शनों से दूर रहने तथा स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है।

नेपाल में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी चेतावनी

अमेरिकी दूतावास ने कहा है कि नेपाल में स्वास्थ्य और आपातकालीन सेवाओं की क्षमता सीमित है। हालांकि, काठमांडू के अस्पताल देश के अन्य हिस्सों की तुलना में आम तौर पर बेहतर हैं, लेकिन वहां भीड़भाड़, जरूरी उपकरणों या दवाओं की कमी और इलाज शुरू होने से पहले भुगतान की मांग जैसी स्थितियां हो सकती हैं। अमेरिकी दूतावास ने स्पष्ट किया है कि विदेशी नागरिकों के इलाज का खर्च नेपाल सरकार नहीं उठाती। इसलिए अमेरिकी नागरिकों को जरूरी दवाएं साथ रखने, मेडिकल इवैक्युएशन यानी चिकित्सकीय निकासी को कवर करने वाला यात्रा स्वास्थ्य बीमा कराने और गंभीर स्वास्थ्य समस्या होने पर इलाज के लिए किसी दूसरे देश जाना पड़ने की संभावना के लिए तैयार रहने की सलाह दी गई है।

भूकंप, बाढ़ और भूस्खलन का खतरा

अमेरिकी दूतावास ने नेपाल में नियमित रूप से आने वाले भूकंप, बाढ़ और भूस्खलन के खतरे का भी उल्लेख किया है। काठमांडू सहित देश के विभिन्न हिस्सों में बिना किसी पूर्व चेतावनी के भूकंप आने की आशंका जताई गई है। खासकर जून से सितंबर तक मानसून के दौरान भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ और भूस्खलन हो सकते हैं। इससे सड़कें बंद होने, इमारतों को नुकसान पहुंचने और आपातकालीन बचाव कार्यों में मुश्किल पैदा होने का खतरा रहता है। अमेरिकी सरकार ने नेपाल की यात्रा करने का फैसला लेने वाले अपने नागरिकों को स्मार्ट ट्रैवलर एनरोलमेंट प्रोग्राम में पंजीकरण कराने की सलाह दी है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप आपको आत्मविश्वास से साथ दिन की शुरुआत करने की जरुरत हैं आप एक से अधिक प्रोजेक्ट में शामिल होंगे और समय की कमी भी महसूस कर सकते हैं. वित्तीय स्थिति में सुधार होना तय है और आपको आय का एक अतिरिक्त रास्ता भी मिल सकता है. यदि आप परीक्षा या प्रतियोगिता के माध्यम से अपनी स्थिति को बढ़ाना चाहते हैं तो अपने मन को एकाग्र रखें प्रत्येक बिंदु पर ध्यान देने की जरुरत हैं। आपको अपने जीवनसाथी का पूरा साथ मिलेगा. प्रेम संबंध मजबूत होंगे. व्यायाम करते रहें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज कारोबार की शुरुआत कुछ धीमी रहेगी आपको अपने क्रोध पर संयम बरतने की आवश्यकता हैं, वरना व्यर्थ विवाद में फंस सकते हैं. दोपहर के बाद धन का आगमन होगा. किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है. संतान की शिक्षा पर व्यय बढ़ेगा. आपकी निर्णय लेने की क्षमता और पराक्रम में वृद्धि होगी. आज किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने के भी योग हैं प्रेमी जोड़ों को आपस मे मिलने का सही समय हैं एक दूसरे को मन की बात कहने से पीछे नही हटना चाहिए।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन आपकी परेशानी को दूर करेगा आपकी सारी इच्छाओं की पूर्ति हो सकती है. बिजनेस के सिलसिले में आपकी यात्रा हो सकती है. साथ ही यात्रा सुखद रहेगी. संतान पक्ष से सुख की अनुभूति हो सकती है, जिससे आपके खुशियों में इजाफा होगा. ऑफिस में आपको जिम्मेदारी वाला काम मिलेगा, जिसे पूरा करने पर फायदा होगा. गणेश जी के मंत्र का जप करें कार्यसिद्धि होगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन सफलता वाला रहेगा श्रेष्ठ परिणाम रहेंगे . परीक्षा या नौकरी की तलाश करने वाले या अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के इच्छुक लोगों को सतत प्रयास करने जरुरत हैं. क्योंकि आने वाले समय में सफलता आपके साथ होगी. व्यवसाय विस्तार की योजना संभव है. आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी. आप अपने समर्पण और कड़ी मेहनत से दूसरों से आगे रहेंगे. पारिवारिक जीवन सामंजस्यपूर्ण होगा और पारीवारिक सदस्यों के मध्य एकता रहें। आप का परिवार का स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है और इसके कारण आप अधिक तनाव मे रहेंगे और बेचैन होंगे. बेरोजगारी दूर होगी. कोई बड़ा काम होगा. भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी. यात्रा लाभदायक रहेगी. आपके छोटे भाई या बहन का समर्थन आप को आत्मविश्वास देगा. अतिरिक्त काम में किसी की मदद मिल सकती है. पुराने कुछ मामलों में अनबन खत्म हो सकती है. दूसरो की समज को भी नजरअंदाज नही करना चाहिए

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज एकाएक आपको अचानक धन लाभ होगा. ऑफिस के कुछ सहकर्मी आपके काम में सपोर्ट करेंगे, जिससे आपका काम जल्दी पूरा हो जायेगा. किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जो आगे आने वाले दिनों में आपकी मदद करेगा. आपके सोचे हुए काम आसानी से पूरे होंगे. नौकरी या बिजनेस में आप जो भी काम हाथ में लेंगे, उसमें आपको पूरा सफलता मिलेगी. अपनी सामर्थ्य अनुसार मंदिर मे दान करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप को सामाजिक तौर पर फायदा होगा राजनीति क्षेत्र मे जमीन तलाश कर सकते हैं जीवन में कुछ बेहतरीन अवसर प्राप्त हो सकते हैं, जिनका उपयोग आप अपने लाभ के लिए कर सकते हैं. किसी बुद्धिमान व्यक्ति से मिलने वाली महत्वपूर्ण सलाह पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि आप उससे अत्यधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं. विचारों का आदान-प्रदान भी आपको बहुत लाभ दिला सकता है. आपको अपने पिता के सुझाव का स्वागत किया जाना चाहिए क्योंकि यह आपके लिए कुछ नए वित्तीय मार्ग खोलने में मदद कर सकते हैं. परिवार की महिला का स्वास्थ्य आप को चिंता मे डाल सकता है.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज किसी पर भी आप को भरोसा नही करना चाहिए पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा. प्रभावशाली व्यक्तियों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा. अपने आत्मविश्वास पर आप को आगे बढना चाहिए उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. व्यर्थ की बातों पर ध्यान न दें. रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है.गाय को गुड खिलाए और चिंटियों शक्कर डालें

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सुबह धार्मिक ग्रंथों का अवलोकन करना चाहिए विचारों मे सात्विकता रहेगी मित्रो के साथ समय बितेगा , जिससे घर में खुशियों का माहौल बन जायेगा. आप बच्चों को कुछ उपहार जरूर दें बच्चे पढ़ाई में महनत करते रहेंगे टीचर्स भी सहायता करेंगे. जिससे बच्चों का रुझान पढाई में बढ़ेगा. आप कोई नया काम करने की सोचेंगे. शिवजी के सन्मुख तिल के तेल का दीपक प्रज्वलित करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप अपने अलग अलग व्यापार का एक मे विलय कर सकते. कठिन समय है, कार्य स्थल पर बार-बार परिवर्तन आपको भ्रमित कर सकता है. प्रेम संबंधों के लिए यह एक अच्छा समय है. आप का परिवार के साथ तीर्थ यात्रा पर जाने का योग बनेगा विवाहित सम्बन्ध मे तनाव हो सकता हैं परंतु आप का मौन और संयम तनाव का अंत सुखद बना देगा बच्चे आपको व्यस्त और खुश रखेंगे. स्वास्थ्य मजबूत रहेगा। शाम के समय मे मन भी प्रफुल्लित रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज सभी ओर से खुशी का वातावरण रहेगा पारिवारिक जीवन मे संतुष्टि रहेगी एवं आपस मे सौहार्दपूर्ण माहौल रहेगा. जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा. छोटी-मोटी नोंक-झोंक को नजरअंदाज करना चाहिए दूसरों के काम में दखल न दें. झंझटों से दूर रहें. विवाद को बढ़ावा न दें। आज आप व्यर्थ की बातों पर ध्यान न दें.आप के प्रयास धन की किल्लत को दूर करेंगे नौकरी की समस्या हल होगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज किसी मित्र के यहा हवन का आयोजन बन सकता हैं आप की व्यस्तता भी रहेगी फिर भी आपका दिन खुशनुमा रहेगा. आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. ऑफिस में आपके काम को लेकर सीनियर्स आपकी तारीफ कर सकते हैं. छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा. साथ ही कोई शुभ समाचार भी मिल सकता है. नंदी को चावल का भूसा खिलाए आर्थिक संकट दूर होगा

आज का पंचांग

दिनांक : 01 सितंबर 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी प्रातः 07:44 तक
नक्षत्र : अश्विनी रात्रि 02:43 तक
योग : वृद्धि रात्रि 11:38 तक
करण : बालव प्रातः 07:44 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:29 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:20 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल रात्रि 02:43 तक , अमृत सिद्धि योग प्रातः 06:02 से रात्रि 02:43 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कविता का कांग्रेस और बीआरएस पर हमला बोलीं- जनता के मुद्दों के लिए जारी रहेगी लड़ाई

'बहुजन तेलंगाना' के संकल्प के साथ आगे बढ़ने का दावा, एमपीटीसी-जेडपीटीसी चुनाव लड़ने का ऐलान

निजामाबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना रक्षा सेना की प्रमुख कलवकुंतला कविता ने पार्टी गठन के चार महीने बाद अपने गृह क्षेत्र लौटने पर खुशी जताते हुए कहा कि वह संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ जनता के मुद्दों के लिए लगातार संघर्ष करेंगी। सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित पुराने कलेक्ट्रेट मैदान में टीआरएस की 'पंचजन्य संकल्प सभा' आयोजित की गई। इस दौरान उन्होंने जिले के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस विधायकों के कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने का संकल्प लिया।

कविता ने निजाम शुगर फैक्ट्री के मुद्दे पर किसानों के समर्थन में खड़े होने का भरोसा दिलाया। उन्होंने आगामी एमपीटीसी और जेडपीटीसी चुनावों में पार्टी के चुनाव लड़ने की मंशा भी जाहिर की। उन्होंने अगले विधानसभा चुनाव में पांच सीटें जीतने का विश्वास जताते हुए कहा कि उनकी पार्टी 'बंगारू तेलंगाना' के बजाय 'बहुजन तेलंगाना' के निर्माण की दिशा में काम करेगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह पार्टी पद पाने के लिए नहीं, बल्कि लोगों के लिए बनाई है।

सभा के दौरान कविता भावुक हो गईं और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। उन्होंने सवाल किया कि उन्होंने ऐसा क्या गलत किया था, जिसके कारण उन्हें तिहाड़ जेल में डाला गया। उन्होंने कहा कि उन्हें गलत तरीके से जेल भेजा गया था। उन्होंने कहा कि वह डरपोक नहीं हैं और जनता से जुड़े मुद्दों के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार को सत्ता में आए एक हजार दिन हो चुके हैं, लेकिन 'रयथु भरोसा' योजना पटरी से उतर गई है और सरकार ने अपने वादे पूरे नहीं किए हैं।

कविता ने बोधन में बाढ़ के दौरान लोगों से मुलाकात नहीं करने को लेकर बीआरएस विधायक की आलोचना की। उन्होंने सवाल किया कि प्रशांत रेड्डी, जीवन रेड्डी और बाजीरेड्डी गोवर्धन सरकार की आलोचना क्यों नहीं कर रहे हैं। कविता ने केसीआर की नकल करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए प्रशांत रेड्डी पर भी निशाना साधा। उन्होंने सवाल किया कि क्या कोई लोमड़ी खुद को बाघ जैसा दिखाकर सफल हो सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिता और बेटी के बीच दरार पैदा करने की साजिश में प्रशांत रेड्डी की मुख्य भूमिका थी।

कविता ने कहा कि उन्हें माफ करने का कोई सवाल ही नहीं उठता और उन्हें अपने कामों का नतीजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि बीआरएस के चुनाव हारने के अगले ही दिन प्रशांत रेड्डी ने कांग्रेस पार्टी में शामिल होने की कोशिश की थी।

उन्होंने कहा कि उन्होंने बाजीरेड्डी गोवर्धन, जीवन रेड्डी और प्रशांत रेड्डी को जीत दिलाने में मदद की थी, लेकिन बदले में उन्हीं लोगों ने उन्हें हरवा दिया।

कविता ने आरोप लगाया कि बोधन शुगर फैक्ट्री इसलिए नहीं खोली गई, क्योंकि केटीआर उसे अपने मित्र एवं कोरुतला विधायक को सौंपना चाहते थे। उन्होंने सांसद अरविंद पर भी निशाना साधते हुए सवाल किया कि माधव नगर पुल के पूरा होने के मामले में वे चुप क्यों हैं। उन्होंने कहा कि हल्दी बोर्ड से किसानों को कोई फायदा नहीं हुआ है।

जम्मू केंद्रीय विवि में तुलसी जयंती पर तुलसी की लोक दृष्टि विषयक व्याख्यान

संत कवि तुलसीदास सही मायने में समाज सुधारक और जननायक थे : कुलपति प्रो. संजीव जैन

जम्मू, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक समिति के तत्वावधान में तुलसी जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आभासी पटल पर 'तुलसी की लोक दृष्टि' विषय पर एक व्याख्यान कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. संजीव जैन की प्रेरणा से आयोजित इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम विभागाध्यक्ष डॉ. शशिकांत मिश्र, भाषा विद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. भारत भूषण, सह-आचार्य डॉ. रत्नेश कुमार यादव, डॉ. वंदना शर्मा, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. विनय कुमार शुक्ल, डॉ. अरविन्द कुमार यादव तथा डॉ. अनिता देवी ने लोकनायक गोस्वामी तुलसीदास के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

माननीय कुलपति प्रो. संजीव जैन ने अपने प्रेषित संदेश में कहा कि भक्तिकाल के संत कवि चाहे तुलसी हों या कबीर, सूर हों या मीरा, वे केवल कवि ही नहीं, बल्कि सही मायने में समाज सुधारक थे। उनके द्वारा समाज में समानता और भाईचारे का दिया गया संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना तत्कालीन समय में था। उन्होंने कहा कि ये सभी सचमुच जननायक थे और हम सभी के लिए नमस्य एवं प्रणम्य हैं।

भाषा विद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. भारत भूषण ने तुलसीदास के जीवन को सभी के लिए आदर्श बताया, जबकि विभागाध्यक्ष डॉ. शशिकांत मिश्र ने तुलसी की सामाजिक एवं दार्शनिक दृष्टि पर विस्तार से प्रकाश डाला।

तुलसी ने रामकथा को लोकभाषा के माध्यम से दिया वैश्विक आयाम

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्यामलाल महाविद्यालय, नई दिल्ली के सह-आचार्य डॉ. सत्यप्रिय पांडेय ने कहा कि बाबा तुलसी ने समन्वयवादी दृष्टि से समाज की व्याख्या की है। उन्होंने कहा कि कथा पहले शास्त्रों में हुआ करती थी, किंतु तुलसी ने रामकथा को लोक से प्राप्त किया और उसकी व्याख्या भी लोक के लिए तथा लोकभाषा में की।उन्होंने कहा कि लोक हमेशा हित की बात करता है, इसलिए तुलसी ने लोकहित को परम धर्म माना है। अपने साहित्य में तुलसी हमेशा लोक के साथ खड़े हुए मिलते हैं और अपनी बात बड़ी निर्भीकता से कहते हैं। तुलसी के रचना संसार में लोक-बिंब और लोक-प्रतीक भारी मात्रा में मिलते हैं।डॉ. सत्यप्रिय पांडेय ने कहा कि वर्तमान समय में जिन सामाजिक मूल्यों, राष्ट्रीय चेतना और भारतीय ज्ञान परंपरा की चर्चा हो रही है, वे सभी तत्व तुलसी के साहित्य में विद्यमान हैं। कुल मिलाकर तुलसीदास ने रामकथा को लोकभाषा में प्रस्तुत कर उसे वैश्विक आयाम प्रदान किया।

कार्यक्रम का संचालन साहित्यिक एवं सांस्कृतिक समिति के समन्वयक डॉ. विनय कुमार शुक्ल ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सह-समन्वयक डॉ. अनिता देवी ने किया।

श्री कृष्ण जन्म महामहोत्सव एवं नंदोत्सव के लिए डीके शिवकुमार एवं भजनलाल शर्मा को किया आमंत्रित

तिरुपति, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन, सिद्धेश्वर सनातन संसार एवं श्री ब्रह्मर्षि आश्रम तिरुपति के तत्वावधान में आगामी जन्माष्टमी पर्व के मद्देनजर 4 सितंबर को बेंगलूरु में श्री कृष्ण जन्म महामहोत्सव तथा जयपुर में नंदोत्सव का आयोजन होगा। अष्टसिद्धि एवं नवनिधि के धारक, ईश्वरीय सत्ता से विभूषित परम पूज्य ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के अति दिव्य पावन सान्निध्य में होने वाले इस आनंदोत्सव उल्लास की तैयारी जयपुर केंद्र एवं बेंगलूरु केंद्र के गुरुभक्तों की टीम द्वारा व्यापक स्तर पर की जा रही है। इसी क्रम में बेंगलूरु के आयोजन में कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को विधिवत आमंत्रण दिया गया। इस दौरान आयोजन अध्यक्ष हापुराम माली, श्रीब्रह्मर्षि आश्रम के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील आहूजा, एडिशनल सेक्रेटरी महेंद्र दफ्तरी एवं युवा ग्लोबल चेयरपर्सन नवीन गिरिया ने सीएम का सत्कार करते हुए कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी एवं आमंत्रण दिया। उधर राजस्थान की राजधानी जयपुर में सीएम भजनलाल शर्मा का भी सत्कार करते हुए आयोजन अध्यक्ष पूर्व न्यायाधीश राजेंद्र चौधरी, श्रीब्रह्मर्षि आश्रम के राष्ट्रीय संयोजक संजय शर्मा, मीडिया समन्वयक कमलेश आत्रेय, बालोतरा विधायक अरुण चौधरी, जयपुर युवा अध्यक्ष श्रीकांत विभूतिया, राजेंद्र शर्मा व कैलाश मीणा आदि ने विधिवत आमंत्रण पत्र सीएम को दिया। उल्लेखनीय है कि फूलों की नगरी बेंगलूरु में आगामी शुक्रवार की शाम 4:30 बजे से दी पैलेस ग्राउंड के गेट नंबर 6 स्थित रॉयल सीनेट में श्री कृष्ण जन्म महामहोत्सव का आयोजन होगा। वहीं जयपुर में रविवार को सांय 4 बजे से टोंक रोड स्थित बीलवा पैलेस में नंदोत्सव का कार्यक्रम ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के आशीर्वचन के साथ अनेक दुर्लभ बीज मंत्रों के उच्चारण व सामूहिक प्रार्थना तथा सनातन परंपरा में आध्यात्मिक भक्ति की शक्ति का प्रवाह प्रसारित होगा। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण श्रीब्रह्मर्षि आश्रम के अधिकृत यूट्यूब चैनल सिद्धगुरुवर सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि पर लाइव होगा।

तुलसीदास जयंती समारोह 5 को

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भक्ति, साहित्य एवं सांस्कृतिक अध्ययन को समर्पित रिसर्च फाउंडेशन फॉर डिवोशनल, लिटरेरी एंड कल्चरल स्टडीज 'तुलसी भवन', उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा फिल्म, टेलीविजन एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स इंस्टीट्यूट, हैदराबाद-40 के प्रोफेसर प्रदीप कुमार के सहयोग से गोस्वामी तुलसीदास जयंती-2026 समारोह का आयोजन किया जा रहा है। समारोह 5 सितंबर 2026 को शाम 5 बजे त्यागराज गाना सभा, हैदराबाद में आयोजित होगा। कार्यक्रम में प्रोफेसर भट्टू रमेश, निदेशक, तेलुगु अकादमी, तेलंगाना, हैदराबाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। प्रोफेसर शुभदा वंजपे (सेवानिवृत्त), हिंदी विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय मुख्य वक्ता के रूप में मुख्य संबोधन देंगी, जबकि डॉ. प्रियदर्शिनी, हिंदी विभाग, द इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेज यूनिवर्सिटी (ईएफएलयू), हैदराबाद विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

'शबरी' नाटक का मंचन

समारोह के दौरान प्रोफेसर प्रदीप कुमार एवं डॉ. एच. के. वंदना द्वारा 'शबरी' नाटक का मंचन किया जाएगा। इस अवसर पर कुछ भाषा व्याख्यान देने वाले विद्वानों का सम्मान भी किया जाएगा।

वृद्धाश्रम में किया मासिक वितरण कार्यक्रम

बांसवाड़ा, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेयुथा ग्रुप द्वारा प्रतिमाह आयोजित किए जाने वाले मासिक वितरण कार्यक्रम के तहत अगस्त-2026 के लिए रविवार, 30 अगस्त को आर्मूर डिवीजन के अंकापुर गांव के निकट स्थित श्री सदानंद रेड्डी वृद्धाश्रम में सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। चेयुथा ग्रुप के संस्थापक नंदला शंकर ने वृद्धाश्रम पहुंचकर इंचार्ज सत्तीबाबू एवं वहां निवास कर रहे बुजुर्गों से मुलाकात की। इस अवसर पर बुजुर्गों को तौलिए, बिस्किट के पैकेट, मिठाई एवं केले वितरित किए गए। जो बुजुर्ग कार्यक्रम स्थल तक नहीं आ सके, उनके कमरों में जाकर उन्हें आवश्यक सामग्री प्रदान की गई।

कार्यक्रम में चेयुथा ग्रुप के सदस्य उप्पला लक्ष्मण एवं रेनीगुंटा गंगाधर ने भी भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया। ग्रुप की ओर से श्री पोद्दुतुर सदानंद रेड्डी वृद्धाश्रम के संस्थापकों, श्री गद्दाम राजन्ना, इंचार्ज सत्तीबाबू एवं सभी बुजुर्गों का कार्यक्रम आयोजित करने का अवसर प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया गया।

सीपीएस के खिलाफ आज विद्रोह दिवस मनाएगा शिक्षक संगठन

बांसवाड़ा, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना रीजनल टीचर्स एसोसिएशन ने सीपीएस नीति के विरोध में 1 सितंबर को 'सीपीएस विद्रोह दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इस अवसर पर जिलेभर में विरोध प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। जिला अध्यक्ष भुनेकर संतोष ने कर्मचारियों से अपील की कि वे लंच ब्रेक के दौरान सभी सरकारी कार्यालयों के सामने काले बैज पहनकर विरोध प्रदर्शन में शामिल हों। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए सीपीएस नीति को समाप्त करना जरूरी है। कामारेड्डी जिला शाखा ने तेलंगाना सरकार से सीपीएस नीति को तत्काल समाप्त कर कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) लागू करने की मांग की। संगठन ने कहा कि यह सरकार के चुनावी घोषणा-पत्र में किए गए वादे के अनुरूप होना चाहिए। कार्यक्रम में जिला मुख्य सचिव सत्यनारायण, स्वामी एवं संजीव रेड्डी सहित अन्य पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

कांग्रेस शासन में गरीबों का घर का सपना साकार : विजयरामन राव

पेद्दापल्ली, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य सरकार के सचेतक एवं पेद्दापल्ली विधायक चिंताकुंता विजयरामन राव ने सुल्तानाबाद के 15वें वार्ड तथा पेद्दापल्ली के रंगमपल्ली और सुभाष नगर के 27वें वार्ड में इंदिराम्मा आवासों का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार चुनावी वादे के अनुसार पात्र गरीबों को इंदिराम्मा आवास उपलब्ध करा रही है। प्रत्येक लाभार्थी को मकान निर्माण के लिए पांच लाख रुपये की सहायता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि पेद्दापल्ली में निर्माणाधीन करीब 370 इंदिराम्मा आवासों का उद्घाटन दशहरा और दीपावली तक करने की तैयारी है। विजयरामन राव ने कहा कि गरीब एवं वंचित वर्गों का कल्याण कांग्रेस सरकार की प्राथमिकता है। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष, कृषि बाजार अध्यक्ष, पार्षद, नगर आयुक्त, जनप्रतिनिधि, कांग्रेस नेता-कार्यकर्ता एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

पेद्दापल्ली में 50 लाख की लागत से कंपोस्टिंग शेड का निर्माण शुरू

पेद्दापल्ली, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य सरकार के सचेतक एवं पेद्दापल्ली विधायक चिंतकुंता विजयरामन राव ने राघवपुर डंपिंग यार्ड में राज्य वित्त आयोग की निधि से 50 लाख रुपये की लागत से बनने वाले डीआरसी एवं कंपोस्टिंग शेड की आधारशिला रखी। उन्होंने नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों को वस्त्र वितरित किए तथा वन महोत्सव के तहत पौधे भी बांटे। नगर पालिका कार्यालय में आयोजित परिषद की आम बैठक में विधायक ने अधिकारियों एवं पार्षदों को नगर के विकास पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को जनता के प्रति जवाबदेह रहना चाहिए तथा सफाई कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जाना जरूरी है।

डोंगली सरकारी हाई स्कूल में एनसीसी पाठ्यक्रम शुरू करने की मांग

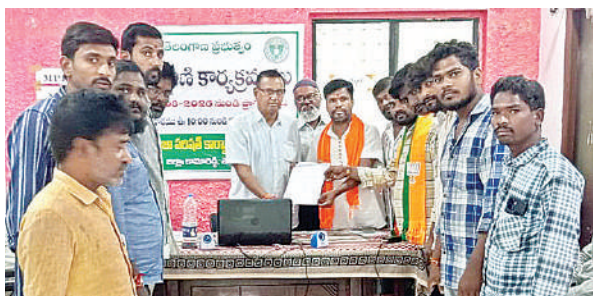

डोंगली, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सोमवार को डोंगली मंडल परिषद कार्यालय में आयोजित जनसभा में शेशांक पटेल के नेतृत्व में ग्रामीणों ने अधिकारियों को विभिन्न समस्याओं से संबंधित दो शिकायतें सौंपीं। इनमें सरकारी हाई स्कूल में एनसीसी पाठ्यक्रम शुरू करने की मांग प्रमुख रही। ग्रामीणों ने बताया कि वर्तमान में एनसीसी पाठ्यक्रम के लिए विद्यार्थियों को जिला मुख्यालय कामारेड्डी तक करीब 100 किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि सरकारी प्रतियोगी परीक्षाओं में एनसीसी के प्रमाणपत्र एवं अंकों का महत्व रहता है और यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के लिए काफी उपयोगी है।

उन्होंने अधिकारियों से मांग की कि स्थानीय सरकारी हाई स्कूल में एनसीसी पाठ्यक्रम शुरू किया जाए तथा क्षेत्र के विद्यार्थियों को इसका लाभ उपलब्ध कराया जाए।

जानें महाभारत में छुपे इस अदभूत रहस्य को

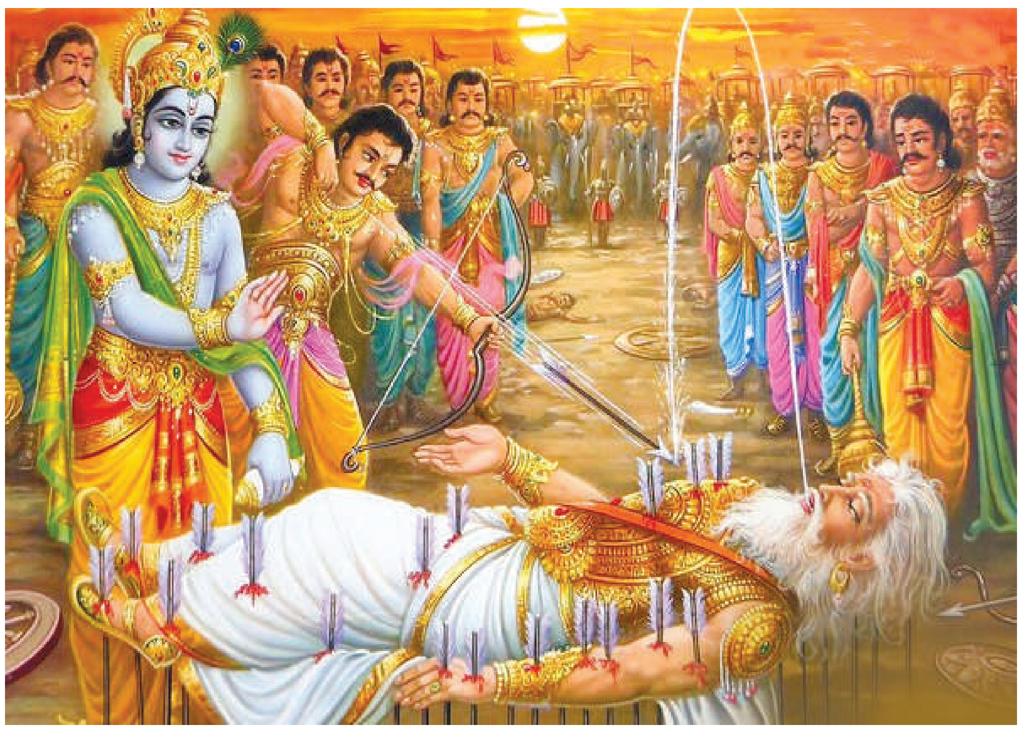

महाभारत और रामायण में कई रहस्य छुपे हुए हैं। युधिष्ठिर के राज में प्रजा को किसी भी चीज की कोई कमी नहीं थी। किंवदंतियों की मान्यता अनुसार कि एक दिन देवऋषि नारद मुनि महाराज युधिष्ठिर के समक्ष प्रकट हुए और कहने लगे कि आप सभी पांडव यहां प्रसन्नतापूर्वक रह रहे हैं, लेकिन वहां स्वर्गलोक में आपके पिता बहुत दुखी हैं। देवऋषि के ऐसे वचन सुनकर युधिष्ठिर ने इसका कारण पूछा, तो देवऋषि ने कहा, 'वे अपने जिंदा रहते हुए राजसूय यज्ञ करवाना चाहते थे लेकिन ऐसा वे कर नहीं सके इसलिए दुखी हैं।

महाभारत और रामायण में कई रहस्य छुपे हुए हैं। ऐसा ही एक रहस्य है महाभारत में। यह उस समय की बात है, जब युद्ध में पांडवों ने कौरवों पर विजयश्री प्राप्त कर ली थी और पांडव हस्तिनापुर में सुखपूर्वक जीवन गुजार रहे थे। युधिष्ठिर के राज में प्रजा को किसी भी चीज की कोई कमी नहीं थी। किंवदंतियों की मान्यता अनुसार कि एक दिन देवऋषि नारद मुनि महाराज युधिष्ठिर के समक्ष प्रकट हुए और कहने लगे कि आप सभी पांडव यहां प्रसन्नतापूर्वक रह रहे हैं, लेकिन वहां स्वर्गलोक में आपके पिता बहुत दुखी हैं।

देवऋषि के ऐसे वचन सुनकर युधिष्ठिर ने इसका कारण पूछा, तो देवऋषि ने कहा, 'वे अपने जिंदा रहते हुए राजसूय यज्ञ करवाना चाहते थे लेकिन ऐसा वे कर नहीं सके इसलिए दुखी हैं। महाराज युधिष्ठिर आपको आपके पिता की आत्मा की शांति के लिए यह यज्ञ करवाना चाहिए।' नारदजी के ऐसे वचन सुनकर युधिष्ठिर ने अपने पिता की आत्मा शांति के लिए राजसूय यज्ञ करने की घोषणा की। इसके लिए उन्होंने नारदजी के परामर्श पर भगवान शिव के परम भक्त ऋषि पुरुष मृगा को आमंत्रित करने का फैसला लिया। ऋषि पुरुष मृगा जन्म से आधे पुरुष शरीर के तथा नीचे से उनका पैर मृग का था, लेकिन वे कहां रहते थे यह किसी को पता नहीं था।

किंवदंति अनुसार ऐसे में युधिष्ठिर ने उन्हें ढूंढकर यज्ञ में आमंत्रित करने के लिए भीम को इसकी जिम्मेदारी सौंपी। भीम अपने बडे भ्राता की आज्ञा का पालन करते हुए ऋषि पुरुष मृगा को खोजने निकल पडे। खोजते-खोजते वे घने जंगलों में पहुंच गए। जंगल में चलते वक्त भीम को मार्ग में हनुमानजी दिखाई दिए जिन्होंने भीम के घमंड को चूर किया। यह कथा तो आपको मालूम ही है। भीम भी पवनपुत्र हैं, इस नाते भीम हनुमानजी के भाई हुए। भीम ने लेटे हुए हनुमानजी को बंदर समझकर उनसे अपनी पूंछ हटाने के लिए कहा। तब बंदर ने चुनौती देते हुए कहा कि अगर वह उसकी पूंछ हटा सकता है तो हटा दे, लेकिन भीम उनकी पूंछ हिला भी नहीं पाए। तब जाकर उन्हें एहसास हुआ कि यह कोई साधारण बंदर नहीं है। यह बंदर और कोई नहीं, बल्कि हनुमानजी थे। भीम ने यह जानकर हनुमानजी से क्षमा मांगी। भीम ने हनुमानजी को अपने जंगल में भटकने का उदेश्य बताया। कुछ विचार करने के बाद हनुमानजी ने भीम को अपने शरीर के 3 बाल दिए और कहा कि इन्हें अपने पास रखो संकट के समय में ये तुम्हारे काम आएंगे।

भीम ने हनुमानजी के वे 3 बाल अपने पास सुरक्षित रख लिए और चल पडे ऋषि मृगा को ढूंढने। कुछ दूर जाने के बाद ही भीम को भगवान शिव के परम भक्त पुरुष मृगा मिल गए, जो महादेव शिव की स्तुति कर रहे थे। भीम ने उनके पास जाकर उन्हें प्रणाम किया तथा अपने आने का प्रयोजन बताया। इस पर ऋषि पुरुष मृगा भी उनके साथ चलने को राजी हो गए, लेकिन उन्होंने एक शर्त रख दी। पुरुष मृगा ने यह शर्त रखी कि तुम्हें मुझसे पहले हस्तिनापुर पहुंचना होगा, नहीं तो मैं तुम्हें खा जाऊंगा। भीम ने थोडी देर विचार करने के बाद ऋषि पुरुष मृगा की शर्त स्वीकार कर ली। शर्त स्वीकार करने के बाद वे अपनी पूरी शक्ति के साथ हस्तिनापुर की और दौडने लगे। बहुत दूर तक भागते-भागते भीम ने जब पीछे की ओर यह जानने के लिए देखा कि ऋषि पुरुष मृगा कितने पीछे रह गए हैं तो उन्होंने पाया कि ऋषि तो बस उन्हें पकडने ही वाले हैं। यह देख भीम चौंक गए और घबराकर अपनी पूरी शक्ति के साथ शीघ्रता से भागने लगे। लेकिन हर बार पीछे देखने पर उन्हें ऋषि मृगा उनके बिलकुल पास नजर आते थे।

भागते-भागते तभी भीम को हनुमानजी के दिए उन 3 बालों की याद आ गई। हनुमानजी ने कहा था कि संकट काल में ये तुम्हारे काम आएंगे। भीम ने उनमें से एक बाल दौडते-दौडते जमीन पर फेंक दिया। वह बाल जमीन में गिरते ही लाखों शिवलिंगों में परिवर्तित हो गया। भगवान शिव के परम भक्त होने के कारण ऋषि पुरुष मृगा मार्ग में आए प्रत्येक शिवलिंग को प्रणाम करते हुए आगे बढने लगे। इसके चलते भीम को दूर तक भागने का मौका मिल गया। कुंती पुत्र भीम लगातार भागते रहे। फिर जब भीम को लगा कि ऋषि अब फिर से उन्हें पकड ही लेंगे तो उन्होंने फिर से एक बाल गिरा दिया और वह बाल भी बहुत से शिवलिंगों में परिवर्तित हो गया। इस प्रकार से भीम ने ऐसा 3 बार किया।

अंत में जब भीम हस्तिनापुर के द्वार में घुसने ही वाले थे कि ऋषि पुरुष मृगा उन्हें पकडने के लिए दौडे और उन्हें पकड ही लिया था कि तभी भीम ने छलांग लगाई और उनका बस पैर ही द्वार के बाहर रह गया था। इस पर पुरुष मृगा ने उन्हें पकडते हुए खाना चाहा,लेकिन उसी दौरान भगवान कृष्ण और युधिष्ठिर द्वार पर पहुंच गए। दोनों को देखकर युधिष्ठिर ने भी पुरुष मृगा से बहस करनी शुरू कर दी। तब युधिष्ठिर से पुरुष मृगा ने कहा कि शर्त अनुसार इसका पैर द्वार के बाहर ही था अत: यह पहुंच नहीं पाया। ऐसे में मैं इसे खाऊंगा। फिर भी हे धर्मराज तुम न्याय करने के लिए स्वतंत्र हो। ऐसे वचन सुनकर युधिष्ठिर ने ऋषि पुरुष मृगा से कहा कि भीम के केवल पैर ही द्वार के बाहर रह गए थे, बाकी संपूर्ण शरीर तो द्वार के अंदर ही है अत: आप भीम के केवल पैर ही खा सकते हैं।

ऐसा सुनकर युधिष्ठिर के न्याय से ऋषि पुरुष मृगा प्रसन्न हुए तथा उन्होंने भीम को जीवनदान दे दिया। इसके बाद ऋषि ने यज्ञ संपन्न करवाया और सबको आशीर्वाद भी दिया।

क्यों, माता आद्या शक्ति की पूजा मनोकामना पूर्ण दायक होती है

हिन्दू शास्त्रों के अनुसार, आद्या शक्ति माँ, भगवान् विष्णु के अन्त: कारण की शक्ति हैं, योगमाया शक्ति हैं, तथा प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से संपूर्ण ब्रहमाण्ड के उत्पत्ति के कारक हैं। भगवान ब्रहमा और शिव, की उत्पत्ति भी इन्हीं के अनुसार ही हुई हैं।

सृष्टि के संचालन हेतु, भगवान विष्णु पालनहार, ब्रहमा रचनाकार, तथा शिव संहारक हुए। क्रमश: तीनो महा देव, तीन प्राकृतिक गुणों के कारक बने, सत्व गुण, रजो गुण तथा तमो गुण, संपूर्ण ब्रहमाण्ड का संचालन इन्हीं गुणों के द्वारा ही होता हैं, परन्तु इन कार्यों में इच्छा शक्ति, माता आदि शक्ति की ही होती हैं। इनकी पूजा मनोकामना पूर्ण दायक होती है ।

त्रि-देवो के अनुसार इन की, जीवन संगिनी भी इन कार्यों में संलग्न रहती हैं। त्रि-देवियाँ या महा-देवियाँ, महा लक्ष्मी, महा सरस्वती तथा महा काली के रूप में, त्रि-देवो की जीवन संगिनी तथा सहायक हैं। महा लक्ष्मी के रूप में ये भगवान विष्णु कि सात्विक शक्ति हैं, महा सरस्वती के रूप में ये ब्रहमा जी की राजसिक शक्ति हैं तथा सती अथवा पार्वती के रूप में ये शिव के तामसी शक्ति हैं। काली कुल की देवियाँ प्राय, घोर भयानक स्वरूप तथा उग्र स्वाभाव वाली होती हैं तथा इन का सम्बन्ध काले रंग से होता हैं, इस के विपरीत श्री कुल के देवियाँ सौम्य तथा कोमल स्वाभाव की तथा लाल रंग से सम्बंधित होती हैं। महा कालीश्मशान के भयानक वातावरण में, शिव की छाती पर पैर रख मग्न रहने वाली, भयानक, घोर-रूपा शक्ति ''महा काली'' के नाम से जाानी जाती हैं। आदि काल में, जब कुछ भी व्याप्त नहीं था, केवल चारो ओर अंधकार ही अंधकार दृष्टि-गोचर होता था, व्याप्त अंधकार से एक शक्ति उत्पन्न हुई, जिस का नाम काली पडा। अंधकार से जन्मा होने के परिणाम स्वरूप, ये शक्ति तमोगुणी तथा काले वर्ण वाली हैं। वे दिव्य स्वरूप वाली, हजारों चन्द्रमा के किरणों से प्रतिबिंबित कांति वाली प्रतीत होती हैं। इन्हीं की इच्छा शक्ति ने इस संपूर्ण चराचर जगत को उत्पन्न किया हैं तथा सभी को अपने कर्मों का फल प्रदान करने वाली हैं। प्रलय काल मैं ये स्वयं महाकाल का भी भक्षण करने मैं समर्थ हैं। भगवान विष्णु के योग निमग्न रहते हुए, उदित होने वाली तामसी शक्ति, स्वयं आद्या शक्ति हैं जो संहारक हैं तथा महा माया काली के नाम से विख्यात हैं।

यह षडक्षर मंत्र सभी दुख दूर करने वाला मंत्र माना गया है

''ऊँ नम शिवाय'' यह षडक्षर मंत्र सभी दुख दूर करने वाला मंत्र माना गया है। ' ऊँ ' भगवान शिव का एकाक्षर मंत्र हैं। 'नम शिवाय' भगवान शिव का पंचाक्षरी मंत्र है। भगवान शिव को आदि देव माना जाता है। हिन्दू मान्यतानुसार भगवान शिव संहार करने वाले माने जाते हैं। जो इस संसार में आता है उसे जाना भी होता है और भगवान शिव इसी कार्य के कर्ता माने जाते हैं। शिव है धर्म की जड। शिव से ही धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष है।

शिव का रूप : शिव यक्ष के रूप को धारण करते हैं और लंबी-लंबी खूबसूरत जिनकी जटाएँ हैं, जिनके हाथ में 'पिनाक' धनुष है, जो सत् स्वरूप हैं अर्थात् सनातन हैं, यकार स्वरूप दिव्यगुणसम्पन्न उज्जवलस्वरूप होते हुए भी जो दिगम्बर हैं। जो शिव नागराज वासुकि का हार पहिने हुए हैं, वेद जिनकी बारह रुद्रों में गणना करते हैं, पुराण उन्हें शंकर और महेश कहते हैं उन शिव का रूप विचित्र है। अर्धनग्न शरीर पर राख या भभूत मले, जटाधारी, गले में रुद्राक्ष और सर्प लपेटे, तांडव नृत्य करते हैं तथा नंदी जिनके साथ रहता है। उनकी भृकुटि के मध्य में तीसरा नेत्र है। वे सदा शांत और ध्यानमग्न रहते हैं। इनके जन्म का अता-पता नहीं हैं। वे स्वयंभू माने गए हैं।

भगवान शिव का मंत्र

''ऊँ नम शिवाय''यह षडक्षर मंत्र सभी दुख दूर करने वाला मंत्र माना गया है। 'ऊँ' भगवान शिव का एकाक्षर मंत्र हैं। 'नम शिवाय' भगवान शिव का पंचाक्षरी मंत्र है। शिवपुराण के अनुसार भगवान शिव के दो विवाह हुए। दोनों ही बार उनका विवाह भगवती के अवतारों से हुआ। पहला राजा दक्ष की पुत्री सती के साथ और दूसरा हिमालय पुत्री देवी पार्वती के साथ। शिवजी के दो पुत्र माने गए हैं कार्तिकेय और भगवान गणेश। कई जगह शिवांशों यानि शिव के अंशो का वर्णन किया गया जिनमें अंधक नामक शिवांश सबसे प्रमुख हैं।

शिव महिमा : शिव ने कालकूट नामक विष पिया था जो अमृत मंथन के दौरान निकला था। शिव ने भस्मासुर को जो वरदान दिया था उसके जाल में वे खुद ही फँस गए थे। शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया था। शिव ने दक्ष के यज्ञ को नष्ट कर दिया था। ब्रहमा द्वारा छल किए जाने पर शिव ने ब्रहमा को शापित कर विष्णु को वरदान दिया था। शिव की महिमा का वर्णन पुराणों में मिलता है।

शिव के प्रमुख नाम : शिव के वैसे तो अनेक नाम हैं जिनमें 108 नामों का उल्लेख पुराणों में मिलता है लेकिन यहाँ प्रचलित नाम जानें- महेश, नीलकंठ, महादेव, महाकाल, शंकर, पशुपतिनाथ, गंगाधर, नटराज, त्रिनेत्र, भोलेनाथ, आदिदेव, आदिनाथ, त्रियंबक, त्रिलोकेश, जटाशंकर, जगदीश, प्रलयंकर, विश्वनाथ, विश्वेश्वर, हर, शिवशंभु, भूतनाथ और रुद्र।

शिवलिंग : विश्व कल्याण के लिए भगवान शिव संसार में शिवलिंग के रूप में विद्यमान हैं। भारत में कई जगह शिवलिंग पाए जाते हैं। भारत में बारह अहम ज्योतिर्लिंग हैं जहां भोलेनाथ शिवलिंग के रूप में विराजमान हैं।

ज्योतिर्लिंग : ज्योतिर्लिंग उत्पत्ति के संबंध में अनेकों मान्यताएँ प्रचलित है। ज्योतिर्लिंग यानी 'व्यापक ब्रहमात्मलिंग' जिसका अर्थ है 'व्यापक प्रकाश'। जो शिवलिंग के बारह खंड हैं। शिवपुराण के अनुसार ब्रहम, माया, जीव, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को ज्योतिर्लिंग या ज्योति पिंड कहा गया है। भारत में गिरे अनेकों पिंडों में से प्रमुख बारह पिंड को ही ज्योतिर्लिंग में शामिल किया गया।

शिव निवास : तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत पर प्रारम्भ में उनका निवास रहा। वैज्ञानिकों के अनुसार तिब्बत धरती की सबसे प्राचीन भूमि है और पुरातनकाल में इसके चारों ओर समुद्र हुआ करता था। फिर जब समुद्र हटा तो अन्य धरती का प्रकटन हुआ। जहाँ पर शिव विराजमान हैं उस पर्वत के ठीक नीचे पाताल लोक है जो भगवान विष्णु का स्थान है। शिव के आसन के ऊपर वायुमंडल के पार क्रमश: स्वर्ग लोक और फिर ब्रहमाजी का स्थान है। ऐसा पुराण कहते हैं। काशी मान्यतानुसार भगवान शिव का निवास कैलाश पर्वत पर है। लेकिन उनकी प्रिय नगरी है काशी। पुराणों के अनुसार काशी के कण-कण में शिव विराजमान हैं।

शिव की प्रिय वस्तुएं : रुद्राक्ष : भगवान शिव के आभूषणों में रुद्राक्ष का अहम महत्व है। मान्यता है कि त्रिपुरासुर नामक राक्षस के वध के बाद भगवान शिव के नेत्रों से गिरे अश्रु बिन्दुओं से वृक्ष उत्पन्न हुए और रुद्राक्ष के नाम से प्रसिद्ध हुए।

भस्म : भगवान भोलेनाथ भस्मी में रमते हैं। मान्यता है कि शिवजी की पूजा भस्म के बिना पूर्ण नहीं होती।

बेलपत्र : भगवान शंकर का एक नाम भोलेनाथ भी है क्योंकि वह बहुत जल्दी किसी की भी मनोकामना पूर्ण कर देते हैं। उनकी पूजा में छत्तीस भोग नहीं लगते वह तो मात्र भांग, धतूरे और बेलपत्र के चढावे से प्रसन्न हो जाते हैं।

कितनी छड़ वाली विंड चाइम्स कहां और क्यों लगाएं?

फेंगशुई भारतीय वास्तु शास्त्र का चीनी रूपांतरण है। फेंगशुई की पवन घंटी (विंड चाइम्स) सर्वाधिक चलन में है।

दरअसल विंड चाइम या पवन घंटी से जो मधुर ध्वनि निकलती है वह पूरे घर में फेंगशुई के अनुसार ची की सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाहित करती है। इसलिए घर में विंड चाइम लगाते हैं। घर या आफिस के लिए फेंगशुई में अलग-अलग प्रकार की विंड चाइम के बारे में बताया गया है तो आइये जानते है कि घर या आफिस के कौन से कमरे या स्थान के लिए किस प्रकार की विंड चाइम उपयुक्त रहेगी।

नीचे विंड चाइम्स के कुछ टिप्स दिए गए हैं, जिनसे आप भी अपने घर को समृद्धशाली बना सकते हैं-

- पांच छड़ वाली विंड चाइम का प्रयोग अध्ययन कक्ष में लगाने से वहां के सभी वास्तु दोष समाप्त हो जाते हैं।
- छह छड़ों वाली विंड चाइम को ड्राइंग रूम में लगाएं। इससे सकारात्मक ऊर्जा निकलती है तथा पूरे घर में फैलती है।
- सात छड़ों वाली विंड चाइम बच्चों के कमरे में लटकानी चाहिए। यह शुभ होती है।
- आठ छड़ों वाली विंड चाइम का प्रयोग कार्यालय में करना बेहतर होता है।
- अगर परिवार के सदस्यों को बार-बार निराशा का सामना करना पड़ रहा है तो ड्राइंगरूम में नौ छड़ों वाली विंड चाइम लगानी चाहिए। इससे हर क्षेत्र में सफलता मिलती है।

घर में गणेशजी की प्रतिमा बढ़ाती है धन-दौलत

शास्त्रों के अनुसार प्रथम पूज्य श्री गणेश को परिवार का देवता माना गया है। परिवार की किसी भी प्रकार की परेशानी के लिए गणेशजी की आराधना श्रेष्ठ उपाय है। वहीं वास्तु में भी श्री गणेश की प्रतिमा को वास्तुदोष दूर करने का अचूक उपाय बताया गया है।

वास्तु के अनुसार घर में विघ्न विनाशक श्री गणेश की प्रतिमा रखना बहुत शुभ माना जाता है। जहां गणेशजी की प्रतिमा रहती है उस क्षेत्र में किसी भी प्रकार का वास्तुदोष सक्रीय नहीं हो पाता।

साथ ही घर के आसपास भी नकारात्मक ऊर्जा भी प्रभाव नहीं दिखा पाती। इनकी प्रतिमा के शुभ प्रभाव से परिवार के सभी सदस्यों को स्वास्थ्य लाभ मिलता है और सभी कार्यों में सफलता प्राप्त होती है।

घर में श्रीगणेश की प्रतिमा कहां रखनी चाहिए? इस संबंध में वास्तु के अनुसार इनकी मूर्ति ईशान कोण (उत्तर-पूर्व) में लगानी चाहिए। नैऋत्य कोण (दक्षिण-पश्चिम) में श्रीगणेश की मूर्ति शुभ प्रभाव नहीं देती।

घर के पूजन स्थल पर गणेशजी की बाएं हाथ की ओर सूंड वाली मूर्ति बहुत शुभ मानी जाती है। घर में जहां वास्तु दोष हो वहां सिंदूर से स्वस्तिक का चिन्ह बनाएं। साथ घर के मुख्य द्वार गणेशजी की प्रतिमा या उनका प्रतिक चिन्ह स्वस्तिक बनाएं।

बिना डॉक्टर से पूछें न लें खांसी सिरप

खांसी होने पर सामान्यत हम कैमिस्ट से कफ सिरप ले आते हैं। लेकिन इनका प्रयोग विशेषज्ञ की सलाहानुसार ही किया जाना चाहिए क्योंकि यह अलग-अलग कारणों से विभिन्न प्रकार की हो सकती है। एंटीबायोटिक बैक्टीरिया के संक्रमण से खांसी होने पर इसे एंटीबायोटिक से नियंत्रित किया जाता है। एंटी-हिस्टामाइन्स एलर्जी, खाने की दवा के रिएक्शन से खांसी होने पर एंटी-हिस्टामाइन्स कारगर मानी जाती है।

आपके लिए खतरनाक है धूम्रपान

शोध से यह पता चलता है कि धूम्रपान और मानसिक स्वास्थ्य का परस्पर घनिष्ठ संबंध है। 2700 लोगों पर एक शोध किया गया और पाया गया कि धूम्रपान करने वाले व्यक्ति, उन व्यक्तियों की तुलना में जो धूम्रपान नहीं करते, अधिक चिंतित व उदास रहते हैं। उनका मानसिक स्वास्थ्य सही नहीं रहता। जो लोग इस आदत से छुटकारा नहीं पा सकते, उनके मानसिक स्वास्थ्य पर तो इसका बहुत ही बुरा असर पड़ता है।

मिट्टी में सोने के अद्भुत फायदे

मिट्टी में सोने से कई फायदे होते हैं। इसका उपयोग कई तरह के रोगों के इलाज में भी किया जाता है। इससे नींद न आना, स्नायु की कमजोरी और खून की खराबी आदि रोग दूर होते हैं। इसके अलावा मिट्टी की मालिश-मिट्टी को शरीर पर अच्छी तरह से मलने से और शरीर पर लगाने से जहरीले तत्व शरीर से बाहर निकल जाते हैं। साबुन के स्थान पर शुद्ध मिट्टी लगाकर नहाने से कई प्रकार के रोगों में फायदा होता है।

घरेलू उपचार

पित्त और कफ विकारों में गूलर का चमत्कार...

मोरासी परिवारी का सदस्य गूलर लंबी आयु वाला वृक्ष है। इसका वनस्पतिक नाम फीकुस ग्लोमेराता रौक्सबुर्ग है। यह सम्पूर्ण भारत में पाया जाता है। यह नदी-नालों के किनारे एवं दलदले स्थानों पर उगता है। इसके फल गोल, गुच्छों में लगते हैं। फल मार्च से जून तक आते हैं। कच्चा फल छोटा हरा होता है पकने पर फल मीठे, मुलायम तथा छोटे-छोटे दानों से युक्त होते हैं। इसका फल देखने में अंजीर के फल जैसा लगता है। इसके तने से क्षीर निकलता है। आयुर्वेदिक चिकित्सकों के अनुसार गूलर का कच्चा फल कसैला और दाहनाशक है। पका हुआ गूलर रुचिकारक, मीठा गूलर शीतल, पित्तशामक, तृषाशामक, श्रमहर, कब्ज मिटाने वाला तथा पौष्टिक है। इसकी जड़ में रक्तस्राव रोकने तथा जलन शांत करने का गुण है। गूलर के कच्चे फलों की सब्जी बनाई जाती है तथा पके फल खाए जाते हैं। इसकी छाल का चूर्ण बनाकर या अन्य प्रकार से उपयोग किया जाता है। गूलर के नियमित सेवन से शरीर में पित्त एवं कफ का संतुलन बना रहता है। इसलिए पित्त एवं कफ विकार नहीं होते। साथ ही इससे उदरस्थ अग्नि एवं दाह भी शांत होते हैं। पित्त रोगों में इसके पत्तों के चूर्ण का शहद के साथ सेवन भी फायदेमंद होता है।

मधुमेह में राहत: गूलर की छाल ग्राही है, रक्तस्राव को बंद करती है। साथ ही यह मधुमेह में भी लाभप्रद है। गूलर के कोमल-ताजा पत्तों का रस शहद में मिलाकर पीने से भी मधुमेह में राहत मिलती है। इससे पेशाब में शर्करा की मात्रा भी कम हो जाती है।

बवासीर में फायदेमंद: गूलर के तने का दूध बवासीर एवं दस्त के लिए श्रेष्ठ दवा है। खूनी बवासीर के रोगी को गूलर के ताजा पत्तों का रस पिलाना चाहिए। इसके नियमित सेवन से त्वचा का रंग भी निखरने लगता है।

बिवाई फटने पर: हाथ-पैरों की त्वचा फटने या बिवाई फटने पर गूलर के तने के दूध का लेप करने से आराम मिलता है, पीड़ा से छुटकारा मिलता है। गूलर से स्त्रियों की मासिक धर्म संबंधी अनियमितताएं भी दूर होती हैं। स्त्रियों में मासिक धर्म के दौरान अधिक रक्तस्राव होने पर इसकी छाल के काढ़े का सेवन करना चाहिए। इससे अत्याधिक बहाव रुक जाता है। ऐसा होने पर गूलर के पके हुए फलों के रस में खांड या शहद मिलाकर पीना भी लाभदायक होता है।

मुंह के छाले: मुंह के छाले हों तो गूलर के पत्तों या छाल का काढ़ा मुंह में भरकर कुछ देर रखना चाहिए। इससे फायदा होता है। इससे दांत हिलने तथा मसूढ़ों से खून आने जैसी व्याधियों का निदान भी हो जाता है। यह क्रिया लगभग दो सप्ताह तक प्रतिदिन नियमित रूप से करें।

जलने पर: आग से या अन्य किसी प्रकार से जल जाने पर प्रभावित स्थान पर गूलर की छाल को लेप करने से जलन शांत हो जाती है। इससे खून का बहना भी बंद हो जाता है। पके हुए गूलर के शरबत में शक्कर, खांड या शहद मिलाकर सेवन करने से गर्मियों में पैदा होने वाली जलन तथा तृषा शांत होती है।

नेत्र विकार: आंखों में पानी आना, जलन होना आदि के उपचार में भी गूलर उपयोगी है। इसके लिए गूलर के पत्तों का काढ़ा बनाकर उसे साफ और महीन कपड़े से छान लें। ठंडा होने पर इसकी दो-दो बूंद दिन में तीन बार आंखों में डालने से नेत्र ज्योति भी बढ़ती है। नकसीर फूटती हो तो ताजा एवं पके हुए गूलर के लगभग 25 मिली लीटर रस में गुड़ या शहद मिलाकर सेवन करने या नकसीर फूटना बंद हो जाती है। किसी भी दवा का सेवन डॉक्टर या वैद्य की सलाह से ही करें।

सेहतमंद रहने की अनोखी विधि

- अपनाएं गंडूषकर्म या ऑइल पुलिंग तकनीक
- शरीर से विषों को निकालने की आयुर्वेद विधि
- छोटे से छोटे, बड़े से बड़े और नए तथा पुराने रोगों से छुटकारा
- पश्चिमी जगत में बहुत लोकप्रिय, भारतीय नहीं जानते

मामूली से खर्च में हमेशा स्वस्थ और ऊर्जावान रहने की विधि है गंडूषकर्म या तेल चूषण विधि। मुख के अंदर तेल भरकर कुछ समय तक रखने या चूसने मात्र से अनेकानेक रोगों से छुटकारा मिल सकता है। यह बहुत पुरानी आयुर्वेद की चिकित्सा है जिसको आज सिर्फ कुछ गिने चुने लोग ही जानते हैं। आज पश्चिमी जगत इसको आइल पुलिंग थेरेपी के नाम से जानता है। आयल पुलिंग शरीर से विषों को निकाल डी टॉक्सिफाई करने की आसान सरल और सस्ती विधि है। छोटे से छोटे, बड़े से बड़े और नए तथा पुराने रोगों से छुटकारा दिलाने में बहुत अहम है यह प्रक्रिया। यह विधि आज पश्चिमी जगत में बहुत लोकप्रिय है, मगर दुर्भाग्य है कि भारत के लोग ही इसको नहीं जानते। आज हम आपको इसी विधि के बारे में बताएंगे। इससे शरीर विषमुक्त तो होगा ही साथ ही साथ नई ऊर्जा और रोग मुक्त हो कर आप बिल्कुल नया अनुभव करेंगे।

आश्चर्यजनक शोध

ऑइल पुलिंग को आयुर्वेद में गंडूषकर्म के नाम से जाना जाता है। इस तकनीक पर हाल के ही दिनों में कुछ शोधकर्ताओं ने शोध भी किए हैं और उनके परिणाम इतने सकारात्मक निकले हैं कि भरोसा करना मुश्किल है। कुछ रोगों में तो लाभ महज दो दिनों में ही सामने आ जाता है, जबकि कुछ में एक साल का समय लग जाता है। आमतौर पर फायदे के लिए ऑइल पुलिंग तकनीक को कम से कम लगातार चालीस से पचास दिनों तक प्रयोग में लाए जाने के आवश्यकता होती है।

आइल पुलिंग की विधि

सवेरे उठकर मुंह साफ करने के बाद लेकिन नाश्ते से पहले एक बड़ा चम्मच 10 एमएल सूरजमुखी का तेल, या तिल का तेल, या मूंगफली का तेल लीजिए, इसको मुंह में भर लेने के बाद मुंह बंद रखकर उसे मुंह में घुमाए और दांतो से खींचे और ऐसा 15-20 मिनट तक करें। अन्य शब्दों में, तेल को चबाने की क्रिया करे। चबाते समय ठोड़ी को हिलाएं (घोड़े द्वारा दाना खाने के समान)। इससे अच्छी लार बनती है और मुख की श्लैष्मिक झिल्ली के माध्यम से रक्तदोष और विष खींच लिए जाते हैं। मुंह में तेल भरकर इस क्रिया को करने से 15-20 मिनट में तेल दूषित, पतला और सफेद हो जाता हैं। इसके बाद दूषित तेल को थूक दीजिए।

कुछ सावधानियां रखें

किसी भी हालत में इस जहरीले तेल को निगलना नहीं हैं। इसके बाद मुंह को अच्छी तरह धो लीजिए और दातुन या दंत मंजन कर लीजिये। आइल पुलिंग के बाद शरीर के जहरीले तत्व तेल के साथ मुंह में आ जाते हैं। यह चिकित्सा रोगी को अपने रोग अनुसार दिन में दो या तीन बार करनी चाहिए। ध्यान रहे यह करने से पहले पेट खाली ही हो, अर्थात भोजन के पहले ही करना है।

ताजे और पुराने रोग

ताजे रोग और प्रारंभिक चिकित्सा काल के संक्रमण 2 से 4 दिन में शीघ्रता से ठीक हो जाते हैं परंतु पुरानी बीमारियां ठीक होने में अधिक समय लग जाता है। अतः चिकित्सा प्रक्रिया छोड़नी नहीं चाहिए। प्रयोग के प्रारंभ में खासकर एक से अधिक रोग वाले रोगी की तकलीफे बढ़ सकती हैं। जैसे शरीर का तापमान बढ़ जाना इत्यादि। ऐसी स्थिति में घबराकर चिकित्सा नहीं छोड़ें। बिना किसी दखल के अपने आप सब ठीक हो जाता है। ऐसे लक्षण इस बात का सूचक हैं के रोग खत्म हो रहा है और चय अपचय बढ़ने से रोगी का स्वास्थ्य सुधर रहा है।

इन बीमारियों से छुटकारा

आइल पुलिंग से निरंतर स्वस्थ रहने को तो बल मिलता है। इसके इलावा जिन रोगो के ठीक होने का दावा विज्ञान भी करता है उनमें खास हैं दांतों की बीमारियां, मसूड़ों से खून का बहना, दांत दर्द, दांतो का पीलापन, पुराने रक्त रोग, झाइयां, झुर्रियां, सिरदर्द, श्वासनली की सूजन (ब्रोंकाइटिस), थ्रोम्बोसिस, हृदय रोग, गुर्दे और मूत्र संबंधी बीमारियां, पेट, फेफड़े और जिगर के रोग, अस्थिरोग, चर्मरोग, स्नायु रोग, पक्षाघात, अनिद्रा आदि। यह प्रक्रिया कैंसर में भी बहुत लाभदायक है।

ये हैं फायदे

आयल पुलिंग से विषैले ट्यूमर का बनना रुक जाता है और धीरे धीरे रोग समाप्त हो जाता है। इसके परिणाम से आंखों के नीचे काले घेरे मिट जाते हैं और ताजगी, स्फूर्ति, शक्ति, स्मरणशक्ति, बढ़ जाती है।

इंटरेस्टिंग फैक्ट

ब्रेन के हुनर की वजह से यात्रा के दौरान आती है मितली...

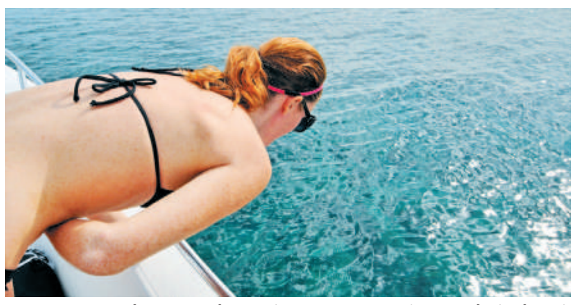

बस या कार में यात्रा करते हुए जी मचलना या उल्टी आना, ऐसी परेशानी बहुत लोगों को होती है। असल में ऐसा मस्तिष्क के जबरदस्त हुनर के चलते होता है। बस, कार, विमान या पानी के जहाज में यात्रा करने के दौरान शरीर और मस्तिष्क के बीच एक असमंजस की स्थिति बन जाती है। यात्रा के दौरान दिमाग को ऐसा लगता है जैसे शरीर में जहर फैल रहा है। जान बचाने के लिए मस्तिष्क हरकत में आता है। जी मचलने लगता है और उल्टी सी आने लगती है। इस तरह दिमाग शरीर से विषैले तत्वों को बाहर करने की कोशिश करता है। लेकिन दिमाग को ऐसे संकेत मिलते क्यों हैं? इसका कारण समझाते हुए डॉक्टर कहते हैं कि यात्रा के दौरान सीट पर बैठा इंसान स्थिर होता है लेकिन कान लगातार गति की आवाज मस्तिष्क तक पहुंचा रहे होते हैं। कान, दिमाग को बताते हैं कि हम गतिशील है। एक तरफ स्थिर शरीर होता है तो दूसरी तरफ गति से जुड़ी जानकारी। ऐसी परस्पर विरोधाभासी जानकारी मिलने पर मस्तिष्क को लगने लगता है कि कुछ गड़बड़ हो रही है।

कान के भीतर बैलेंस सेंसर

अगर आप पानी के जहाज में बैठे हैं और बाहर सब एक समान है तो आपकी आंखें गति की जानकारी नहीं देती हैं, लेकिन हमारे कानों में द्रवीय पदार्थ होते हैं जो भौतिक विज्ञान के सिद्धांतों पर चलते हैं। गति के दौरान ये द्रवीय पदार्थ गतिमान होते हैं। ऐसी स्थिति में मस्तिष्क को कई तरह के सिग्नल मिलते हैं। मांसपेशियां और आंखें बता रही होती हैं कि हम स्थिर हैं और कान के बैलेंस सेंसर कह रहे होते हैं कि हम गतिमान हैं। ये दोनों विरोधाभासी संकेत सही नहीं हो सकते। दिमाग को पता चल जाता है कि कुछ गड़बड़ है। लाखों साल के क्रमिक विकास के दौरान दिमाग यह सीख चुका है कि ऐसी गड़बड़ तभी होती है जब शरीर के भीतर विषैले तत्व आ जाएं। उनसे निपटने के लिए ब्रेन तुरंत हरकत में आता है और मितली सी आने लगती है या उल्टी होने लगती है।

कैसे बचें

यात्रा के दौरान आगे तरफ देखते हुए अगर आंखें खुली रखी जाएं तो काफी आराम मिलता है। असल में ऐसा करने से दिमाग को पता चलता है कि हम गतिमान हैं और वह इस तथ्य को स्वीकार कर लेता है और बचाव की मुद्रा में नहीं आता है। आम तौर पर बच्चों या कम सफर करने वालों को ऐसी समस्या सबसे ज्यादा होती है। बच्चों का दिमाग विकास कर रहा होता है, वह यात्रा करने का आदी नहीं होता, इसीलिए बचपन में ऐसी तकलीफ ज्यादा होती है लेकिन धीरे धीरे उम्र बढ़ने और यात्रा के बढ़ते अनुभव के साथ मस्तिष्क इसे समझ जाता है और तालमेल बैठा लेता है।

समाजशास्त्र में बेहतर करियर ...

मानव समाज के अध्ययन को समाजशास्त्र कहते हैं। भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार पूरी दुनिया में मनुष्य की सामाजिक संरचना बदल जाती है। हर समाज की अलग- अलग परंपराएं होती हैं। आधुनिकीकरण और बढ़ती सामाजिक जटिलताओं के कारण अब समाजशास्त्र के अंतर्गत चिकित्सा, सैन्य संगठन, जन संपर्क और वैज्ञानिक ज्ञान का भी अध्ययन किया जाता है। आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रणालियों सहित समाजशास्त्र की शुरुआत भी पश्चिमी देशों से ही हुई। समाजशास्त्र, समाज में रहने वाले लोगों से जुड़ा हुआ विषय है। सीधा समाज से जुड़ा होने के कारण आज के दौर में इसका बड़ा महत्त्व है। मौजूदा दौर में इसकी तुलना एमबीए से की जाती है। इसमें रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। यह विषय न केवल साधारण है बल्कि रोचक भी है। समाज की जीवन में अहम भूमिका है और इसी समाज का अध्ययन इस विषय में किया जाता है। यही वजह है कि इस विषय का इतना महत्त्व है।

शैक्षणिक योग्यता

समाजशास्त्र में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए कला संकाय में स्नातक होना आवश्यक है। इसके साथ सोशल साइंस, पोलिटिकल साइंस, इंटरनेशनल रिलेशन, साइकोलॉजी और ह्यूमेनिटी का व्यावहारिक ज्ञान होना जरूरी है। पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद इसमें पीएचडी की जा सकती है।

समाज शास्त्र का इतिहास

ऐसा माना जाता है कि 14वीं शताब्दी के उत्तर अफ्रीकी अरब विद्वान इब्न खल्दून प्रथम समाजशास्त्री थे, जिन्होंने सामाजिक एकता और सामाजिक संघर्ष के वैज्ञानिक सिद्धांतों को पहली बार उजागर किया। एक विषय के रूप में समाजशास्त्र की शुरुआत सबसे पहले 1890 में अमरीका के कंसास विश्वविद्यालय में हुई। 1891 ई. में कंसास विश्वविद्यालय में इतिहास और समाजशास्त्र विभाग की स्थापना की गई। समाजशास्त्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग 1895 में शुरू हुआ। 1905 में सारी दुनिया के पेशेवर समाजशास्त्रियों के संगठन की स्थापना हुई। एक विषय के रूप में समाशास्त्र सर्वप्रथम 1890 में अमरीका के कंसास विश्वविद्यालय में पढ़ाया गया।

क्यों खास है समाजशास्त्र

मनुष्य एक समाजिक प्राणी है। बिना समाज के मनुष्य जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। इस वजह से समाज का महत्त्व बढ़ा है और जरूरत बढ़ी है समाजशास्त्र की। समाजशास्त्र यह जानने के लिए जरूरी है कि जिन परिस्थितियों में हम रह रहे हैं, उनकी विसंगतियों को कैसे दूर किया जाए। इस तरह यह अपने पारंपरिक मूल्यों व बाहरी दुनिया के बीच संतुलन बनाने तथा व्यक्तिगत व सार्वजनिक क्रियाओं को पूरा करने का विवेक भी देता है। एक तरह से कहा जाए तो सभी तरह की नीतियों और रणनीतियों का संबंध मानव जीवन की उन्नति से जुड़ा होता है। इसलिए करियर के लिहाज से इस विषय का महत्त्व स्वता ही बढ़ जाता है। मानव सभ्यता, संस्कृति, सोसायटी, जातीयता और सामाजिक संगठन आदि की जानकारी से हम अपने वर्तमान को अधिक बेहतर बना सकते हैं।

रोजगारपरक है विषय

देश में नए उद्योग, विद्युत प्रोजेक्ट और सीमेंट कारखाने लग रहे हैं। यहां पर इस विषय के जानकारों की जरूरत है। यह एक प्रोफेशनल विषय है। यदि आपको नौकरी नहीं करनी है तो आप एनजीओ बनाकर समाजसेवा कर सकते हैं। कंपनियां जहां अपना प्रोजेक्ट लगाती हैं, वहां श्रमिकों के पुनर्वास के लिए योजना बनाने के लिए समाजशास्त्रियों की मदद लेती हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य को देखते हुए यह करियर ज्यादा रोजगारपरक है। स्कूलों और कालेजों में इस विषय की काफी डिमांड होने से इस का महत्त्व बढ़ता जा रहा है। इसके अलावा कई गैर सरकारी संगठन भी हैं, जिनमें समाजशास्त्रियों की बहुत डिमांड रहती है।

रोजगार के अवसर

आज दुनिया में हजारों की संख्या में स्वयंसेवी संस्थाएं, मानवीय, सामाजिक, पर्यावरण संबंधी समस्याओं के समाधान में जुटी हुई हैं और इसी कारण संस्थानों को बड़ी संख्या में ऐसे लोगों की आवश्यकता है, जिनमें न केवल सेवा का जज्बा हो, अपितु संबंधित क्षेत्र की जानकारी भी हो। अंतरराष्ट्रय स्तर पर काम करने वाली संस्थाएं जैसे यूनीसेफ, रेडक्रॉस तो हर वर्ष समाजशास्त्र एवं समाज कार्य में विशेषज्ञों की खोज में बड़े-बड़े शहरों में सेमिनार का आयोजन करती हैं। इन संस्थाओं में निदेशक, प्रोग्राम आफिसर, टीम लीडर जैसे उच्च पदों पर अच्छे वेतनमान के साथ नियुक्ति दी जाती है। इसके अलावा अन्य कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां छात्रों को को.आर्डिनेटर, सर्वे आफिसर या पब्लिक रिलेशन आफिसर जैसे उच्च पदों पर कार्य करने का मौका मिलता है। अपराध विज्ञान और सुधारात्मक प्रशासन में विशेषज्ञता रखने वाले सामाजिक कार्यकर्ता, जेल, सुधारगृहों, बालगृहों जैसे स्थानों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं।

शिक्षण संस्थान

- बरकतउल्ला विश्व विद्यालय भोपाल
- देवी अहिल्या विवि इंदौर
- हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला
- पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़
- कर्नाटक यूनिवर्सिटी हुबली,धरवाड़ (कर्नाटक)
- जम्मू यूनिवर्सिटी, जम्मू
- कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र

विभिन्न कोर्सेज

अप्लाइड सोशोलॉजी
सोशोलॉजी ऑफ रिलीजन
इकॉनोमिक सोशोलॉजी
पोलिटिकल सोशोलॉजी
सोशोलॉजी ऑफ किनशिप

समाजशास्त्र के उद्देश्य

- सामाजिक जीवन में आ रहे परिवर्तनों की पहचान करना।
- समाज से अंधविश्वास एवं नकारात्मक सोच को दूर करने का प्रयास
- समाज विशेषताओं की पहचान कर मानवता को एकसूत्र में बांधने का प्रयास

रेसिपी

मलाई कोफ्ता

सामग्री

कोफ्ता सामग्री: 200 ग्राम उबले आलू, 200 ग्राम पनीर, 1/2 चम्मच लाल मिर्च, 100 ग्राम मकई आटा, 1/2 चम्मच गरम मसाला, 1 चम्मच नमक, 1 चम्मच धनिया, 1/2 चम्मच हरी मिर्च, काजू, **ग्रेवी सामग्री:** 50 मि.ली. जैतून तेल, 4 लौंग, 1 इलायची और दालचीनी, 3/4 चम्मच काली मिर्च, 1 चम्मच अदरक-लहसुन पेस्ट, 150 ग्राम प्याज, गरम मसाला, 1 चम्मच लाल मिर्च, 1/2 चम्मच हल्दी, 100 ग्राम काजू, 100 ग्राम टमाटर, 50 मि.ली. जल, 50 मि.ली. दही, 1 चम्मच हरी मिर्च, 100 मि.ली. टमाटर, 50 मि.ली. क्रीम

विधि

एक बर्तन में उबले आलू,पनीर,लाल मिर्च पाउडर, मकई का आटा, गरम मसाला,नमक,धनिया, हरी मिर्च आदि को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। तैयार किए मिश्रण का एक छोटा सा हिस्सा लेकर इसकों कोफ्ते का आकार दें और सुनहरा भूरा होने तक भून लें। फिर इसे निकालकर कागज पर रख लें। अब एक पैन में जैतून का तेल डालकर गर्म कर लें और इसमें लौंग, बड़ी इलायची, दालचीनी, हरी इलायची, काली मिर्च डालकर कर चलाएं। इन रंग सुनहरा होने तक इसमें अदरक और लहसुन का पेस्ट, प्याज डालें। फिर इसमें नमक, गरम मसाला,लाल शिमला मिर्च,चम्मच हल्दी पाउडर डाल कर मिक्स कर लें। इसके बाद काजू,टमाटर और पानी डालकर 5 मिनट तक पकने दें। जब तक यह सामग्री अच्छे से मिक्स हो जाएं इसको ब्लेंड कर दें। अब एक पैन लेकर उसमें जैतून का तेल डालकर हरी मिर्च, टमाटर प्यूरी को भूनें। इसके बाद पेन में पानी डालकर 5-10 मिनट के लिए पकने दें। इसमें ताजा क्रीम और तले हुए कोफ्ते अच्छी तरह से मिश्रित करें। मलाई कोफ्ता तैयार होने के बाद इसको धनिया के साथ गार्निश करें।

मिनी अनियन समोसा

सामग्री

आटे के लिए: 1/2 कप मैदा, 1 स्पून तेल, नमक स्वादअनुसार, **भरवां मिश्रण के लिए:** 1 कप प्याज, 2 किलो तेल, 1/2 स्पून ज़ीरा, नमक स्वादअनुसार, 1 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 स्पून गरम मसाला, 1/2 स्पून अमचुर, 1/4 स्पून हल्दी पाउडर, 2 स्पून कटा हुआ हरा धनिया, 1 स्पून बेसन, **अन्य सामग्री:** तलने के लिए तेल , परोसने के लिए: टमैटो कैचप, हरी चटनी

विधि

आटे के लिए: सभी सामग्री को एक गहरे बाउल मे डालकर ज़रुरत मात्रा में पानी का प्रयोग कर सख्त आटा गूंथ लें। एक तरफ रख दें। **भरवां मिश्रण के लिए:** एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और जीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, प्याज और नमक डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भून लें। आंच से हठाकर, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला, अमचुर, हल्दी पाउडर, धनिया और बेसन डालकर अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। आटे को नरम होने तक गूथ लें और 20 भाग में बांट लें। आटे के एक भाग को 75 मिमी। अंडाकार में बेल लें। गोले को चाकू से 2 भाग में तिरछा काट लें। एक भाग को निकालकर कोन के आकार में मोड़कर पानी से चिपका लें। कोन को 1 टी-स्पून भरवां मिश्रण से भरे और किनारों पर थोड़ा पानी लगाकर चिपका लें। बचे हुए आटे और भरवां मिश्रण का प्रयोग कर 19 और मिनी समोसे बना लें। एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई मे तेल गरम करें, समोसे डालकर, मध्यम आंच पर उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल ले। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें। टमैटो कैचप और हरी चटनी के साथ तुरंत परोसें।

संपादकीय

टैरिफ ने छीनी हीरे की चमक

भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी अमेरिकी टैरिफ बुधवार को लागू हो गया। इसी के साथ भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त टैरिफ बढ़कर 50 फीसद हो गया। माना जा रहा है 48 अरब डॉलर से ज्यादा का अमेरिका को दिए जाने वाला भारतीय निर्यात इससे प्रभावित होगा। भारत के वस्त्र, परिधान, रत्न आभूषण, झींगा, चमड़ा, टेक्सटाइल इत्यादि बहुत से उद्योगों पर सीधा असर पड़ेगा। मैंने वुछ दिन पहले हरियाणा के उद्योगों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का वर्णन किया था। आज मैं गुजरात के सूरत हीरा उद्योग के बारे में बताने का प्रयास करूंगा। सूरत दुनिया में हीरा की कटिंग और पालिशिंग के लिए जाना जाता है। लेकिन अब इस उद्योग पर निर्भर रहने वाले लोग मुश्किल में हैं। 50 फीसदी टैरिफ ने इस क्षेत्र के व्यापारियों के साथ-साथ मजदूरों को भी चिंता में डाल दिया है। हीरा उद्योग से जुड़े 25 लाख से ज्यादा कामगार इससे प्रभावित हो सकते हैं। 50 फीसदी टैरिफ लगाने का असर सबसे ज्यादा इस क्षेत्र पर पड़ रहा है क्योंकि सूरत का हीरा उद्योग अमेरिका के किए जाने वाले निर्यांत पर ज्यादा निर्भर है। वुछ लोगों का मानना है कि अगर टैरिफ कम नहीं किया गया

भारत के वस्त्र, परिधान, रत्न आभूषण, झींगा, चमड़ा, टेक्सटाइल इत्यादि बहुत से उद्योगों पर सीधा असर पड़ेगा। मैंने वुछ दिन पहले हरियाणा के उद्योगों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का वर्णन किया था। आज मैं गुजरात के सूरत हीरा उद्योग के बारे में बताने का प्रयास करूंगा। सूरत दुनिया में हीरा की कटिंग और पालिशिंग के लिए जाना जाता है। लेकिन अब इस उद्योग पर निर्भर रहने वाले लोग मुश्किल में हैं। 50 फीसदी टैरिफ ने इस क्षेत्र के व्यापारियों के साथ-साथ मजदूरों को भी चिंता में डाल दिया है। हीरा उद्योग से जुड़े 25 लाख से ज्यादा कामगार इससे प्रभावित हो सकते हैं। 50 फीसदी टैरिफ लगाने का असर सबसे ज्यादा इस क्षेत्र पर पड़ रहा है क्योंकि सूरत का हीरा उद्योग अमेरिका के किए जाने वाले निर्यांत पर ज्यादा निर्भर है। वुछ लोगों का मानना है कि अगर टैरिफ कम नहीं किया गया तो कईं व्यापारी हीरा उद्योग से बाहर हो जाएंगे। कईं लोगों की नौकरियां चली जाएंगी और भयंकर मंदी आ जाएगी। हालांकि दूसरी ओर हीरा उद्योग से जुड़े संगठन जैसे सूरत डायमंड एसोसिएशन और साउथ गुजरात चेंबर ऑफ कॉमर्स का मानना है कि अमेरिकी टैरिफ से वुछ मंदी आएगी लेकिन समय के साथ स्थिति स्थिर हो जाएगी क्योंकि भारत को हीरा उद्योग की जितनी जरूरत है, अमेरिका में भी हीरों की उतनी ही मांग है। इसलिए वहां के लोग, व्यापारी भी इस समस्या का समाधान चाहते हैं।

तो कईं व्यापारी हीरा उद्योग से बाहर हो जाएंगे। कईं लोगों की नौकरियां चली जाएंगी और भयंकर मंदी आ जाएगी। हालांकि दूसरी ओर हीरा उद्योग से जुड़े संगठन जैसे सूरत डायमंड एसोसिएशन और साउथ गुजरात चेंबर ऑफ कॉमर्स का मानना है कि अमेरिकी टैरिफ से वुछ मंदी आएगी लेकिन समय के साथ स्थिति स्थिर हो जाएगी क्योंकि भारत को हीरा उद्योग की जितनी जरूरत है, अमेरिका में भी हीरों की उतनी ही मांग है। इसलिए वहां के लोग, व्यापारी भी इस समस्या का समाधान चाहते हैं। सूरत की कईं छोटी पैक्ट्रियों में 20 से 200 श्रमिक तक काम करते हैं। राज्यों में तो यह संख्या 500 तक होती है और सूरत में ऐसी हजारों पैक्ट्रियां हैं। हाल ही में कईं लोगों को नौकरी से निकाल दिया गया है। सूरत में कईं छोटी-बड़ी पैक्ट्रियों का यह हाल है कि 20 साल पहले शैलेश मंगुकिया ने सिर्प एक पॉलिशिंग व्हील (चक्की) से हीरा पालिश करने की एक यूनिट शुरू की थी जो अब इतनी बड़ी हो गईं कि यहां कामगारों की संख्या 3 से बढ़कर 300 हो गईं, हालांकि अब इस पैक्ट्री में सिर्प 70 लोग ही बचे हैं। वे कहते हैं कि सारे आर्डर वैंसल कर दिए गए है। मजदूरों को कहना पड़ रहा है कि काम नहीं है। आर्डर नहीं होने की वजह से काम नहीं है और काम न होने की वजह से सैलरी देने के पैसे नहीं हैं। पिछले साल अगस्त में उनकी पैक्ट्री में हर महीने औसतन 2000 हीरों की प्रोसेसिंग हो रही थी। लेकिन इस साल घटकर मात्र 300 रह गईं है। श्रमिक सुरेश राठौर ने कहा, आमतौर पर हमें जन्माष्टमी के दौरान सिर्प 2 दिन की छुट्टी मिलती थी, इस बार हमें 10 दिन की बिना वेतन छुट्टी दी गईं। हम ऐसे वैसे रह सकते हैं? सुरेश राठौर जैसे कईं कारीगर हैं, जो इस तरह प्रभावित हो रहे हैं। सूरत डायमंड पालिशर्स यूनियन के भावेश टांक कहते हैं कि हमारे पास इस समय बहुत से जौहरी शिकायत लेकर आ रहे हैं कि उनका वेतन कम कर दिया गया या उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। हजारों मजदूरों की आमदनी कम हो रही है। उद्योग जगत के नेताओं ने एक स्पेशल डायमंड टास्क फोर्स बनाईं है। जो इस स्थिति का समाधान निकालने की कोशिश करेगी। दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष निखिल मद्रासी ने इस बारे में बीबीसी से कहा, अमेरिकी बाजार पर भारी निर्भरता के कारण लंबे समय में बड़ा झटका लगेगा। पुराने आर्डर पूरे हो गए हैं, लेकिन नए आर्डर का भविष्य अस्पष्ट है। सरकार को तुरंत मदद करनी होगी। उन्होंने कहा कि कईं व्यापारी मध्य पूर्व और यूरोप जैसे बाजारों में अवसर तलाश रहे हैं और वुछ तो बाईंपास मार्गो के जरिए अमेरिका तक माल पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि उनके अनुसार अब अलग- अलग यूरोपीय देशों में नए बाजारों की तलाश करने की जरूरत है। सवाल यह है कि सूरत के हीरा उद्योग को वैसे बचाया जा सकता है? इस उद्योग जगत के वुछ लोगों का कहना है कि आने वाले दिनों में स्थिति और खराब हो सकती है। जेम एंड ज्वैलरी एक्सपर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईंपीसी) के गुजरात अध्यक्ष जयंति भाईं सावलिया का मानना है कि अब समय आ गया है कि अमेरिका पर निर्भरता कम की जाए और अन्य बाजारों की ओर देखा जाए। उन्होंने कहा, अगर आर्डर नहीं मिले तो निश्चित रूप से श्रमिकों के वेतन और रोजगार पर असर पड़ेगा। असली मार आने वाले महीनों में दिखेगी। वे आगे कहते हैं कि वर्तमान में अमेरिका को होने वाला वुल निर्यांत लगभग 12 अरब डॉलर का है, अगर हम इसका आधा व्यापार भी अन्य देशों में कर सकें, तो सूरत का हीरा उद्योग बच सकता है। उस सूरत में भारत के हीरे की चमक टैरिफ से पड़ने वाले असर को कम कर देगी।

कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों ने समय-समय पर संघ और उसके विचारों पर गंभीर राजनीतिक प्रश्न उठाए

भागवत की अमेरिका यात्रा: भारतीय चिंतन की सार्थक प्रस्तुति

न्यूयार्क में 29 अगस्त को आयोजित 'एक विश्व, एक मानवता' कार्यक्रम में उनका संबोधन ऐसे समय हुआ, जब संघ को लेकर भारत ही नहीं, विदेशों में भी अनेक धारणाएं, आरोप और पूर्वाग्रह सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बने हुए हैं। ऐसे वातावरण में भागवत ने जिस प्रकार विविधता, संवाद, सेवा, सह-अस्तित्व और मानवीय एकात्मता को केंद्र में रखा, उसने संघ की विचारधारा को उसके समर्थकों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक समाज के सामने भी एक अलग दृष्टि से प्रस्तुत किया। यह यात्रा इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि संघ अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है और उसके विचार अब भारत की सीमाओं से बाहर भी व्यापक चर्चा का विषय बन रहे हैं। भागवत का अमेरिका जाना वस्तुत: संघ के विचार को प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से समझाने का अवसर बना। संघ के बारे में भारत में लंबे समय से दो विपरीत धारणाएं दिखाई देती रही हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की अगस्त 2026 की अमेरिका यात्रा को केवल प्रवासी भारतीयों के एक कार्यक्रम तक सीमित करके देखना उसके व्यापक अर्थ को छोटा करना होगा। न्यूयार्क में 29 अगस्त को आयोजित 'एक विश्व, एक मानवता' कार्यक्रम में उनका संबोधन ऐसे समय हुआ, जब संघ को लेकर भारत ही नहीं, विदेशों में भी अनेक धारणाएं, आरोप और पूर्वाग्रह सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बने हुए हैं। ऐसे वातावरण में भागवत ने जिस प्रकार विविधता, संवाद, सेवा, सह-अस्तित्व और मानवीय एकात्मता को केंद्र में रखा, उसने संघ की विचारधारा को उसके समर्थकों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक समाज के सामने भी एक अलग दृष्टि से प्रस्तुत किया। यह यात्रा इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि संघ अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है और उसके विचार अब भारत की सीमाओं से बाहर भी व्यापक चर्चा का विषय बन रहे हैं। भागवत का अमेरिका जाना वस्तुतः संघ के विचार को प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से समझाने का अवसर बना। संघ के बारे में भारत में लंबे समय से दो विपरीत धारणाएं दिखाई देती रही हैं। एक पक्ष उसे भारतीय संस्कृति, राष्ट्रभावना, सेवा और सामाजिक संगठन की विराट शक्ति मानता है, जबकि दूसरा पक्ष उसके विचारों को संकीर्ण धार्मिक राजनीति से जोड़कर देखता है। कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों ने समय-समय पर संघ और उसके विचारों पर गंभीर राजनीतिक प्रश्न उठाए हैं। अमेरिका में भी कार्यक्रम से पहले कुछ संगठनों और राजनीतिक व्यक्तियों ने भागवत की यात्रा और संघ की विचारधारा पर आपत्तियां व्यक्त कीं। ऐसे माहौल में किसी संस्था की वास्तविक छवि केवल आरोप-प्रत्यारोप से नहीं बनती, वह संवाद से बनती है। यही इस यात्रा का सबसे बड़ा महत्व है। भागवत ने अपने विचार विरोधियों पर आक्रमण करके नहीं, बल्कि भारतीय चिंतन की व्याख्या करके सामने रखे। इससे संघ को लेकर बनी धारणाओं पर बहस का एक नया आधार तैयार हुआ। न्यूयार्क में भागवत के वक्तव्य का सबसे अधिक चर्चित पक्ष उनका हिंदू-मुस्लिम संबंधों पर स्पष्ट कथन रहा। उन्होंने कहा कि यदि कोई हिंदू यह मानता है कि भारत में मुसलमानों के लिए स्थान नहीं होना चाहिए, तो वह हिंदू

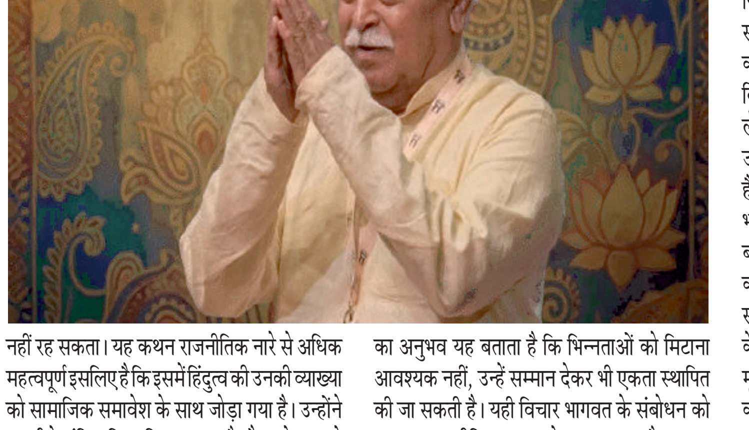

नहीं रह सकता। यह कथन राजनीतिक नारे से अधिक महत्वपूर्ण इसलिए है कि इसमें हिंदुत्व की उनकी व्याख्या को सामाजिक समावेश के साथ जोड़ा गया है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सत्य एक है और उसे समझने तथा व्यक्त करने के मार्ग अलग-अलग हो सकते हैं। भारतीय परंपरा की यही विशेषता है कि वह मतभिन्नता को अस्तित्व के संकट के रूप में नहीं, बल्कि सत्य की विविध अभिव्यक्तियों के रूप में देखने की क्षमता रखती है। यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न सामने आता है-यदि हिंदुत्व का अर्थ भारत की सांस्कृतिक चेतना है, तो क्या वह किसी समुदाय को भारत से बाहर कर सकता है? भागवत का उत्तर स्पष्ट रूप से नकारात्मक दिखाई देता है। उनका कथन हिंदुत्व की उस व्याख्या को सामने रखता है, जिसमें भारतीयता किसी एक पूजा-पद्धति की बपौती नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक विरासत है। भागवत ने अमेरिका में भारत की विविधता को उसकी कमजोरी नहीं, शक्ति बताया। उनके अनुसार विविधता और एकता भारत के स्वभाव में ही अंतर्निहित हैं। भारत में भाषा, जाति, पंथ, पूजा-पद्धति और परंपराओं की असंख्य धाराएं हैं, फिर भी इन्हें एक साझा सभ्यतागत चेतना जोड़ती रही है। यह संदेश आज के विश्व के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। अनेक देशों में धार्मिक पहचान, नस्लीय भेद, सांस्कृतिक असहमति और राजनीतिक ध्रुवीकरण सामाजिक तनाव बढ़ा रहे हैं। ऐसे समय भारत का अनुभव यह बताता है कि भिन्नताओं को मिटाना आवश्यक नहीं, उन्हें सम्मान देकर भी एकता स्थापित की जा सकती है। यही विचार भागवत के संबोधन को सामान्य राजनीतिक भाषण से ऊपर उठाता है। उनका आग्रह था कि विविधता को स्वीकार ही नहीं, सम्मान और संरक्षण भी मिलना चाहिए। संघ की सार्वजनिक छवि का एक बड़ा हिस्सा राजनीतिक विमर्श से निर्मित हुआ है, जबकि संघ स्वयं को सामाजिक संगठन और सेवा-आधारित सांस्कृतिक आंदोलन के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। भागवत ने अमेरिका में भी सेवा, सामाजिक समरसता और संवाद को परिवर्तन का आधार बताया। यही वह बिंदु है जहां संघ की छवि को केवल चुनावी राजनीति के चश्मे से देखने की सीमा सामने आती है। किसी संगठन को समझने के लिए उसके राजनीतिक प्रभाव के साथ उसकी सामाजिक गतिविधियों, सेवा-कार्य, संगठनात्मक संस्कृति और वैचारिक आधार को भी देखना आवश्यक है। भागवत की यात्रा ने कम से कम इतना अवसर अवश्य दिया कि संघ को उसके अपने शब्दों और उसके सरसंघचालक की प्रत्यक्ष व्याख्या के आधार पर सुना जाए। अमेरिका में बसे भारतीयों से भागवत ने एक संतुलित संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिस देश में वे रह रहे हैं, वह उनकी कर्मभूमि है और वहां के प्रति उनकी निष्ठा तथा दायित्व सर्वोपरि हैं। साथ ही भारत उनकी जन्मभूमि है, जिससे उन्हें मानवीय मूल्यों और सांस्कृतिक संस्कारों की विरासत मिली है। यह दृष्टि प्रवासी भारतीयों के सामने पहचान के संघर्ष के बजाय पहचान के समन्वय का मार्ग रखती है। अपनी जड़ों से जुड़े रहना और जिस समाज में रह रहे हैं उसके प्रति पूर्ण निष्ठा रखना-दोनों एक साथ संभव हैं। यही भारतीय संस्कृति की उदारता है। यह भी तथ्य है कि भागवत के कार्यक्रम का अमेरिका में विरोध हुआ और संघ की विचारधारा को लेकर तीखी आलोचनाएं सामने आईं। लेकिन लोकतांत्रिक समाज में किसी विचार का उत्तर उसे दबाकर नहीं, उसके साथ संवाद करके दिया जाता है। इस दृष्टि से यह यात्रा संघ के लिए भी एक परीक्षा थी। भागवत ने विरोध का उत्तर आक्रामक भाषा में देने के बजाय एकात्मता, मानवता और सह-अस्तित्व की बात की। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है। आलोचक उनके शब्दों और संघ के व्यवहार के बीच अंतर का प्रश्न उठा रहे हैं, समर्थक इसे संघ के मूल विचारों की स्पष्ट अभिव्यक्ति मान रहे हैं। इस बहस का अंतिम निर्णय समय और व्यवहार करेगा, लेकिन इतना निश्चित है कि बहस अब अधिक प्रत्यक्ष और वैश्विक हो गई है। मोहन भागवत की अमेरिका यात्रा को संघ की छवि पर वर्षों से चले आ रहे विवाद का अंतिम उत्तर मानना अतिशयोक्ति होगी। किंतु इसे एक महत्वपूर्ण मोड़ अवश्य कहा जा सकता है। जिन लोगों ने संघ को केवल राजनीतिक आरोपों और विरोधी व्याख्याओं के माध्यम से जाना है, उन्हें पहली बार इतने बड़े वैश्विक मंच पर उसके शीर्ष नेतृत्व की विचार-दृष्टि को सीधे सुनने का अवसर मिला। यह यात्रा संघ के लिए एक उजाला इसलिए बनी है कि इसमें प्रतिरक्षा की भाषा कम और आत्मविश्वास की भाषा अधिक दिखाई दी। इसमें यह कहने का प्रयास था कि भारतीयता किसी के निषेध से नहीं, सबके सम्मान से मजबूत होती है, हिंदुत्व किसी समुदाय के बहिष्कार से नहीं, मानवता की एकात्म दृष्टि से सार्थक होता है और भारत की शक्ति उसकी समानता में नहीं, उसकी विविधताओं के बीच बनी रहने वाली सांस्कृतिक एकता में है। आज विश्व को केवल आर्थिक शक्ति, सैन्य शक्ति और तकनीकी प्रगति की आवश्यकता नहीं है। उसे ऐसा जीवन-दर्शन भी चाहिए जो मनुष्य को मनुष्य से जोड़ सके।

देश दुनिया से

पंजाब में चुनावी वादों के बीच भरोसा तलाशते

पिछले सप्ताहांत से पंजाब में सिर्फ़ मौसम ही नहीं बदल रहा है। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून, जो राज्य और देश के बाकी हिस्सों का पेट भरने वाली ज़मीन को सींचता है, हर साल की तरह समाप्ति पर है। इसके साथ ही हिंदू कैलेंडर का 'सावन' माह भी बीत गया। इसलिए, कल रात जब 'सावन' की आखिरी पूर्णिमा-यानी 'रक्खड़ पुन्या' या रक्षाबंधन-पर पूरा चांद निकला, तो उसकी चांदी सी चमक में आने वाले मौसम का राज़ भी छिपा था : कुछ ही महीनों बाद, सर्दियों में होने वाले विधानसभा चुनावों में पंजाब का ताज़ किसके सिर सजेगा? ऐतिहासिक बाबा बकाला गुरुद्वारे में-जहां 1664 में नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर की पहचान उजागर हुई थी- 'रक्खड़ पुन्या' के मौके पर चुनावी सरगर्मी शुरू हो गई। इस दिन पारंपरिक रूप से होने वाली रैलियों में सभी सियासी दलों ने ताकत दिखाई। पहली बार बीजेपी ने भी रैली की, जिससे संकेत मिला कि वह पंजाब में फिर वापसी करना चाहती है– चाहे अपने पुराने सहयोगी शिरोमणि अकाली दल से मिलकर या अकेले। चुनाव में छह महीने बचे हैं और 'इंडिया टुडे' ग्रुप के 'मूड ऑफ़ द नेशन' पोल ने उल्टी गिनती को और तेज़ कर दिया है। इस पोल से पता चलता है कि बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए राष्ट्रीय वोट शेयर में 45.1 फीसदी के साथ काफी आगे है, जबकि इंडिया गठबंधन का वोट शेयर 39.1 प्रतिशत है-ज़ाहिर है, यहां प्रधानमंत्री मोदी को कोई चुनौती नहीं है। लेकिन बारीकी से राजनीति पर नज़र रखने वाले लोग देखेंगे कि एनडीए का वोट शेयर इस जनवरी में अनुमानित 47 प्रतिशत से 2 फीसदी कम हो गया है और यह एक साल पहले रहे 46.7 प्रतिशत से भी कम है। तो

अगले साल की शुरुआत में पंजाब के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड में होने वाले चुनावों के लिए इसका क्या मतलब है? निश्चित रूप से, बीजेपी 2024 के लोकसभा चुनावों से चली आ रही अपनी जीत की लय को बनाए रखने के लिए पूरी तरह तैयार है - तब से उसने कई राज्यों में शानदार जीत हासिल की है, चाहे वह हरियाणा हो, महाराष्ट्र, दिल्ली, बिहार हो या पश्चिम बंगाल। अब बीजेपी पंजाब जीतना चाहती है। उसे मालूम है कि वह उत्तर प्रदेश जीत सकती है, भले ही राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना हो; मणिपुर में भी जीत सकती है, भले ही वहां तीन साल से जातीय संघर्ष चल रहा है व अभी तक सुलझा नहीं; गोवा में भी, जहां वह लगातार तीन बार जीत चुकी। बंगाल जीतने के बाद, अब बीजेपी की महत्वाकांक्षा देश के दूसरे छोर तक फैल गई। इसीलिए कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान लोगों से अपील करने बाबा बकाला गए और कहा, हमें वोट दें, हम आपकी समस्याएं हल करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी से लेकर कई लोग पंजाब को कुछ समय से यही संदेश दे रहे हैं। हम आपका कर्ज़ माफ़ करेंगे, सीमा पार से ड्रोन के ज़रिए आने वाले नशों को रोकेंगे, खेती को बेहतर बनाएंगे, स्कूल ठीक करेंगे, सड़कें बनाएंगे और हरियाणा व राजस्थान के साथ पानी के बंटवारे का मुद्दा सुलझाएंगे। अनकहा संदेश? बीजेपी को वोट दें। बेशक, पंजाब में कुछ खास बात है। यहां के लोग असाधारण दरियादिली दिखाते हैं- जैसे दिल्ली में सीजेपी प्रदर्शनकारियों की मदद के लिए गुरुद्वारों का खुलना और हाल के हफ़्तों में असम में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए पंजाबियों का जाना- ऐसी दरियादिली देश के किसी दूसरे राज्य में नहीं दिखती। इसकी सीमा एक मुश्किल पड़ोसी से लगती है, लेकिन यह समझ नहीं आता कि बीजेपी करतारपुर साहिब कॉरिडोर को फिर से क्यों नहीं खोल रही। बंगाल के उलट - आज़ादी के बाद उसका रिश्ता भी आजादी के बाद के 80 सालों में ज़्यादातर समय दिल्ली के साथ कांटे का रहा है, सिवाय पिछले कुछ महीनों के- पंजाब को दो बार बांटा गया- हिमाचल प्रदेश और हरियाणा के रूप में - और आतंकवाद, उद्योगों के पलायन और हरित क्रांति के विपरीत प्रभाव ने इसकी अपनी छवि को और कमज़ोर किया है। पंजाबियों का एक शब्द है, जिसे वे कई स्थितियों के लिए काफी इस्तेमाल करते हैं, लेकिन यह उनके वजूद की सबसे गहरी भावना से जुड़ा है - वह शब्द है 'धक्का', मतलब- 'मुझसे ज़बरदस्ती मत करो'। मसलन, 'मेरे तों धक्के नाल कम ना कराओ। यानी, मुझे मेरी मर्ज़ी के ख़िलाफ़ कुछ करने के लिए मजबूर न करें'। यह एक ऐसा वाक्यांश है जिसे पंजाब को जीतने की चाह रखने वाले हर राजनीतिक दल को याद रखना चाहिए और अपने अंदरूनी दस्तावेज़ों में इसे एक नारे के तौर पर इस्तेमाल करना चाहिए। इस कहानी का बिना मांगा सबक यह है कि पंजाब के 2.1 करोड़ वोटरों को - जो अब 1.9 करोड़ रह गए हैं, क्योंकि गहन मतदाता पुनरीक्षण की छलनी से गुज़रने के बाद लगभग 20 लाख वोटर छंट चुके हैं - धर्म (सिख, हिंदू), जाति (जाट, खत्री, रविदासिया, रामदासिया, वाल्मीकि आदि), डेरों (राधा स्वामी, सचखंड बल्लां, सच्चा सौदा आदि), धर्मगुरुओं (संत निरंजन दास, राम रहीम) के आधार पर बांटकर आप मान लें कि इनके वोटों को इकट्ठा कर सकेंगे। जिस राज्य को आप जीतना चाहते हैं, उसे बदनाम न करें, यह कहकर कि स्कूलों की हालत खराब हैं, कॉलेज का हाल और भी बुरा है, बुड्ढा दरिया एक गंदा नाला भर है, उद्योग बेपरवाह होकर दूषित पानी इसमें डाल रहे, गुंडागर्दी और नशे का बोलबाला है- भले ही इनमें से अधिकांश सच हों। अगर आप राज्य जीतना चाहते हैं, तो उसे बेहतर बनाने में मदद करें। स्पष्टतः राज्य को आपकी मदद की ज़रूरत है।

आप का नज़रिया

सोलन को मिला ताज

राष्ट्रीय आर्थिक सर्वेक्षण में हिमाचल के जिला सोलन का देश के टॉप पांच जिलों में शरीक होना एक उपलब्धि है और यह संकेत भी कि प्रदेश की आर्थिकी कैसे आगे बढ़ सकती है। चंडीगढ़ से समीपता के कारण सोलन जिला ने बहुआयामी तरक्की की है, खास तौर पर बीबीएन क्षेत्र का औद्योगिक विकास उल्लेखनीय तरक्की का कारण बना है। सोलन कैश क्रॉप के अलावा पर्यटन और खास तौर पर हाई वे टूरिज्म में अव्वल साबित हुआ है। जाहिर तौर पर शिक्षा के हब बनते सोलन ने मानव संसाधन विकास में श्रेष्ठता व दक्षता हासिल की है, जबकि स्वरोजगार व व्यापार की दृष्टि में जिला ने शहरी विकास का महत्त्व रेखांकित किया है। जिला में प्रति व्यक्ति आय 8.10 लाख रुपए आंकी गई है जो राष्ट्रीय औसत से कहीं आगे है। आर्थिक कत्तव्य पथ पर खड़े सोलन ने अपनी उपलब्धियों से पूरे प्रदेश को भी सींचा है, क्योंकि रोजगार के लिहाज से बीबीएन में करीब चार लाख लोगों को अवसर मिल रहे हैं। ऐसे में जबकि सोलन जिला के माध्यम से हिमाचल के आर्थिक संबोधन तय हो रहे हैं, यह जरूरी है कि हम विकास के इस पथ को और चौड़ा करें। हम पहले भी कहते रहे हैं और अब पुनः दोहरा देते हैं कि बीबीएन को प्रदेश की आर्थिक राजधानी के रूप में दर्जा व महत्त्व मिलना चाहिए। इसके लिए वित्तीय संस्थाओं के मुख्यालय यहां शिफ्ट होने चाहिएं तथा औद्योगिक संगठन व कार्यालयों का संचालन भी यहीं से होना चाहिए। सोलन जिला ने आर्थिक मुकुट पहनकर प्रदेश के बाकी जिलों को भी तरक्की, विकास और आगे बढने का आगाज सौंपा है। प्रदेश के सीमांत क्षेत्रों पर औद्योगिक गलियारा विकसित किया जाए, तो बाकी जिला भी आर्थिक नक्शे पर खुशहाल होंगे। कभी पूर्व मुख्यमंत्री स्व. वाई एस परमार ने काला अंब, परवाणू, नालागढ़, मैहतपुर से संसारपुर टैरस तक एक औद्योगिक पट्टी विकसित की थी। आज इसकी रूपरेखा बढ़ाते हुए सारे सीमांत क्षेत्र को औद्योगिक गलियारा बना देना चाहिए। इसी तरह हिमाचल के मध्यम भाग में शिक्षा के हब, कृषि-बागबानी तथा ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पर्यटन को तवज्जो दें, तो आर्थिक ढांचा और सुदृढ़ होगा। प्रदेश की ग्रामीण आर्थिकी को संबल देने के लिए जैव खेती का प्रचलन कारगर साबित हुआ है, जबकि वर्तमान सुक्खू सरकार ने मक्की व हल्दी के समर्थन मूल्य बढ़ा कर किसान की आय को प्रोत्साहित किया। इसी तरह दुग्ध उत्पादन की खरीद दरें बढ़ा कर सरकार ने डेयरी क्षेत्र को आशाजनक बना दिया है। सारे हिमाचल को सोलन की तर्ज पर समृद्ध बनाने की चुनौती पर कनेक्टिविटी से काफी मदद मिलेगी। फोरलेन परियोजनाओं के अलावा कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार योजना से क्षेत्रीय आर्थिकी का विस्तार होगा। कांगड़ा को टूरिज्म कैपिटल बनाने के सारे उद्देश्य पूरे हो जाएं, तो निश्चित रूप से जिला में प्रति व्यक्ति आय का विस्तार होगा। प्रदेश में रोजगार के साधन बढ़ाने के हर प्रयास से प्रति व्यक्ति आय में विस्तार होगा। प्रदेश में उद्योगों के अलावा अगर आईटी पार्क, ट्रांसपोर्ट नगर तथा फिल्म सिटी जैसी परियोजनाओं पर काम करें तो निश्चित रूप से जीडीपी में बढ़ोतरी के साथ-साथ प्रति व्यक्ति आय व व्यय में भी वृद्धि होगी।

चंडीगढ़ से समीपता के कारण सोलन जिला ने बहुआयामी तरक्की की है, खास तौर पर बीबीएन क्षेत्र का औद्योगिक विकास उल्लेखनीय तरक्की का कारण बना है। सोलन कैश क्रॉप के अलावा पर्यटन और खास तौर पर हाई वे टूरिज्म में अव्वल साबित हुआ है। जाहिर तौर पर शिक्षा के हब बनते सोलन ने मानव संसाधन विकास में श्रेष्ठता व दक्षता हासिल की है, जबकि स्वरोजगार व व्यापार की दृष्टि में जिला ने शहरी विकास का महत्त्व रेखांकित किया है। जिला में प्रति व्यक्ति आय 8.10 लाख रुपए आंकी गई है जो राष्ट्रीय औसत से कहीं आगे है। आर्थिक कत्तव्य पथ पर खड़े सोलन ने अपनी उपलब्धियों से पूरे प्रदेश को भी सींचा है, क्योंकि रोजगार के लिहाज से बीबीएन में करीब चार लाख लोगों को अवसर मिल रहे हैं। ऐसे में जबकि सोलन जिला के माध्यम से हिमाचल के आर्थिक संबोधन तय हो रहे हैं, यह जरूरी है कि हम विकास के इस पथ को और चौड़ा करें। हम पहले भी कहते रहे हैं और अब पुन: दोहरा देते हैं कि बीबीएन को प्रदेश की आर्थिक राजधानी के रूप में दर्जा व महत्त्व मिलना चाहिए। इसके लिए वित्तीय संस्थाओं के मुख्यालय यहां शिफ्ट होने चाहिएं तथा औद्योगिक संगठन व कार्यालयों का संचालन भी यहीं से होना चाहिए। सोलन जिला ने आर्थिक मुकुट पहनकर प्रदेश के बाकी जिलों को भी तरक्की, विकास और आगे बढने का आगाज सौंपा है। प्रदेश के सीमांत क्षेत्रों पर औद्योगिक गलियारा विकसित किया जाए, तो बाकी जिला भी आर्थिक नक्शे पर खुशहाल होंगे। कभी पूर्व मुख्यमंत्री स्व. वाई एस परमार ने काला अंब, परवाणू, नालागढ़, मैहतपुर से संसारपुर टैरस तक एक औद्योगिक पट्टी विकसित की थी।

कुछ अलग

श्रीकृष्ण की लीलाओं में मनुष्यत्व का उजास

योगेश्वर, लीलाधर, सम्पूर्ण पुरुष, माखनचोर, चितचोर और... भगवान श्रीकृष्ण के भक्त उनके लिए ऐसे अनेक संबोधनों का प्रयोग करते हैं। दूसरी ओर, दार्शनिक चर्चाओं में इस बात को अलग से और खास तौर पर रेखांकित किया जाता है कि समाजवादी चिंतक डॉ. राममनोहर लोहिया ने अपने लब्धप्रतिष्ठ निबंध 'राम, कृष्ण और शिव' में उन्हें राम-कृष्ण के साथ भारत में पूर्णता के तीन महान स्वप्नों में से एक बताया है। साथ ही कहा है कि भले ही ये तीनों स्वप्न एक-दूसरे के विपरीत व अलग-अलग दिखते हैं, इनमें इस देश के रंग, सपने और उदासी एक साथ झलकते हैं। उन्होंने आगे लिखा है कि 'राम ने निरंतर देव बनने की तो कृष्ण ने लगातार मनुष्य बनने की कोशिशें कीं और 'सम्पूर्ण पुरुष' बने। भगवान होते हुए भी वे हर पल एक साधारण और जीवंत मनुष्य की तरह पेश आए। विकट से विकट परिस्थितियों में भी उनके चेहरे पर मुस्कान व आनंद बने रहे।

दृष्टि कोण

महंगाई नियंत्रण की कारगर रणनीति जरूरी

इन दिनों महंगाई पर प्रकाशित हो रही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में भारत में महंगाई बढने से आम आदमी के जीवन की मुश्किलें बढने संबंधी चिंताएं प्रस्तुत की जा रही हैं। हाल ही में 27 अगस्त को क्रेडिट रेटिंग एजेंसी एस एंड पी ग्लोबल ने मध्य पूर्व में जारी तनाव के कारण ऊंची ऊर्जा कीमतों और अल नीनो से प्रभावित कमजोर मानसून की चुनौतियों की वजह से चालू वित्त वर्ष 2026-27 में भारत में खुदरा महंगाई (सीपीआई) के बढक़र 5.1 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान जताया है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति सहित प्रमुख आर्थिक एजेंसियों ने भारत में खुदरा महंगाई बढने की चेतावनी दी है। एचडीएफसी बैंक ने सितंबर से खुदरा महंगाई दर लगातार 5 प्रतिशत से ऊपर रहने का अनुमान लगाया है। ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स व जेपी मॉर्गन ने खाद्य और कच्चे तेल की बढ़ती लागत के कारण महंगाई में और वृद्धि की चिंता जाहिर की है। एसबीआई इकोव्रैप रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जो खुदरा महंगाई अगस्त में 4.7 प्रतिशत अनुमानित है, वह अक्टूबर-नवंबर में 6 प्रतिशत के पार पहुंच सकती है। ऐसे में सरकार के द्वारा महंगाई नियंत्रण के और अधिक कारगर रणनीतिक कदम जरूरी दिखाई दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अगस्त 2026 में भारतीय बाजार में खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया है। मौसम की अनिश्चितता और फसल प्रभावित होने से चीनी के खुदरा भाव ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। सीमित आपूर्ति के कारण प्याज के दाम पिछले साल की तुलना में तेजी से बढ़े हैं। इसके अलावा सरसों तेल, रिफाइंड तेल और दालों के दाम

भी ऊंचे स्तर पर बने हुए हैं। त्योहारों के मौसम में मांग बढने, चारे की लागत और परिवहन खर्च में वृद्धि के कारण दूध, मिठाइयों, पैकबंद खाद्य पदार्थों और पैक्ड चाय की कीमतों में और बढ़ोतरी होने की आशंका जताई जा रही है। यह परिदृश्य स्पष्ट संकेत देता है कि कमजोर मानसून और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतें आने वाले महीनों में आम नागरिक के बजट पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती हैं। हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में जुलाई महीने में खुदरा महंगाई दर बढक़र 4.45 प्रतिशत हो गई है, जो जून में 4.38 प्रतिशत थी। यह आंकड़ा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 4 प्रतिशत के तय लक्ष्य से ऊपर बना हुआ है। महंगाई में इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतें हैं। निश्चित रूप से खाद्य वस्तुओं की बढ़ती महंगाई के कारण आम आदमी की थाली महंगी हो गई है। जीवन निर्वाह लागत बढ़ गई है। क्रिसिल की अगस्त 2026 की रिपोर्ट के अनुसार जुलाई 2026 में घर पर बनने वाली शाकाहारी थाली की औसत लागत सालाना आधार पर 4 प्रतिशत बढक़र 29.1 रुपए हो गई। यह पिछले 7 महीनों का उच्चतम स्तर है। वहीं, मांसाहारी थाली की कीमत 9 प्रतिशत बढक़र 58.3 रुपए पर पहुंच गई। थाली महंगी होने का मुख्य कारण प्याज, खाद्य तेल और रसोई गैस की दरों में वृद्धि है। इस परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद देश में महंगाई, आर्थिक स्थिति और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि से जुड़ी तस्वीर पेश करते हुए कहा कि वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल और कमजोर मानसून की चुनौतियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई का अनुमान 5.0 प्रतिशत कर दिया है। जहां खाद्य वस्तुओं के क्षेत्र में महंगाई में

यूएस ओपन : जोकोविच पहले दौर में बाहर, नावेने ने पांच सेट के रोमांचक मुकाबले में दी मात

न्यूयार्क

सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को यूएस ओपन 2026 के पहले ही दौर में बड़ा उलटफेर झेलना पड़ा। 48वीं रैंकिंग वाले अर्जेंटीना के मारियानो नावेने ने जोकोविच को 7-6(7/5), 5-7, 4-6, 6-2, 6-1 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

इस हार के साथ जोकोविच का रिकार्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब का इंतजार और लंबा हो गया। वह 2023 के बाद से इस ऐतिहासिक उपलब्धि को हासिल करने की कोशिश कर रहे थे।

यह 2006 के आस्ट्रेलियन ओपन के बाद पहला मौका है, जब जोकोविच किसी ग्रैंड स्लैम के पहले दौर में हारकर बाहर हुए हैं। उस समय उन्हें पाल गोल्डस्टीन ने हराया था। इसके बाद जोकोविच ने ग्रैंड स्लैम के पहले दौर में लगातार 78 मुकाबले जीते थे।

नावेने की करियर की सबसे बड़ी जीत - 25 वर्षीय नावेने के लिए यह जीत बेहद खास रही। यह ग्रैंड स्लैम में उनकी पहली जीत है किसी शीर्ष-10 खिलाड़ी के खिलाफ। उन्होंने चार घंटे 36 मिनट तक चले मुकाबले में जोकोविच को शारीरिक रूप से परेशान किया और निर्णायक सेट में पूरी तरह दबदबा बनाया।

जोकोविच मैच के दौरान असहज नजर आए। उन्हें कोर्ट पर उल्टी करते देखा गया और बाद में वह ऐंठन से भी जूझते रहे। चौथे सेट में उन्होंने नावेने की सर्विस तोड़कर 2-1 की बढ़त बनाई, लेकिन अर्जेंटीना के खिलाड़ी ने लगातार पांच गेम जीतकर सेट अपने नाम किया और मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया। अंतिम सेट से पहले जोकोविच ने पीठ के उपचार के लिए मेडिकल टाइमआउट भी लिया, लेकिन इससे उनकी परेशानी दूर नहीं हुई। अंततः नावेने ने निर्णायक सेट 6-1 से जीतकर बड़ा उलटफेर कर दिया। हार के बाद जोकोविच ने कहा, मैंने इसका आनंद नहीं लिया। कोर्ट पर मेरे लिए यह कितना खराब अहसास था, यह साफ दिखाई दे रहा था। उन्होंने कहा कि उल्टी और शरीर में ऐंठन की समस्या उन्हें इस साल लगभग हर मैच में परेशान कर रही है। जोकोविच ने कहा कि अंत में उनकी पीठ और कंधे ने भी जवाब दे दिया और वह मुकाबला खत्म नहीं कर सके।

वहीं, जोकोविच को अपना आदर्श मानने वाले नावेने ने कहा, इस कोर्ट पर महानतम खिलाड़ी के खिलाफ खेलना मेरे लिए बहुत मुश्किल था। निश्चित तौर पर यह कोर्ट पर मेरा अब तक का सबसे शानदार अनुभव है। यह सबसे बड़ा मंच है। पांच सेट तक खेलकर जीतना शानदार है। मैं बहुत खुश हूं।

न्यूज़ ब्रीफ

मंधाना महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी खिलाड़ी बनी, सूजी बेट्स तीसरे नंबर पर खिसकी

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एशिया कप के पहले ही मैच में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। मंधाना पहले मैच में थाईलैंड के खिलाफ 19 रन ही बना पायीं पर इसी दौरान वह अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गयीं। मंधाना ने इसी के साथ ही न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स को पीछे छोड़ दिया। उन्हें यहां तक पहुंचने के लिए केवल 4 रनों की जरुरत थी। अब उनके नाम अंतरराष्ट्रीय करियर में कुल 10,756 रन दर्ज हो गए हैं। इस रिकार्ड के साथ ही मंधाना अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड की दिग्गज खिलाड़ी सूजी बेट्स 10,740 रनों के साथ दूसरे स्थान पर थीं। दिलचस्प बात यह है कि इस सूची के शीर्ष दो स्थान अब भारतीय खिलाड़ियों के नाम हैं। सबसे ज्यादा रनों का रिकार्ड भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज के नाम है, जिन्होंने अपने करियर में 10,868 रन बनाए थे। स्मृति मंधाना को मिताली का रिकार्ड तोड़ने और नंबर एक पर पहुंचने के लिए अब केवल 113 रनों की और जरुरत है। अंतर्राष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाली शीर्ष पाँच बल्लेबाज इस प्रकार हैं: 10,868 रन के साथ मिताली राज (भारत), 10,756 रन के साथ स्मृति मंधाना (भारत), 10,740 रन के साथ सूजी बेट्स (न्यूजीलैंड), 10,273 रन के साथ शार्लेट एडवर्ड्स (इंग्लैंड) और 10,007 रन के साथ स्टेफनी टेलर (वेस्टइंडीज)।

आईपीएल से इम्पैक्ट प्लेयर नियम हटाने पर विचार कर रहा बीसीसीआई, सभी फ्रैंचाइजी टीमों से मांगी सलाह

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इम्पैक्ट प्येयर नियम लागू किये जाने के बाद से ही विवादों में रहा है। इस नियम का कड़ा विरोध भी होता रहा है, कई दिग्गज क्रिकेटरों ने समय-समय पर इस नियम को हटाने की मांग की है। वहीं अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी इस नियम पर पुनर्विचार करने का फैसला करते हुए सभी 10 फ्रेंचाइजी से इस संबंध में अपनी राय मांगी है। प्राप्त जानकारी के अनुसा सभी टीमों को इस बारे में अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी। इस नियम को पहली बार साल 2023 में लागू किया गया था और तभी से ये आलोचकों के निशाने रहा है। बीसीसीआई का यह नया कदम बताता है कि बोर्ड अब इस नियम को लेकर एक बड़ा और निर्णायक फैसला ले सकता है। इसको हटाने की मांग करने वालों का तर्क है कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम से खेल का संतुलन बिगड़ गया है। इससे आलराउंडरों के अवसर कम होते हैं। इसे अक्सर गेंदबाज-विरोधी नियम करार दिया जाता है। पिछले आईपीएल सीज़न (2024) में इस नियम की वजह से 200 से अधिक के स्कोर पहले से कहीं ज्यादा बार देखने को मिले, जिसने बल्लेबाजों का दबदबा और बढ़ा दिया।

डब्लयूटीसी अंत तालिका में सबसे निचले स्थान पर खिसकी पाकिस्तान टीम

लार्ड्स। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे किकेट टेस्ट मैच में भी करारी हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम अब विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर पहुंच गयी है। इंग्लैंड दौरे पर मिली लगातार दो हार के बाद अब पाक टीम के केवल 16 अंक ही बचे रह गये हैं। उसे पिछल आठ मैचों में से छह में हार मिली है। इससे उसका जीत प्रतिशत (पीसीटी) अब केवल 16.67 फीसदी रह गया है। यह आंकड़ा उसके खराब फार्म और डब्ल्यूसी में लगातार गिरावट को दिखा रहा है। गौरतलब है कि एक ओर जहां पाक टीम लगातार हार रही है। वहीं दूसरी ओर डल्यूटीसी अंक तालिका में आस्ट्रेलियाई टीम शीर्ष पर बनी हुई है। आस्ट्रेलिया ने 10 टेस्ट मैचों में से 8 में जीत हासिल की है। इससे उसके 96 अंक और 80 पीसीटी है। इस प्रकार वह अन्य सभी टीमों से काफी आगे है। आस्ट्रेलिया के बाद साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश की टीमें तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। वहीं भारतीय टीम अभी पांचवें स्थान पर बनी हुई है।

डीपीएल 2026 : साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज बनी चैंपियन, फाइनल में सेंट्रल किंग्स को सात विकेट से हराया

नई दिल्ली

साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए सेंट्रल दिल्ली किंग्स को सात विकेट से हराकर दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए रोमांचक फाइनल में साउथ दिल्ली ने 183 रन के लक्ष्य को महज 18.2 ओवर में तीन विकेट खोकर 186 रन बनाकर हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए अनमोल शर्मा ने 42 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 64 रन बनाकर जीत की मजबूत नींव रखी। उनका साथ अंकित डबास ने शानदार अंदाज में दिया। डबास ने सिर्फ 33 गेंदों पर पांच चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 61 रन की तूफानी पारी खेली।

कप्तान तेजस्वी दहिया ने भी अहम योगदान दिया। उन्होंने 18 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 33 रन बनाए। इसके बाद एकांश डोभाल ने तीन गेंदों पर नाबाद सात रन बनाकर टीम की जीत पर मुहर लगा दी, जिसमें एक छक्का शामिल था।

इससे पहले सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने टास के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 182 रन पर आठ विकेट बनाए। समर्थ सिंह ने 27 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से 51 रन की तेजतर्रार पारी खेली। कप्तान जोंटी सिद्धू ने 19 गेंदों पर तीन छक्कों की मदद से 36 रन बनाए।

युगल सैनी ने 29 गेंदों पर 32 रन का योगदान दिया, जबकि मनी ग्रेवाल ने आखिरी ओवरों में महज सात गेंदों पर 18 रन बनाकर टीम के स्कोर को गति दी।

साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज की ओर से दिवांश रावत सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 17 रन देकर तीन विकेट लिए। विजन पांचाल ने दो विकेट हासिल किए, जबकि अंकित डबास, प्रांशु विजयरण और अंशुमान हुड्डा को एक-एक सफलता मिली।

हालांकि, फाइनल में साउथ दिल्ली के बल्लेबाजों का दबदबा रहा। टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए लगातार तेज रन गति बनाए रखी और 10 गेंद शेष रहते सात विकेट से मुकाबला जीतकर डीपीएल 2026 की ट्राफी पर कब्जा कर लिया।

संन्यास के बाद भी धोनी की कमाई पर नहीं पड़ा है असर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिह घोनी खेल से संन्यास के बाद भी मोटी कमाई कर रहे हैं। संन्यास के बाद धोनी की कमाई मुख्य रुप से विज्ञापन से हो रही है। वह कई बड़े ब्रांड से वह जुड़े हुए हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अलावा भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से भी उन्हें पेशन मिलती है। धोनी के कई कारोबार भी है। वह खेती भी करते हैं। धोनी ने अपने शानदार करियर में भारत के लिए कुल 90 टेस्ट मैच खेले हैं। बोर्ड की मौजूदा पेंशन व्यवस्था के तहत, वे पूर्व पुरुष क्रिकेटर जिन्होंने 25 या उससे अधिक टेस्ट मैच खेले हैं, उन्हें हर महीने 70,000 रुपये की पेंशन दी जाती है। इस हिसाब से, धोनी भी इस श्रेणी में आते हैं और उन्हें हर महीने बोर्ड से 70,000 रुपये मिलते हैं। हालांकि, उनकी कुल कमाई के विशाल आंकड़े के मुकाबले यह रकम काफी छोटी है। धोनी आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स से खेल रहे हैं। सीएसके ने 2026 सीज़न के लिए ने उन्हें 4 करोड़ रुपये में रिटेन किया है। इसका मतलब है कि केवल आईपीएल अनुबंध से ही उन्हें एक सीज़न के लिए 4 करोड़ रुपये मिलते हैं। यदि इस रकम को 12 महीनों के हिसाब से बांटा जाए, तो यह औसतन करीब 33.3 लाख रुपये प्रति महीने बैठती है। हालांकि, यह केवल एक औसत है क्योंकि आईपीएल की रकम वास्तव में पूरे सत्र में एक बार ही मिलती है। इसके अलावा उन्हें मैच के हिसाब से फीस भी मिलती है। धोनी की कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा ब्रांड एंडोर्समेंट जो बड़ी कंपनियों से है। 2026 की मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उनकी सालाना आय 75 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है, जिसमें आईपीएल, विज्ञापन और कारोबार से होने वाली कमाई सम्मिलित है। कुछ रिपोर्ट्स तो यह भी अनुमान लगाती हैं कि 2025-26 के लिए उनकी अनुमानित कमाई लगभग 95 से 105 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है।

यूएस ओपन 2026: पेगुला ने नर्वस शुरुआत से उबरकर दर्ज की आसान जीत, रुसे को सीधे सेटों में हराया

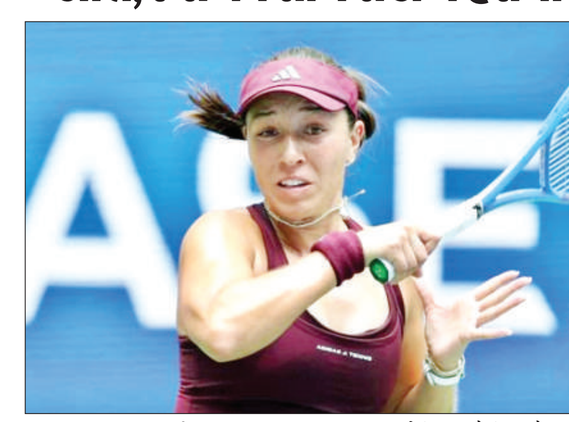

न्यूयार्क

अमेरिका की जेसिका पेगुला ने शुरुआती दबाव और घबराहट से उबरते हुए यूएस ओपन 2026 के महिला एकल के पहले दौर में जीत दर्ज की। 32 वर्षीय पेगुला ने रूस की एलिना रुसे को 6-3, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। उन्होंने यह मुकाबला 83 मिनट में अपने नाम किया।

पेगुला को मैच की शुरुआत में ब्रेक हासिल करने के लिए लगातार संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने रुसे की सर्विस तोड़ने के पहले नौ मौके गंवाए, लेकिन इसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी ने लय हासिल की और मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया। पेगुला ने अपनी पहली सर्विस पर शानदार प्रदर्शन करते हुए 92 प्रतिशत अंक जीते। वह हाल ही में सिनसिनाटी ओपन में कोको गाफ के खिलाफ उपविजेता रही थीं। जीत के बाद पेगुला ने कहा, मैं बहुत नर्वस थी। मैं अपनी स्थिति बताने के लिए जीआईएफ भेज रही थी, जिसमें लोग घबराते हुए नजर आ रहे थे। ग्रैंड स्लैम के पहले दौर में हमेशा काफी घबराहट होती है। दूसरे दौर में पेगुला का सामना वीनस विलियम्स और हमवतन सोफिया केनिन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा।

पाओलिनी और राखिमोवा भी आगे बढ़ीं - महिला एकल में 19वीं वरीयता प्राप्त इटली की जैस्मिन पाओलिनी ने भी दूसरे दौर में प्रवेश किया। उन्होंने वेरोनिका एर्यावेक को 6-3, 3-6, 6-4 से हराया। वहीं, कामिला राखिमोवा ने 27वीं वरीयता प्राप्त बारबोरा क्रेजिकोवा को 7-6(4), 6-2 से शिकस्त दी।

कोस्त्युक की शानदार जीत - यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक ने भी शानदार शुरुआत करते हुए आस्ट्रेलिया की क्वालीफायर स्टार्म हंटर को 6-4, 6-1 से हराया। फ्रेंच ओपन और विंबलडन में सेमीफाइनल तक पहुंच चुकीं कोस्त्युक को इस बार यूएस ओपन में खिताब की दावेदारों में माना जा रहा है। जीत के बाद कोस्त्युक ने कहा, इस शानदार जगह पर वापस आकर मैं बहुत खुश हूं। क्वालीफायर के खिलाफ खेलना आसान नहीं होता, क्योंकि वे पहले ही पूरा टूर्नामेंट खेल चुकी होती हैं। मैं अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। मैं खुद को जमीन से जोड़े रखने की कोशिश कर रही हूं।

दीप्ति ने थाईलैंड के खिलाफ बिना कोई रन दिये 3 विकेट लेकर बनाया रिकार्ड

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्पिनर दीप्ति शर्मा ने एशिया कप के पहले ही मैच में थाईलैंड के खिलाफ मिली 94 रनों की जीत के दौरान ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। दीप्ति ने इस मैच में केवल 1.1 ओवर में ही बिना कोई रन दिये 3 विकट ले लिए। थाईलैंड के खिलाफ अपनी कसी हुई गेंदबाजी से दीप्ति टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत की पहली ऐसी गेंदबाज बन गयी हैं। जिन्होंने एक या उससे अधिक विकेट लेते हुए कोई रन नहीं दिया हो। उनकी इस गेंदबाजी से विरोध बल्लेबाजों पर दबाव आया जिससे अन्य गेंदाबाजों को विकेट मिलने में आसानी हुई। दीप्ति के अलावा नंदिनी शर्मा ने 4 ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट जबकि श्री चारणी ने 2 और क्रांति गौड़ ने 1 विकेट लिया। 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी थाईलैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाई और 16.1 ओवर में महज 65 रनों पर सिमट गई। थाईलैंड की तरफ से नन्नापत कोंचारोएनकाई ही एकमात्र ऐसी बल्लेबाज रहीं, जो दो अंकों तक पहुंची और सबसे अधिक 41 रन बनाने में सफल रहीं पर उन्हें दूसरे छोर से कोई खास समर्थन नहीं मिला।

एकदिवसीय में जगह नहीं बना पाने के लिए अपने को जिम्मेदार मानते हैं सूर्यकुमार

मुम्बई

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और अच्छी तकनीक के बाद भी एकदिवसीय टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये और टी20 तक ही सीमित होकर रह गये। सूर्यकुमार ने अब इसका कारण बताया है। उनका कहना है कि इसके लिए वह स्वयं को ही जिम्मेदार मानते है। इस बल्लेबाज ने कहा है कि एकदिवसीय के लिए जितनी मेहनत करनी चाहिये थी। वह नहीं कर पाये। सूर्यकुमार ने अपने करियर में 37 एकदिवसीय मैचों में खेलते हुए केवल 773 रन बनाए हैं।

उन्होंने अंतिम बार एकदिवसीय मुकाबला 2023 विश्व कप का फाइनल था, जहां सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए वह केवल 18 रन ही बना पाये। उसके बाद वह टीम से बाहर हुए तो वापसी नहीं कर पाये। वहीं अब वह टी20 विश्वकप से भी बाहर हो गये हैं। 30 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने वाले सूर्यकुमार का मानना है कि अगर उन्हें 2016 के आसपास टीम इंडिया में मौका मिल जाता, तो शायद वे टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट में एक अलग मुकाम हासिल कर पाते।

सूर्यकुमार ने अपना एकमात्र टेस्ट मैच, जो 2023 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। इसमें वह केवल 8 रन ही बना पाए थे। उस पारी के बाद वह टेस्ट टीम में जगह नहीं बना पायी। अपनी एकदिवसीय विफलताओं को लेकर उन्होंने कहा, यह टी20 की तरह ही सीमित ओवरों है पर मैंने इसमें उतनी मेहनत नहीं की, जितनी मुझे करनी चाहिए थी। मैं व्यक्तिगत रूप से यह स्वीकार करता हूँ कि मैं इस फार्मेट का फार्मुला नहीं खोज पाया। उन्होंने आगे कहा, मैं जानता था कि मुझे नंबर 5 या 6 पर ही बल्लेबाजी मिलेगी, फिर भी मैंने इस प्रारुप को बेहतर ढंग से समझने या इसके अनुसार अपने खेल में बदलाव लाने के अधिक प्रयास नहीं किए, और इसका सीधा असर मेरे प्रदर्शन पर दिखा। सूर्यकुमार के अंतरराष्ट्रीय करियर के आंकड़ों पर नज़र डालें तो, टी20 प्रारुप में उनकी बादशाहत साफ दिखती है। उन्होंने 113 टी20 मैचों में 3272 रन बनाए हैं, जिसमें उनके अंतरराष्ट्रीय करियर के सभी चार शतक शामिल हैं। इसके विपरीत, 37 एकदिवसय मैचों में उनके नाम 773 रन हैं, जिसमें उनका सर्वाधिक स्कोर 72 रन रहा। टेस्ट क्रिकेट में उनका एकमात्र अनुभव एक पारी का है, जहाँ वे सिर्फ 8 रन ही बना सके थे।

मिडफील्डर रोड्री को लेकर रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी के बीच खींचतान जारी

मैड्रिड

यूरोपीय फुटबाल में आजकल स्पेन के दिग्गज मिडफील्डर रोड्री हर्नांडेज़ के ट्रांसफर को लेकर रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी के बीच जोरदार खींचतान चल रही है। यह बहुचर्चित खिलाड़ी वर्तमान में ट्रांसफर बाजार में मुख्य आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, क्योंकि रियल मैड्रिड उन्हें अपनी टीम में शामिल करने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रहा है। हालांकि, इस सौदे में सबसे बड़ी बाधा मैनचेस्टर सिटी की उच्च मांग है, जो अपने इस स्टार खिलाड़ी को छोड़ने के लिए कम से कम 80 मिलियन यूरो की राशि की मांग कर रहा है। इसके विपरीत, रियल मैड्रिड ने अपनी अधिकतम पेशकश 60 मिलियन यूरो तक ही सीमित रखी है, जिससे दोनों क्लबों के बीच 20 मिलियन यूरो का बड़ा अंतर बना हुआ है।

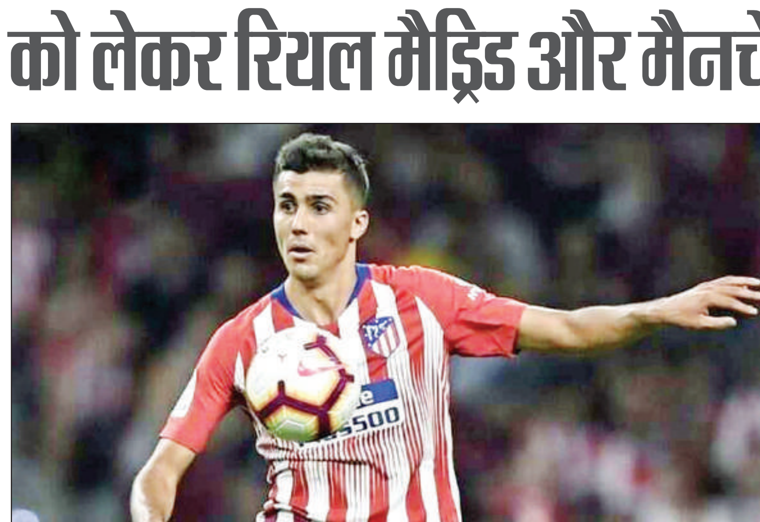

मीडिया रिपोर्टों से मिली जानकारी के अनुसार, दोनों क्लबों के बीच अभी तक कोई अंतिम सहमति नहीं बन पाई है और यह गतिरोध जारी है। इस हाई-प्रोफाइल ट्रांसफर को अंजाम तक पहुंचाने के लिए आने वाले कुछ सप्ताह बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। फुटबाल विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह सौदा संभव होना है, तो दोनों पक्षों को एक बीच का रास्ता खोजना होगा, जिसमें उन्हें अपनी-अपनी शुरुआती मांगों से कुछ समझौता करना पड़ सकता है। यह स्पष्ट है कि इस बड़े खिलाड़ी को हासिल करने के लिए रियल मैड्रिड को अपनी पेशकश बढ़ानी होगी, वहीं मैनचेस्टर सिटी को भी अपनी मांग में थोड़ी नरमी दिखानी पड़ सकती है। गौरतलब है कि रोड्री हर्नांडेज़ को मौजूदा समय में दुनिया के सबसे भरोसेमंद और प्रभावशाली मिडफील्ड खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। उन्होंने पिछले कई वर्षों से मैनचेस्टर सिटी के लिए बड़े-बड़े मुकाबलों में लगातार असाधारण प्रदर्शन किया है। उनकी सटीक पासिंग क्षमता, खेल की गति को अपनी इच्छानुसार नियंत्रित करने का हुनर और रक्षात्मक मोर्चे पर उनकी अभेद्य मजबूती उन्हें किसी भी टीम के लिए एक अमूल्य संपत्ति बनाती है। इन्हीं असाधारण खूबियों के चलते रियल मैड्रिड अपने मध्य क्षेत्र को और अधिक मजबूत व स्थिर बनाने के लिए लंबे समय से रोड्री पर अपनी नजरें जमाए हुए है। रोड्री का मौजूदा अनुबंध वर्ष 2027 की गर्मियों तक वैध है। इस अनुबंध की स्थिति रियल मैड्रिड को बातचीत में कुछ हद तक बढ़त दिला सकती है, क्योंकि यदि मैनचेस्टर सिटी समय रहते रोड्री के साथ एक नया और दीर्घकालिक अनुबंध हासिल नहीं कर पाता है, तो भविष्य में खिलाड़ी की बाजार कीमत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में मैनचेस्टर सिटी के सामने यह एक महत्वपूर्ण रणनीतिक फैसला होगा कि वह अभी एक बड़े ट्रांसफर शुल्क पर विचार करे या खिलाड़ी को अपने साथ बनाए रखने का जोखिम उठाए, जिसके परिणामस्वरूप भविष्य में कम कीमत मिलने की संभावना हो सकती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रोड्री स्वयं भी व्यक्तिगत और पेशेवर फुटबाल से जुड़े कारणों से एक नई चुनौती स्वीकार करने के लिए तैयार दिख रहे हैं। इसी वजह से रियल मैड्रिड में उनके शामिल होने की संभावना को लेकर अटकलें लगातार तेज हो रही हैं।

बीकानेर में निःशुल्क इलेक्ट्रॉनिक कृत्रिम हाथ शिविर आज से

बीकानेर, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म मानते हुए रोटरी क्लब, बीकानेर द्वारा इनाली फाउंडेशन, पुणे, रोटरी क्लब ऑफ पुणे तथा आचार्यश्री नानेश रोटरी नेत्र चिकित्सालय, गंगाशहर, बीकानेर के सहयोग से स्वर्गीय सुन्दर देवी डागा, धर्मपत्नी स्वर्गीय चम्पालाल डागा की पुण्य स्मृति में 1 एवं 2 सितंबर 2026 को विशेष निःशुल्क इलेक्ट्रॉनिक (बैटरी संचालित) कृत्रिम हाथ शिविर आयोजित किया जाएगा। रोटरी क्लब बीकानेर के सचिव कुणाल कोचर ने बताया कि शिविर का उद्देश्य दुर्घटना अथवा अन्य कारणों से हाथ गंवा चुके जरूरतमंद व्यक्तियों को आधुनिक तकनीक से निर्मित कृत्रिम हाथ उपलब्ध करवाना है। पात्र लाभार्थियों को पूरी तरह इलेक्ट्रॉनिक एवं बैटरी संचालित कृत्रिम हाथ निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि शिविर रोटरी क्लब भवन, पॉलिटेक्निक रोड, शादुलगंज, बीकानेर में आयोजित होगा। इनाली फाउंडेशन द्वारा उपलब्ध करवाए जाने वाले कृत्रिम हाथ आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक तकनीक पर आधारित हैं, जो लाभार्थियों को दैनिक कार्य अधिक सहजता, आत्मविश्वास, सम्मान और आत्मनिर्भरता के साथ करने में सहायता करेंगे।

कुणाल कोचर ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य केवल शारीरिक कमी की पूर्ति करना नहीं, बल्कि लाभार्थियों को दैनिक गतिविधियों में अधिक स्वतंत्रता और स्वावलंबन प्रदान करना भी है। रोटरी क्लब बीकानेर ने जरूरतमंद व्यक्तियों एवं उनके परिजनों से शिविर का लाभ उठाने की अपील की है, ताकि अधिक से अधिक दिव्यांगजन आधुनिक तकनीक की सहायता से अपने जीवन को बेहतर बना सकें।

फरार आरोपी को ले जा रही तेलंगाना पुलिस टीम पर हमला, चिखली फाटा पर हवाई फायरिंग

किनवट, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार शाम चिखली फाटा के पास उस समय तनाव की स्थिति बन गई, जब करीब 50 से 60 लोगों की भीड़ ने एक फरार आरोपी को गिरफ्तार कर तेलंगाना ले जा रही बाजार हतनूर पुलिस टीम को रोककर हमला कर दिया। भीड़ ने पुलिस वाहन में तोड़फोड़ की और पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की। हालात बिगड़ने पर पुलिस उपनिरीक्षक ने आत्मरक्षा में अपनी सर्विस पिस्टल से हवा में फायरिंग की। पुलिस के अनुसार, तेलंगाना पुलिस टीम बाजार हतनूर थाने में दर्ज मामले के फरार आरोपी शेख बकर उर्फ जफर शेख, निवासी चिखली, को हिरासत में लेकर किनवट के रास्ते तेलंगाना जा रही थी। चिखली फाटा के पास आरोपी के भाई शेख सोनू

समेत करीब 50-60 पुरुषों और महिलाओं ने डंडों एवं पत्थरों से पुलिस वाहन को रोक लिया।

पुलिस टीम ने वाहन मोड़कर किनवट की ओर जाने का प्रयास किया, लेकिन भीड़ ने पीछा कर वाहन को दोबारा रोक लिया। इस दौरान वाहन का शीशा तोड़ दिया गया और पुलिस उपनिरीक्षक रमेश गोकला के सिर पर डंडे से हमला किया गया। अन्य पुलिसकर्मियों के साथ भी मारपीट की गई।

पुलिस ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने हिरासत में मौजूद आरोपी को जबरन छुड़ा लिया और अपने साथ ले गए। मामले में किनवट पुलिस थाने में जी.आर. नंबर 224/2026 के तहत भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं तथा आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक जाधव कर रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अर्चना पाटिल, एसडीपीओ चंद्रशेखर कदम और पुलिस निरीक्षक गणेश कराड ने मौके पर पहुंचकर घटना की जांच की।

दो साल बाद खुली रुशेगांव की पाठशाला, अब एक भी छात्र नहीं

मदनूर, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के रुशेगांव गांव में दो वर्ष बाद स्थानीय लोगों की मांग पर पाठशाला शुरू तो की गई, लेकिन वर्तमान में यहां एक भी छात्र उपस्थित नहीं है। ग्रामीणों ने इसके लिए मंडल शिक्षा अधिकारी की कथित लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है।

ग्रामीणों ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि स्थानीय लोगों की मांग के बाद मंडल शिक्षा अधिकारी और सरपंच की मौजूदगी में पाठशाला दोबारा शुरू की गई थी। शुरुआत में गांव के पांच छात्रों ने कुछ दिनों तक पाठशाला में उपस्थिति दर्ज कराई, लेकिन बाद में सभी ने अन्य विद्यालयों में प्रवेश ले लिया।

ग्रामीणों का आरोप है कि पाठशाला 15 जून को शुरू होने के बजाय करीब एक माह की देरी से शुरू की गई। तब तक गांव के अधिकांश छात्र दूसरे विद्यालयों में दाखिला ले चुके थे। इसके चलते पाठशाला शुरू होने के बावजूद विद्यार्थियों की संख्या शून्य हो गई।

पाठशाला के प्रभारी शिक्षक ने बताया कि वह अगस्त से प्रभारी शिक्षक के रूप में कार्य कर रहे हैं। अगस्त माह समाप्त हो गया, लेकिन अब तक एक भी छात्र पाठशाला में उपस्थित नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि वह प्रतिदिन सुबह 9 बजे विद्यालय पहुंचकर शाम 4 बजे तक छात्रों के आने का इंतजार करते हैं।

मामले में मंडल शिक्षा अधिकारी रामालू ने बताया कि पाठशाला शुरू होने के बाद कुछ दिनों तक छात्र आए थे, लेकिन बाद में सभी दूसरे विद्यालयों में चले गए, जिसके कारण अब कोई छात्र उपस्थित नहीं है। उन्होंने बताया कि मंडल विकास अधिकारी द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी को मामले की जानकारी देने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने छात्रों के अभाव में पाठशाला बंद करने को कहा है।

राजस्थान के संजय शर्मा टायकून नेशनल अवार्ड से सम्मानित

नई दिल्ली, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। विकसित भारत अभियान 2047 के तहत देश के विकास में विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट एवं अग्रणी योगदान देने वाली राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की चुनिंदा 47 शख्सियतों को राजधानी दिल्ली में आयोजित टायकून नेशनल अवार्ड समारोह में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजस्थान के जयपुर निवासी गौसेवक, समाजसेवी, शिक्षाविद, नीति विशेषज्ञ एवं भारत सरकार के गोपाल रत्न पुरस्कार से सम्मानित संजय शर्मा को भी सम्मानित किया गया।

शिवम डेयरी एवं रुद्रशिवम लाइव स्टॉक एसोसिएशन के निदेशक तथा गोकुल ग्राम के प्रणेता संजय शर्मा देवराहा बाबा एवं ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मऋषिजी के अनन्य कृपापात्र भक्त हैं। उन्होंने वर्ष 2025 में गौ आधारित अर्थव्यवस्था से संबंधित गौ महाकुंभ का सफल आयोजन किया था।

कार्यक्रम में संजय शर्मा ने गौ आधारित अर्थव्यवस्था के मूल आधार और गोकुल ग्राम की विशेषताओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एक सशक्त, स्वस्थ एवं विकसित भारत के निर्माण के लिए सभी राष्ट्रभक्तों की सामूहिक भागीदारी आवश्यक है।

श्रीब्रह्मर्षि आश्रम, तिरुपति के राष्ट्रीय संयोजक संजय शर्मा ने कहा कि गोकुल ग्राम भारतीय सनातन परंपरा में मां के रूप में पूजनीय गाय पर आधारित अर्थव्यवस्था के आधार पर संचालित है। उनके अनुसार गौ, ग्राम विकास, पर्यावरण एवं सनातन को मूल आधार बनाकर तैयार किया गया यह देश का पहला ऐसा प्रोजेक्ट है, जिसे भारत सरकार से गोपाल रत्न पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है।

उन्होंने बताया कि आगामी समय में 1,000 लोगों को गोकुल समृद्धि कार्ड की सदस्यता देकर देश और दुनिया में गौ आधारित अर्थव्यवस्था का ग्राफ बढ़ाने के लिए प्रयास किए जाएंगे।

कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि एवं आयोजन के मेंटर, गोयल मेडिकोज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. बसंत गोयल ने कहा कि राष्ट्र निर्माण एक सामूहिक प्रयास है और इस यात्रा में प्रत्येक क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय मीडिया कॉन्क्लेव, विकसित भारत 2047 एवं 47 टायकून नेशनल अवार्ड समारोह का भव्य आयोजन राजधानी दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित द ललित होटल में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुआ। उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी डॉ. दिनेश गुरुजी ने उपस्थित सभी लोगों को आशीर्वाद प्रदान किया।

इस दौरान भारत के विकास के दृष्टिकोण एवं राष्ट्र निर्माण में संचार की बदलती भूमिका पर अनेक वक्ताओं ने विस्तार से विचार रखे। देश-विदेश से आए 300 से अधिक प्रतिनिधियों, उद्योग जगत के दिग्गजों, शिक्षाविदों एवं नीति निर्माताओं ने भी अपने विचार साझा किए।

आयोजन की रूपरेखा पर मुख्य आयोजक पवन कुमार भूत ने प्रकाश डालते हुए सभी अतिथियों एवं प्रतिनिधियों का स्वागत किया। इंडिया वन फाउंडेशन के तत्वावधान में 'पुलिस पब्लिक प्रेस के 20 साल बेमिसाल' के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में एक कॉफी टेबल बुक का भी विमोचन किया गया।

मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म, राधे-राधे ग्रुप ने किया नियमित अन्नदान

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क वाटर टैंक पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर सेवा और मानवता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर मनीष अग्रवाल एवं भंवरलाल गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सेवा कार्य में सहभागिता निभाई। सदस्यों ने कहा कि जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना केवल अन्नदान नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का माध्यम है।

जनसेवा आवेदनों का शीघ्र निपटारा करें : कलेक्टर

पेद्दापल्ली, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिला कलेक्टर कोया श्रीहरशा ने अधिकारियों को जनसेवा कार्यक्रम के तहत प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निपटारा करने तथा उन्हें लंबित नहीं रखने के निर्देश दिए। सोमवार को कलेक्ट्रेट बैठक कक्ष में अतिरिक्त कलेक्टर बी. श्रीरामुलु के साथ आयोजित जनसेवा कार्यक्रम में कलेक्टर ने जनता से आवेदन प्राप्त किए। एलिगेडु मंडल केंद्र की रजव्वा ने अपने दो बेटों द्वारा भरण-पोषण नहीं किए जाने पर सुरक्षा की मांग की। कलेक्टर ने जिला कल्याण अधिकारी को आवेदन भेजकर वरिष्ठ नागरिक अधिनियम के तहत कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

गार्डन गैलरी में आयोजित मासिक मंगल मिलन कार्यक्रम में उपस्थित रमेश नवेंदर, बालकिशन बजाज, विष्णुजी मंत्री, अशोक काबरा, सुरेश राठी, नारायणदास लोया, राजेश बजाज, कमल बालदावा एवं श्याम नवेंदर सहित अन्य सदस्यगण।

मलकपेट स्थित शिवनारायण भागीरथ लोया के निवास पर तीज एवं चौथ माता की श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना करतीं सुनीता लोया, तृप्ति लोया, लता, आकृति बियानी, संस्कृति मानियार, शशि, अंकिता, प्रियंका, आध्या जोशी एवं अन्य सखियाँ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ओउम् ...

और रूस के बीच सहयोग एवं साझेदारी कायम है।

बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन नोमैड खेल कार्यक्रम के लिए भी साथ रवाना हुए। दोनों नेताओं का एक ही वाहन में कार्यक्रम के लिए जाना बिश्केक की सड़कों पर एक बार फिर मोदी-पुतिन की कार कूटनीति की तस्वीर के रूप में सामने आया। औपचारिक बैठक के अलावा इस दौरान दोनों नेताओं को अनौपचारिक बातचीत का भी अवसर मिला।

सिंधु ...

तरीके से गठित संस्था के पहले के सभी फैसलों को भी सख्ती से खारिज किया है।भारत सरकार के अनुसार, भारत ने कभी भी गैर-कानूनी तरीके से गठित इस तथाकथित मध्यस्थता अदालत को कानूनी रूप से मान्यता नहीं दी है। भारत का हमेशा से यह मानना रहा है कि इस तथाकथित मध्यस्थता संस्था का गठन ही सिंधु जल संधि का गंभीर उल्लंघन है। इसलिए भारत न तो कभी इस संस्था के सामने पेश हुआ और न ही उसने इसके पहले के फैसलों को स्वीकार किया है।

भारत ने कहा कि इस तथाकथित मध्यस्थता अदालत को भारत के संप्रभु फैसलों पर निर्णय सुनाने का कोई अधिकार नहीं है। इसके फैसलों का, चाहे वे वर्तमान में हों या भविष्य में, भारत द्वारा चलाए जा रहे परियोजनाओं से जुड़े कार्यों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का फैसला कायम

भारत ने स्पष्ट किया कि सिंधु जल संधि को कुछ समय के लिए स्थगित रखने का उसका फैसला अभी भी लागू है।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने पिछले साल अप्रैल में इस संधि को स्थगित कर दिया था। यह संधि पाकिस्तान के करीब 80 प्रतिशत कृषि क्षेत्रों को पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करती है।

1960 में हुई थी सिंधु जल संधि

सिंधु जल संधि भारत और पाकिस्तान के बीच 19 सितंबर 1960 को विश्व बैंक की मध्यस्थता में हस्ताक्षरित महत्वपूर्ण जल-बंटवारा समझौता है। इस पर भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान ने हस्ताक्षर किए थे।

एक और ...

आरोप है कि दोनों ने देर रात छात्रा को कश्मीरी गेट बस टर्मिनल के पास रिंग रोड पर उतार दिया और वहां से फरार हो गए। छात्रा ने उसी रात कश्मीरी गेट पुलिस से संपर्क कर घटना की जानकारी दी।

सीसीटीवी फुटेज से बस की पहचान

पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने कोतवाली एसीपी शंकर बनर्जी के नेतृत्व में जांच टीम गठित की। टीम ने बस की पहचान और उसके मार्ग का पता लगाने के लिए रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की।

पुलिस ने चालक कुलदीप और परिचालक संदीप को तिमारपुर स्थित बस पार्किंग से गिरफ्तार किया। घटना में इस्तेमाल स्लीपर बस को भी जब्त कर लिया गया है। बस की फोरेंसिक जांच की जा रही है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, घटना वाले दिन बस में खराबी आने के बाद आरोपी उसे मरम्मत के लिए सूरजपुर, नोएडा स्थित एक कार्यशाला में ले गए थे। मरम्मत पूरी होने के बाद चालक और परिचालक खाली बस को तिमारपुर ले जा रहे थे। इसी दौरान परी चौक पर छात्रा ने बस को रुकने का इशारा किया।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने बस के पर्दे वाले अंदरूनी हिस्से का इस्तेमाल देर रात सफर के दौरान अपराध को छिपाने के लिए किया, जिससे बाहर से गुजर रहे लोग बस के अंदर नहीं देख सके।

14 साल पहले दिल्ली में हुआ था निर्भया कांड

गौरतलब है कि 16 दिसंबर 2012 की रात दिल्ली में 23 वर्षीय युवती के साथ चलती बस में सामूहिक दुष्कर्म किया गया था। हमले में युवती को गंभीर चोटें आई थीं और इलाज के लिए उसे सिंगापुर भेजा गया था, जहां 29 दिसंबर को उसकी मौत हो गई थी। इस घटना के बाद दिल्ली सहित पूरे देश में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए थे। मीडिया में इस मामले को 'निर्भया कांड' के नाम से जाना गया।

इस मामले में छह लोगों को आरोपी बनाया गया था। इनमें एक आरोपी नाबालिग था, जबकि एक अन्य आरोपी ने जेल में आत्महत्या कर ली थी। चार दोषियों मुकेश सिंह, पवन गुप्ता, विनय शर्मा और अक्षय कुमार सिंह को मृत्युदंड सुनाया गया था। चारों को 20 मार्च 2020 को दिल्ली की तिहाड़ जेल में फांसी दी गई।

मूसारामबाग...

सीएम ने खुलासा किया कि पिछले 1,000 दिनों में केसीआर ने 1.24 करोड़ रुपये वेतन के रूप में लिए, जबकि राज्य खजाने ने उनकी सुरक्षा और सुविधाओं पर 21 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए। अगर कोई सरकारी कर्मचारी एक साल तक ड्यूटी पर नहीं आता, तो उसे बर्खास्त कर दिया जाता है। एक विपक्षी नेता जो 1,000 दिनों तक जनता की नजरों से दूर रहता है, उसके साथ क्या किया जाना चाहिए? रेड्डी ने सवाल किया।

उन्होंने बीआरएस नेताओं पर आरोप लगाया कि उन्होंने जनता की मूलभूत जरूरतों को पूरा नहीं किया। उन्होंने जनवाड़ा में सैकड़ों एकड़ जमीन पर बने लग्जरी फार्महाउसों का हवाला देते हुए कहा कि गरीब परिवारों को राशन कार्ड जैसी बुनियादी गरिमा भी नहीं दी गई।

मुख्यमंत्री ने जोर दिया कि पिछली सरकार की परिवार-केंद्रित राजनीति के विपरीत, उनकी सरकार ने कमजोर वर्गों के नेताओं को सशक्त बनाया है। उन्होंने महेश गौड़ को टीपीसीसी अध्यक्ष बनाने और जमीनी स्तर के नेताओं को कैबिनेट में पदोन्नति देने का उदाहरण दिया। रेवंत रेड्डी ने पारदर्शी और जन-केंद्रित शासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि उनकी सरकार विधानसभा में सीधे अपने 1,000 दिनों के प्रदर्शन का रिपोर्ट पेश करेगी।

बालियान हत्याकांड ...

राजीव कृष्ण ने बताया कि 29 अगस्त को इस घटना में शामिल आरोपियों की पहचान कर ली गई थी। इसके बाद पुलिस ने उनके आपराधिक इतिहास का सत्यापन शुरू किया। जांच में उनके गोगी गिरोह से जुड़े होने की बात सामने आई।

पुलिस महानिदेशक के मुताबिक, जितेंद्र गोगी की वर्ष 2021 में रोहिणी अदालत परिसर में हत्या हुई थी। अंकित बालियान ने इसी घटना से जुड़े एक गाने में अभिनय किया था। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि उस गाने के बोल और धुन अंकित बालियान के नहीं थे।

पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि हत्या के लिए चारों शूटरों को उनके गिरोह से जुड़े लोगों ने ही हथियार उपलब्ध कराए थे। वारदात में इस्तेमाल हथियार देशी बताए गए हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हत्या की पूरी साजिश किस स्तर पर तैयार की गई और इसमें कौन-कौन लोग शामिल थे।

शूटरों के साथ हुई मुठभेड़ में हेड कांस्टेबल हरविंदर और हेड कांस्टेबल प्रदीप घायल हुए हैं। पुलिस ने इस कार्रवाई को हत्याकांड के आरोपियों के खिलाफ बड़ी सफलता बताया है। पुलिस महानिदेशक ने शामली पुलिस और विशेष कार्य बल की कार्रवाई के लिए दो लाख रुपये के इनाम की घोषणा की है।

अंकित बालियान हत्याकांड में अभी दो अन्य शूटर और उनके मददगार पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। उनकी तलाश जारी है। पुलिस सभी आरोपियों तक पहुंचने के लिए जांच आगे बढ़ा रही है।

पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने उत्तर प्रदेश से बाहर रह रहे अपराधियों को भी सख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि अपराधी यह भ्रम न पालें कि राज्य से बाहर रहने पर उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी। किसी भी गिरोह या अपराधी को उत्तर प्रदेश में छिपने या अपराध करने नहीं दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस घटना से जुड़े कुछ अपराधी जेल में बंद हैं, जबकि कुछ विदेश में हैं। उन सभी को कानून की जद में लाया जाएगा। पुलिस महानिदेशक के मुताबिक, गोगी गिरोह की कमान अब दूसरे लोगों ने अपने हाथ में ले ली है और वही लोग गोगी के नाम पर गिरोह चला रहे हैं।

राजीव कृष्ण ने कहा कि पिछले आठ से नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश में संगठित अपराध को जड़ से उखाड़ने का काम किया गया है। उन्होंने दावा किया कि पिछले ढाई वर्षों में करीब तीन लाख लोगों को सजा दिलाई गई है।

अब मददगारों की तलाश में जुटी यूपी पुलिस

अंकित बालियान हत्याकांड में पुलिस की जांच अभी पूरी नहीं हुई है। दो शूटरों के मारे जाने के बाद अब पुलिस का ध्यान फरार दो अन्य शूटरों और उनके मददगारों पर है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि हत्या की साजिश के पीछे कौन-कौन लोग थे और वारदात को अंजाम देने के लिए शूटरों को हथियार किसने उपलब्ध कराए।

लखनऊ में हिंदूवादी नेता की हत्या की भी जांच जारी

पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने लखनऊ में हिंदूवादी नेता की हत्या के मामले पर भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लखनऊ पुलिस इस मामले में हर पहलू की जांच कर रही है। इस हत्याकांड में अभी तक दो आरोपियों को पकड़ा गया है।

उन्होंने कहा कि यह जघन्य हत्याकांड है और पुलिस की टीमें घटना के कारणों की गहनता से जांच कर रही हैं। घटना में शामिल किसी भी व्यक्ति को छोड़ा नहीं जाएगा और सभी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नेपाल सुरंग में ...

बाढ़ के कारण ल्हेंदे खोला, भोटेकोशी और त्रिशूली नदी तंत्र के आसपास बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ तथा कई इलाकों में लोग फंस गए।

खराब मौसम से पहाड़ी इलाकों में बचाव अभियान प्रभावित

नेपाल में इस आपदा के बाद बड़े स्तर पर राहत एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है। सरकार ने 19 हजार से अधिक सुरक्षा कर्मियों और 16 हेलीकॉप्टरों को तलाशी, बचाव और लोगों को सुरक्षित निकालने के कार्य में लगाया है।

हालांकि, पहाड़ी इलाकों में खराब मौसम, बिजली की समस्या और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण राहत एवं बचाव अभियान में लगातार चुनौतियां बनी हुई हैं।

रसुवागढ़ी जलविद्युत परियोजना की सुरंग में तलाशी अभियान पूरा होने के बाद बचाव दल वापस लौट गया है। हालांकि, परियोजना में लापता बताए गए 93 लोगों को लेकर आगे की जानकारी का अभी इंतजार है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 01 सितंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

अग्रवाल समाज तेलंगाना का रक्षा बंधन समारोह भव्यता से संपन्न

पहली बार महिला शक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अनूठा आयोजन, करीब 400 महिलाओं ने कराया पंजीकरण

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा रक्षा बंधन समारोह सोमवार को सिकंदराबाद स्थित बैंक्वेट हॉल में भव्यता के साथ आयोजित किया गया। समाज के मीडिया, प्रचार एवं प्रसार चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि यह आयोजन अग्रवाल समाज में पहली बार महिला शक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया, जो अपने आप में एक अनूठा एवं ऐतिहासिक आयोजन रहा।

कार्यक्रम दोपहर 12:30 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित किया गया। सर्वप्रथम महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के बाद दीप प्रज्वलित किया गया। इस अवसर पर श्रीमती उर्मिला अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल एवं डॉ. सीमा जैन ने महाराजा अग्रसेन जी को राखी बांधी।

इसके बाद मंचासीन सुरेश अग्रवाल (सीएसके), शंकर लाल अग्रवाल, सांवर मल अग्रवाल, सुरेश सिंघल, उर्मिला अग्रवाल एवं सुनीता अग्रवाल का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल, मंत्री डॉ. सीमा जैन, सहमंत्री प्रतीक नर्सरिया एवं कोषाध्यक्ष सीए राजगोपाल अग्रवाल मंचासीन रहे।

कार्यक्रम के प्रति महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। करीब 400 महिलाओं ने पंजीकरण करवाया। अधिक संख्या में पंजीकरण होने के कारण प्रतिभागियों को दो समूहों में विभाजित किया गया। पहले समूह के लिए दोपहर 12:30 से 2:30 बजे तक तथा दूसरे समूह के लिए दोपहर 2:30 से शाम 4 बजे तक का समय निर्धारित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अग्र महिलाओं ने मंचासीन महानुभावों को राखी बांधी। सभी प्रतिभागियों को उपहार प्रदान किए गए।

समारोह में सर्वश्रेष्ठ थाली सजावट तथा हस्तनिर्मित राखी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक प्रसिद्ध समाजसेवी शंकर लाल अग्रवाल, श्रीमती उर्मिला अग्रवाल एवं श्रीमती सुनीता अग्रवाल रहे।

थाली सजावट प्रतियोगिता में सिम्पल अग्रवाल ने प्रथम, रंजना अग्रवाल ने द्वितीय तथा मोनिका अग्रवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सांत्वना पुरस्कार दीपा अग्रवाल, साक्षी अग्रवाल एवं मेघना अग्रवाल को प्रदान किए गए। हस्तनिर्मित राखी प्रतियोगिता में प्रिया अग्रवाल ने प्रथम, शोभा गुप्ता ने द्वितीय तथा संगीता गोयल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उपस्थित अग्रबंधुओं ने सभी विजेताओं को बधाई दी तथा प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम में प्रसिद्ध लोकगीत गायिका स्वाति दाहिमा ने गीत एवं संगीत की प्रस्तुति देकर समारोह में उत्साह और उमंग का माहौल बना दिया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों के लिए स्वादिष्ट भोजन की भी व्यवस्था की गई थी।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल, मंत्री डॉ. सीमा जैन, सहमंत्री प्रतीक नर्सरिया, कोषाध्यक्ष सीए राजगोपाल अग्रवाल, परामर्शदाता गोपाल मोर, कार्यक्रम संयोजक सांवर मल अग्रवाल, बैंक्वेट हॉल चेयरमैन सुरेश कुमार अग्रवाल (सीएसके), सुरेश कुमार टंडन, मुकुंद लाल अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, अजय अग्रवाल, जनार्दन सुरेका, अशोक जिंदल, अशोक चोखानी, दिनेश मोदी, अल्का मिंडा, रिंकू गर्ग, रानी मित्तल, सुमन गुप्ता, बीना टंडन, संतोष अग्रवाल, शशि सिंघल, चित्रा अग्रवाल एवं मिनी अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

उपस्थित सभी अग्रबंधुओं ने इस ऐतिहासिक एवं अनूठे आयोजन की प्रशंसा करते हुए अग्रवाल समाज तेलंगाना का आभार व्यक्त किया।

कुमावत समाज ट्रस्ट की श्रावण सैर हर्षोल्लास के साथ संपन्न

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमावत समाज ट्रस्ट हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा आयोजित श्रावण सैर कार्यक्रम इब्राहिमपटनम स्थित प्राकृतिक वेली में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में हैदराबाद एवं सिकंदराबाद से समाज के बाल गोपालों, महिलाओं और पुरुषों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान सभी ने स्वीमिंग पूल, वर्षा स्नान, कुर्सी संगीत एवं रस्साकशी सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आनंद लिया।

कार्यक्रम में समाज के भामाशाहों एवं विशेष अतिथियों अमराराम जी मेड़तिया, ओगड़राम जी चांदोरा, बगदाराम जी बाकरेचा, चंदुराम जी मोटावत, बाबूलाल जी खरनालिया, रमेशचंद पिलोदिया, उगराराम घोड़ावड़, बाबूलाल मनावत एवं रमेश चंद मोटावत सहित अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं जिंसी चौराहा निवासी प्रसिद्ध भामाशाह स्वर्गीय पाबुराम जी एवं मेनादेवी बाकरेचा की सुपुत्री तथा सुगनचंद एवं संजय कुमार बाकरेचा की बहन, भगवान श्रीकृष्ण की भक्त श्रीमती सीता बाई ने मलारदेवपली में निर्माणाधीन समाज भवन के लिए आवश्यक संपूर्ण विद्युत सामग्री, जिसकी लागत लगभग 21 लाख रुपये है, भेंट करवाने की घोषणा की।

सीता बाई की इस घोषणा पर सरोज देवी मेड़तिया, कमला देवी घोड़ावड़, कमला देवी लारना, रम्बा देवी मानणिया, शौबा बाई दातलेचा एवं गीता देवी बाकरेचा ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। समाज के अध्यक्ष भाकर राम लारना ने भामाशाह सीता बाई का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनके माता-पिता के संस्कारों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि समाज सेवा के इस पुनीत कार्य से सीता बाई ने पुण्य का लाभ अर्जित किया है। कार्यक्रम का संचालन एवं मंच संचालन नाथुराम लारना चिगींचला ने किया। सचिव एवं सह-प्रचार मंत्री शंकरलाल चांदोरा ने बाल गोपालों की खेलकूद प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। वहीं नवयुवकों ने कबड्डी, बास्केटबॉल एवं क्रिकेट प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। समाज के सभी सदस्यों ने हर्षोल्लास के साथ स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया तथा श्रावण सैर के सफल आयोजन की प्रशंसा की। कार्यक्रम को सफल बनाने में सचिव संजय कुमार बाकरेचा, उपाध्यक्ष राणाराम खुदाल, शंकरलाल मानणिया, संगठन मंत्री तुलसाराम बाकरेचा, परामर्शदाता चौथाराम खुदाल, सुगनचंद, गोकुलराम, नोरतमल, पारसमल बाकरेचा, मोहनलाल दुबलदिया, गेनाराम गोठवाल, प्रकाश चंद बावलियां, सहसचिव मिश्रीलाल अडाणिया, सहसंगठन मंत्री बाबूलाल मानणिया एवं लक्ष्मणराम भड़लीवाल, प्रचार मंत्री बाबूलाल खुदाल, महेश लारना, शंकरलाल मोटावत, पाबुराम पीपावत, पारसमल ऐकलिया, प्रेमाराम, ओगड़राम, पांचाराम दुबलदिया, माणकचन्द लारना, किशोर कुमार अडाणिया, रुपाराम बाकरेचा, मोतीलाल रेड, छगनलाल मोटावत, श्रवण कुमार बोड़ावड़, रमेश चंद, पप्पू राम घोड़ावड़, ललित कुमार, रामलाल पिलोदिया, गणपतलाल, पप्पू राम मानणिया, महेंद्र तिलायचा, बाबूलाल कुशाल मावर एवं पुष्पेंद्र लिम्बा सहित अन्य सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले समाज के सदस्यों का धन्यवाद किया। वहीं संरक्षक प्रकाश चंद अलोदिया ने सभी का अभिनंदन करते हुए आभार प्रकट किया।

शिव भगवान अग्रवाल बोलेईश्वर की शक्ति और कृपा से ही सेवा का यह यज्ञ निरंतर संभव

हैदराबाद। सेवा, श्रद्धा और समर्पण की भावना से राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया गया।इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए शिव भगवान अग्रवाल ने कहा कि शिव और शक्ति की कृपा के बिना सेवा का यह पवित्र कार्य संभव नहीं है। हम ईश्वर की शक्ति को किसी भी रूप में मानें, लेकिन जीवन में शक्ति और प्रभु की कृपा के बिना कोई भी सत्कर्म आगे नहीं बढ़ सकता। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा प्रतिदिन किया जा रहा अन्नदान केवल भोजन वितरण नहीं, बल्कि मानवता के प्रति संवेदना और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का पवित्र संकल्प है।

जब कई हाथ सेवा के लिए एक साथ उठते हैं तो वह सेवा एक आंदोलन का रूप ले लेती है और समाज में सकारात्मक बदलाव की शुरुआत होती है।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धरशुवाले अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल एवं रेनू शर्मा सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

मान सम्मान ट्रस्ट ने वार्षिक समारोह में 22 मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। शिक्षा के माध्यम से सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मान सम्मान ट्रस्ट ने रविवार, 30 अगस्त 2026 को अपना वार्षिक छात्रवृत्ति समारोह 2026-27 आयोजित किया। इस अवसर पर वंचित एवं आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आने वाले 22 होनहार और मेधावी विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

ये छात्रवृत्तियां मान सम्मान ट्रस्ट छात्रवृत्ति एवं कमला देवी कन्या छात्रवृत्ति के तहत 11वीं कक्षा में प्रवेश लेने वाले तथा इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष में जाने वाले उत्कृष्ट विद्यार्थियों को प्रदान की गईं।

समारोह की मुख्य अतिथि प्रख्यात गायिका एवं समावेशन अधिवक्ता श्राव्या कानिथी रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर श्रीमती टी. महालक्ष्मी, डॉ. श्रीप्रभा जोन्नाविट्टुला एवं सुश्री अनुराधा तामरिसा कंडाला विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

10वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष मेधावी विद्यार्थियों बासानी लक्ष्मी, जिन्होंने 98.16 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, तथा चंडालूरी श्री ऋषिक मारुति, जिन्होंने 96.16 प्रतिशत अंक हासिल किए, को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर श्री एवं श्रीमती चलपति राव की ओर से दोनों विद्यार्थियों को प्रायोजित कलाई घड़ियां भेंट की गईं।

समारोह को संबोधित करते हुए ट्रस्ट के संस्थापक श्री राकेश गोयल, प्रबंध ट्रस्टी श्रीमती पूजा गोयल एवं श्री राजीव पोद्दार ने कहा कि आर्थिक तंगी किसी भी प्रतिभाशाली युवा की उच्च शिक्षा की राह में बाधा नहीं बननी चाहिए। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद एवं मेधावी विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना ट्रस्ट का प्रमुख उद्देश्य है।

कार्यक्रम के अंत में छात्रवृत्ति प्रायोजकों, स्वयंसेवकों एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ वार्षिक छात्रवृत्ति समारोह का समापन हुआ।

यादव अहीर समाज हैदराबाद एवं श्री गोपाल भजन मंडली, रंगीन व्यायामशाला, बेगम बाजार द्वारा आयोजित भुजरिया उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री श्री हंसराज अहीर के साथ चौधरी भवानीशंकर, चौधरी दिनेश मानसिंह अहीर, शिवचरन अहीर, रमेशकुमार अहीर एवं अन्य समाजबंधु।

न्यू भोईगुड़ा, सिकंदराबाद में हरिप्रसाद रिणवा के निवास स्थान पर कजरी तीज एवं चौथ माता की श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना करती हुईं मनीषा रिणवा, भंवरी बाई, किरण बाई, सोनू वर्मा एवं सुमन कोलरिया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की सोमाजीगुड़ा-बेगमपेट शाखा की ओर से 'श्रावण की सैर' कार्यक्रम का आयोजन कृष्णा सिरीन रिसोर्ट में किया गया। शाखा की मानद मंत्री प्रीति अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष कविता अग्रवाल, उपाध्यक्ष संगीता अग्रवाल, मंत्री प्रीति अग्रवाल, सहमंत्री ऋचा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष शशि अग्रवाल एवं केंद्रीय समिति सदस्य सुमन गुप्ता सहित कई सदस्यों ने भाग लिया। सभी ने विभिन्न खेलकूद गतिविधियों एवं स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। उन्होंने बताया कि अग्रवाल समाज की यह एकमात्र शाखा है, जिसमें सभी पदाधिकारी महिलाएं हैं।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर के श्रावण महोत्सव का भव्य समापन

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा रविवार, 30 अगस्त 2026 को श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा स्थित श्री विजय शंकर महाराज जी के शिवालय में श्रावण महोत्सव का भव्य समापन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10:31 बजे वेदाचार्य श्री वासुदेव जी तिवारी द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना एवं रुद्राभिषेक के साथ हुआ।

इस अवसर पर यजमान राहुल कोलरिया, सुपुत्र जगदीशप्रसाद कोलरिया, ने सपत्नीक अभिषेक का लाभ लिया।इसके पश्चात सुबह 11:31 बजे महायज्ञ तथा दोपहर 1:21 बजे संगीतमय सुंदरकांड पाठ का शुभारंभ हुआ। धार्मिक आयोजनों के बीच पूरा शिवालय एवं पंचायती बाड़ा आकर्षक वनविहार के रूप में सजाया गया था।

पूरा पंचायती बाड़ा मानो वन में परिवर्तित हो गया था। परिसर को हरी-भरी वनस्पतियों, विभिन्न झाड़ियों एवं पत्तियों से सजाया गया था। शाम 6:31 बजे महाआरती का आयोजन किया गया। इसके पश्चात सभी धर्मप्रेमी भाइयों एवं स्वजातीय बंधुओं ने भोजन प्रसादी का लाभ लिया।

समारोह में श्री श्री संत सेवाराम जी महाराज, श्री रामचंद्र जी मठ संगम मंदिर लंगरहोज के महंत श्री राहुल दास जी महाराज एवं चैतनगिरी महाराज (ओंकारेश्वर मंदिर) सहित अनेक संतजन एवं धर्मप्रेमी बंधु उपस्थित रहे। इनके अलावा रामनिवास पाराशर, दामु गुरु, श्रीलाल पारीक, शिवनाथ पाराशर एवं लक्ष्मीनिवास खटोड़ पारीख (लड्डू भाई) भी उपस्थित रहे।इस अवसर पर श्यामसुंदर उपाध्याय, रामदेव नागला, रामदेव व्यास, मुरलीधर तिवारी, रामनिवास ओझा, लक्ष्मीनारायण व्यास, दामोदर तिवारी, जगदीशप्रसाद कोलरिया, जुगल किशोर उपाध्याय, सुरेंद्र तिवारी, महेंद्र पांडिया, नारू पांडिया, आदर्श जायलवाल, श्रीराम व्यास, धीरज उपाध्याय, दीपक उपाध्याय, मनोज जोशी, दिनेश मुलताई, मधुसूदन उपाध्याय, विष्णु उपाध्याय, सुरेश पांडया, कमल पांडया, अज्जू वैष्णव एवं श्यामसुंदर तिवारी सहित समाज के अनेक गणमान्य बंधु उपस्थित रहे।

नर्स रेप-मर्डर कांड

आरोपी ने एक माह तक पीछा किया

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

34 वर्षीय बाइक मैकेनिक ने कथित तौर पर 21 वर्षीय नर्स की गतिविधियों पर लगभग एक महीने तक नजर रखी, फिर खिड़की से उसके कमरे में घुसकर यौन हमले के प्रयास का विरोध करने पर उसकी हत्या कर दी। शमशाबाद जोन के डीसीपी बी राजेश ने यह जानकारी दी। आरोपी एमडी सनाउल्ला को शिकायत मिलने के 30 घंटे के अंदर पहड़ी शरीफ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

डीसीपी राजेश के अनुसार, 21 वर्षीय पीड़िता करीब सात महीने पहले अपनी सहेली काका सारिका के साथ हैदराबाद आई थी और तुकुगुडा स्थित प्राइम केयर अस्पताल में नर्स के रूप में जॉइन की थी। दोनों अस्पताल क्वार्टर में रह रही थीं।

29 अगस्त को दोपहर करीब 2:30 बजे सारिका ने पीड़िता की मौसी को बताया कि वह सुबह से अपने कमरे से बाहर नहीं निकली है और बार-बार खटखटाने पर भी जवाब नहीं दे रही है।

डीसीपी ने बताया कि रिश्तेदारों ने खिड़की से देखा तो पीड़िता को कमरे के अंदर चेहरे पर चोटों के साथ मृत अवस्था में पाया। इसके बाद पहड़ी शरीफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई।

डीसीपी राजेश ने कहा कि जांच में पता चला कि सनाउल्ला, जो अस्पताल के पास एक दुकान पर बाइक मैकेनिक के रूप में काम करता था, उसने घटना से करीब एक महीने पहले दुकान के पीछे की खिड़की से नर्स को देखा था।

उसने कथित तौर पर उसमें यौन रुचि विकसित की और उसकी गतिविधियों पर नजर रखने लगा। डीसीपी ने बताया कि आरोपी ने बाद में उसके साथ यौन उत्पीड़न करने की योजना बनाई।

सनाउल्ला, बिहार के बेगूसराय जिले के रुदौली का रहने वाला है। वह 2023 में हैदराबाद आया था और शुरू में उप्पल में एक मैकेनिक दुकान पर काम करता था। करीब दो महीने पहले वह तुकुगुडा चला गया और श्री भाग्यलक्ष्मी बाइक मैकेनिक शॉप पर काम करने लगा, जहां वह रहता भी था।

डीसीपी राजेश के अनुसार, सनाउल्ला 29 अगस्त को रात करीब 12:30 बजे खिड़की से नर्स के कमरे में घुस गया।

महिला कथित तौर पर जाग गई और चिल्लाई। आरोपी ने फिर कथित तौर पर अपने बाएं हाथ से उसका मुंह दबा दिया और दाएं हाथ से उसके गले को पकड़ लिया।

संघर्ष के दौरान पीड़िता ने कथित तौर पर उसके बाएं हाथ की छोटी उंगली काट ली और नाखूनों से उसके गले तथा बाएं सीने पर खरोंचें डाल दीं।

डीसीपी ने बताया कि आरोपी ने फिर उसके चेहरे पर हमला किया, उसे नीचे गिराया और गला घोंट दिया। होश खोने के बाद उसने कथित तौर पर उसके साथ यौन उत्पीड़न किया और फिर खिड़की से भाग गया।

डीसीपी राजेश ने कहा कि तकनीकी साक्ष्य और अन्य जांच सुरागों से पुलिस ने सनाउल्ला की पहचान की और उसका पता लगाया। वह 30 अगस्त की शाम को हिरासत में लिया गया, शिकायत मिलने के 30 घंटे के अंदर।

एक सैमसंग मोबाइल फोन और आरोपी के कपड़े जब्त किए गये।

डीसीपी ने कहा कि जांच आगे बढ़ने के साथ वैज्ञानिक, फॉरेंसिक और तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं और उनका विश्लेषण किया जा रहा है।

मामला अपराध संख्या 554/2026 के रूप में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 64(1) और 332(क) के साथ एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 3(2)(5) के तहत दर्ज किया गया है।

जांच जारी है। पुलिस आगे वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्यों की जांच कर रही है।

गिरफ्तारी हैदराबाद सिटी पुलिस कमिश्नर वीसी सज्जनार, आईपीएस के पर्यवेक्षण तथा डीसीपी बी राजेश और आरजीआईए डिवीजन एसीपी वी श्रीकांत गौड़ के मार्गदर्शन में की गई।

पहड़ी शरीफ इंस्पेक्टर बी लक्ष्मीनारायण रेड्डी, उनकी टीम और शमशाबाद जोन टास्क फोर्स के कर्मी इस अभियान में शामिल थे।

भाजपा कार्यालय पर स्याही-पेंट फेंकना

कायराना और निंदनीय कृत्य : अविनाश देवड़ा

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा तेलंगाना व्यापार प्रकोष्ठ के सह-संयोजक अविनाश देवड़ा ने तेलंगाना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा भाजपा कार्यालय के गेट पर स्याही और पेंट फेंके जाने की घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इस घटना को कायराना एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध बताया।

अविनाश देवड़ा ने कहा कि लोकतंत्र में हर व्यक्ति को विरोध करने और अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है, लेकिन स्याही और पेंट फेंकना, डराने का प्रयास करना तथा पीछे से हमला करना लोकतांत्रिक विरोध का तरीका नहीं हो सकता।

उन्होंने कहा कि यदि किसी विषय पर मतभेद हैं तो संबंधित पक्ष को सामने आकर लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखनी चाहिए। भाजपा हर चुनौती का सामना साहस, संयम और लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ करने में विश्वास रखती है। देवड़ा ने कहा कि इस प्रकार की कायराना हरकतें लोकतंत्र को कमजोर करती हैं और स्वस्थ राजनीतिक परंपराओं के लिए उचित नहीं हैं। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा की गई इस घटना की कड़ी भर्त्सना करते हुए कहा कि राजनीतिक मतभेदों को संवाद और शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक माध्यमों से ही व्यक्त किया जाना चाहिए।

ईश्वर की प्रेरणा से सेवा का कारवां बढ़ा रहे राधे-राधे ग्रुप के सदस्य : महेश गुप्ता

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास सोमवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश गुप्ता ने कहा कि यह सबके सामूहिक प्रयास और सेवा भावना का परिणाम है कि आज राधे-राधे ग्रुप के सदस्य मिलकर हैदराबाद में तीन स्थानोंबेगम बाजार, नामपल्ली और केबीआर पार्क स्थित वाटर टैंक के पासनियमित अन्नदान सेवा का आयोजन कर रहे हैं।

महेश गुप्ता ने कहा कि जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने का यह कार्य केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था का प्रयास नहीं, बल्कि सभी सेवाभावी सदस्यों के सहयोग और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा, यह हम नहीं कर रहे, बल्कि ईश्वर हमसे यह सेवा करवा रहा है। हम तो केवल उसके कार्य के माध्यम बने हैं।

उन्होंने कहा कि जब समाज के लोग एकजुट होकर निस्वार्थ भाव से सेवा के लिए आगे आते हैं, तो छोटी-सी पहल भी एक बड़े सेवा अभियान का रूप ले लेती है। राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य भी यही है कि सेवा की इस भावना को निरंतर आगे बढ़ाया जाए और अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक भोजन एवं मानवीय सहयोग पहुंचाया जाए।

इस अवसर पर मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, नंद गोपाल, मनीष चिंडालिया, जगन गुप्ता, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, संजय गोयल, किरण गोयल, रविंद्र शर्मा एवं जय प्रकाश सारड़ा सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

अंजनी कुमार समेत 3 अफसरों को मिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

देहरादून, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने 31 अगस्त को देहरादून में आयोजित एक भव्य समारोह में तीन वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया। यह राष्ट्रीय सम्मान आंध्र प्रदेश कैडर के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अंजनी कुमार, उत्तराखंड कैडर के आईएफएस अधिकारी समीर सिन्हा और कर्नाटक कैडर की आईएफएस अधिकारी श्रीमती मीनाक्षी नेगी को दिया गया।

यह सम्मान तीनों अधिकारियों के दीर्घकालीन, समर्पित एवं उल्लेखनीय सेवाकाल के साथ-साथ जनसेवा, प्रशासन और राष्ट्रहित में उनके उत्कृष्ट योगदान की मान्यता के रूप में प्रदान किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने सम्मानित अधिकारियों के समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा, नेतृत्व क्षमता एवं सार्वजनिक सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे अधिकारी अपने उत्कृष्ट कार्यों एवं आदर्श सेवाभाव के माध्यम से प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत भी बनते हैं। देहरादून में आयोजित यह समारोह प्रशासनिक एवं पुलिस सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्टता, समर्पण और दीर्घकालीन योगदान को सम्मानित करने का महत्वपूर्ण अवसर रहा।

मेसी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को कहा अलविदा, भावुक पोस्ट में लिखा- यह फैसला बेहद दर्दनाक

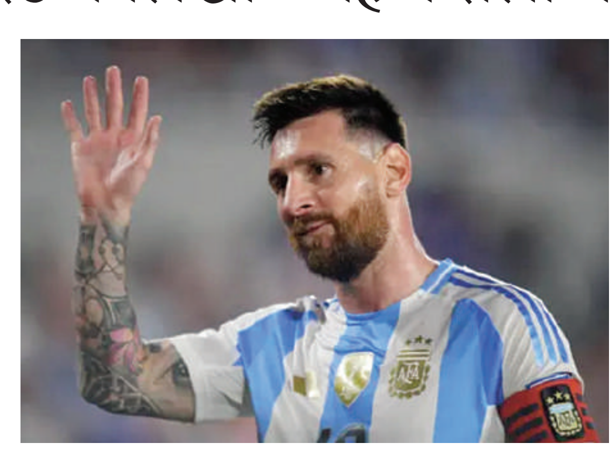

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी है। 39 वर्षीय मेसी ने सोमवार को सामाजिक माध्यम पर हाथ से लिखे पत्र की तस्वीर साझा करते हुए अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम को अलविदा कह दिया। मेसी ने बताया कि उन्होंने विश्व कप फाइनल में स्पेन के खिलाफ अर्जेंटीना की हार के दो दिन बाद, 21 जुलाई को ही अपना विदाई संदेश लिख लिया था। बाद में अपने पिता जॉर्ज मेसी के निधन के बाद उन्होंने इस फैसले को सार्वजनिक किया।

2026 विश्व कप का फाइनल अर्जेंटीना के लिए मेसी का अंतिम अंतरराष्ट्रीय मुकाबला रहा, जिसमें टीम को स्पेन के हाथों हार का सामना करना पड़ा। मेसी ने अपने भावुक संदेश में कहा कि यह फैसला लेना उनके लिए बेहद तकलीफदेह था, लेकिन अब उन्हें लगता है कि समय आ गया है।

मेसी ने अपने संदेश में कहा कि यह फैसला उन्हें अंदर तक दुख पहुंचाता है, लेकिन वह समझते हैं कि अब सही समय आ गया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने न केवल उन पिछले वर्षों में, जब अर्जेंटीना ने बड़ी सफलताएं हासिल कीं, बल्कि उससे पहले भी राष्ट्रीय टीम के लिए हमेशा अपना सब कुछ दिया।उन्होंने कहा कि उन्होंने अर्जेंटीना की जर्सी के लिए हमेशा संघर्ष किया और मैदान पर अपना सब कुछ इसलिए छोड़ा, ताकि देशवासियों को खुशी मिल सके और उन्हें अर्जेंटीनी होने पर गर्व महसूस हो।

मेसी ने कहा कि समय तेजी से गुजर रहा है और जीवन में अध्याय समाप्त होते हैं। राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बनना उन्हें हमेशा पसंद था और रहेगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने पास मौजूद सब कुछ दे दिया है और अब उनके पास देने के लिए कुछ नहीं बचा है। साथ ही कई प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी आगे आ रहे हैं, जो राष्ट्रीय टीम में जगह पाने के हकदार हैं।

मेसी के पिता जॉर्ज मेसी का 8 अगस्त 2026 को निधन हुआ था। इसके बाद मेसी ने संकेत दिया था कि उन्हें अपने अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर गंभीर संदेह है। पिता के निधन ने भी उनके संन्यास के फैसले को प्रभावित किया।

2026 विश्व कप फाइनल के बाद अपने प्रदर्शन को याद करते हुए मेसी ने कहा कि उनके पैर उनका साथ नहीं दे रहे थे। उन्होंने अपनी शारीरिक सीमाओं से आगे जाने की कोशिश की, लेकिन इस बार वह ऐसा नहीं कर सके।

मेसी ने अर्जेंटीना के प्रशंसकों को पिछले दो दशकों में मिले प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें मैदान से प्रशंसकों की आवाज सुनने की बहुत याद आएगी। अब वह बाहर से टीम का समर्थन करेंगे और अच्छे समय के साथ-साथ मुश्किल समय में भी अर्जेंटीना के साथ खड़े रहेंगे।

उन्होंने अपने परिवार का भी साथ देने के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही सभी प्रशिक्षकों, साथी खिलाड़ियों और अधिकारियों को धन्यवाद दिया, जिनके साथ उन्होंने यह लंबा सफर तय किया।

मेसी ने कहा कि वह अपने साथ कभी न भूलने वाली यादें और पल लेकर जा रहे हैं। उन्होंने गर्व व्यक्त किया कि अपने साथियों के साथ मिलकर उन्होंने अर्जेंटीना के प्रशंसकों को वे पल दिए, जिनका कभी केवल सपना देखा गया था।

इतिहास में कैद एक पल: दोहा 2022 का प्रतिष्ठित मेसी फ्रेम

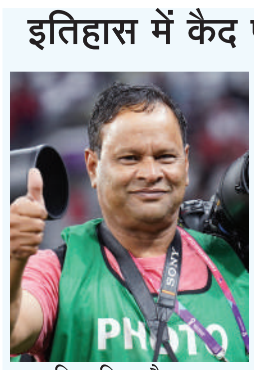

लियोनेल मेसी के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने के फैसले ने दोहा, कतर में आयोजित 2022 फीफा विश्व कप की उन अविस्मरणीय यादों को ताजा कर दिया है, जहां मुझे स्नैप्स इंडिया न्यूज एंड फोटो एजेंसी के फोटोजर्नलिस्ट के रूप में टूर्नामेंट कवर करने का सौभाग्य मिला था।

अर्जेंटीना के ऐतिहासिक अभियान के दौरान दोहा में मौजूद रहना मेरे करियर के सबसे यादगार अनुभवों में से एक रहा। अपने कैमरे के जरिए मैंने जितने भी असाधारण क्षण देखे, उनमें विश्व कप फाइनल में फ्रांस के खिलाफ मेसी का पेनल्टी शॉट मेरे द्वारा कैद किए गए सबसे प्रतिष्ठित फ्रेमों में से एक है। लुसैल स्टेडियम के अंदर का माहौल बेहद असाधारण था। हर हरकत, हर अभिव्यक्ति और हर पल इतिहास के वजन से भरा हुआ था। अपने लेंस के माध्यम से मैंने मेसी को विश्व कप इतिहास के सबसे महान फाइनल में से एक में अर्जेंटीना का नेतृत्व करते देखा, और अंत में उन्होंने वह ट्रॉफी उठाई जो लंबे समय से उनके हाथ से छूटती रही थी। एक खेल फोटोजर्नलिस्ट के लिए ऐसे क्षण को कैद करना सिर्फ एक तस्वीर खींचने से कहीं अधिक हैयह खेल इतिहास के एक टुकड़े को संरक्षित करने जैसा है। आज, जब मेसी ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर से संन्यास की घोषणा की है, दोहा की वह तस्वीर और भी अधिक भावना और अर्थ समेटे हुए है।

जैन विद्या परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर तेलंगाना में संगठन यात्रा

हैदराबाद, 31 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जैन विद्या परीक्षा के सफल आयोजन एवं अधिकाधिक विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तेलंगाना क्षेत्र में संगठन यात्रा का आयोजन किया गया। इसी क्रम में 31 अगस्त 2026 को तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश प्रभारी श्री पदम चंद जी दुगड़, तेलंगाना सह-प्रभारी श्री राजेंद्र जी बोथरा तथा तेलंगाना आंचलिक संयोजिका श्रीमती संगीता जी गोलछा बोलारम केंद्र की संगठन यात्रा पर पधारे।

इस अवसर पर श्री पदम चंद जी दुगड़ ने बोलारम केंद्र के प्रत्येक परिवार से जैन विद्या परीक्षा के आवेदन पत्र भरने की प्रेरणा दी। उन्होंने सभी जैन संप्रदायों से संपर्क कर अधिक से अधिक विद्यार्थियों के आवेदन भरवाने तथा परीक्षा में सहभागिता बढ़ाने का आग्रह किया। तेलंगाना आंचलिक संयोजिका श्रीमती संगीता जी गोलछा ने ज्ञानशाला के 10 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों को जैन विद्या परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अभिभावकों एवं समाजबंधुओं से बच्चों को परीक्षा के लिए प्रोत्साहित करने का आग्रह किया।बोलारम केंद्र की गतिविधियों के बारे में केंद्र व्यवस्थापिका श्रीमती शीखा सुराणा ने जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने इस वर्ष बोलारम केंद्र को दिए गए लक्ष्य को पूरा करने का आश्वासन दिया तथा परीक्षा के सफल आयोजन के लिए आवश्यक सहयोग का भरोसा दिलाया।इस अवसर पर बोलारम सभा के अध्यक्ष श्री संजय जी सुराणा, श्री अनिल जी कातरेला, श्रीमती दमयंती जी सुराणा, श्रीमती पूनम जी बांटिया, श्रीमती स्नेहा जी बांटिया, श्रीमती मधु जी कातरेला एवं श्रीमती चंद्रा जी कातरेला उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान जैन विद्या परीक्षा में अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने, परिवारों को जोड़ने तथा बच्चों में धार्मिक एवं नैतिक शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

कॉकरोच जनता पार्टी के हैदराबाद नेता मोहम्मद अशर उद्दीन और प्रजा एकता पार्टी (पीईपी) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास के बीच जनहित के वर्तमान मुद्दों पर महत्वपूर्ण वार्ता हुई।
यह बैठक प्रजा एकता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय, हैदराबाद में आयोजित की गई। दोनों नेताओं ने लोगों के हित में विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.